झारखण्ड केन्द्रीय विश्वविद्यालय
ज्ञानात् हि बुद्धि कौशलम्
Knowledge To Wisdom
CENTRAL UNIVERSITY OF JHARKHAND

10 वर्ष
दस वर्ष स्थापना के
झा.के.वि. : 2009-2019

# अख़बार कहता है...

ज्ञानात् हि बुद्धि कौशलम्

*Knowledge to Wisdom*

प्रो. नन्द कुमार यादव 'इन्दु'

**कुलपति**

झारखण्ड केन्द्रीय विश्वविद्यालय
ब्राम्बे, राँची

## संदेश

यह अपार हर्ष का विषय है कि विश्वविद्यालय की स्थापना के दस वर्ष के उपलक्ष्य में **"अख़बार कहता है..."** का प्रकाशन हो रहा है। अपने विगत से साक्षात्कार करते हुए वर्तमान के पथ पर चल कर भविष्य को और सुदृढ़ किया जा सकता है। यात्रा को निरंतर परिमार्जित करने के लिए सिंहावलोकन आवश्यक है। यह कॉफी टेबल बुक हमारे लिए काफी उपयोगी होगा, ऐसी आशा है।

मैं श्री नरेन्द्र जी को इस कॉफी टेबल बुक के संपादन हेतु बधाई देता हूँ। समस्त विश्वविद्यालय परिवार को मंगलकामना और **"अख़बार कहता है..."** की सफलता के लिए शुभाशंसा प्रेषित करता हूँ।

२१/२/१७

**(नन्द कुमार यादव 'इन्दु')**

प्रो. एस.एल. हरि कुमार

**कुलसचिव**

झारखण्ड केन्द्रीय विश्वविद्यालय
ब्राम्बे, राँची - 835205

## संदेश

यह अतिशय हर्ष की बात है कि झारखण्ड केन्द्रीय विश्वविद्यालय के दशकोत्सव के शुभ अवसर पर **''अख़बार कहता है...''** का प्रकाशन हो रहा है। विगत दस वर्षों की हमारी महत्वपूर्ण गतिविधियाँ इसमें दर्ज हैं। इसके पन्ने को पलटते हुये हम जानेंगे कि हमारा प्रदर्शन कैसा था, उसे भविष्य में और कैसे बेहतर बनाया जा सके।

संपादक श्री नरेन्द्र जी को हृदय से बधाई देता हूँ क्योंकि बहुत कम समय में इन्होंने इस कार्य को पूरा किया। विश्वविद्यालय परिवार को इस अवसर पर विशेष बधाई देता हूँ और **''अख़बार कहता है...''** की सफलता के लिए कामना करता हूँ।

22/2/19

(एस.एल. हरि कुमार)

नरेन्द्र कुमार

जनसंपर्क पदाधिकारी
झारखण्ड केन्द्रीय विश्वविद्यालय
ब्राम्बे, राँची

## संपादकीय

ऋतुएँ बदलती हैं और समय का पाखी अपने परों में उम्मीद बाँधकर आकाश की ओर उड़ चलता है। विगत को देखना अच्छा लगता है, आगत का सामना करना भी भला प्रतीत होता है और इस तरह स्मृति और आशा में जीवन की यात्रा आगे बढ़ते रहती है। **"अख़बार कहता है..."** वस्तुतः इसी यात्रा की कथा है। हमने क्या किया और हमें क्या करना है इसका अर्थ शायद यहाँ से और खुले।

मैं माननीय कुलपति महोदय के प्रति आभार प्रकट करता हूँ जिन्होंने यह महत्वपूर्ण दायित्व देकर मुझपर भरोसा किया। विश्वविद्यालय परिवार के समस्त सदस्यों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ यह मानकर कि यह कॉफी टेबल बुक आपके मानदण्डों पर खरा उतरेगा **"अख़बार कहता है..."** आपको समर्पित।

22.02.19

(नरेन्द्र कुमार)

केंद्रीय विवि. भारत-चीन में नरम शक्ति और सार्वजनिक कूटनीति पर प्रो स्वर्ण सिंह ने कहा

# अब सख्ती और नरमी का नहीं स्मार्ट और शार्प पावर का दौर

विशेष संवाददाता @ रांची

जवाहरलाल नेहरू विवि के प्रो स्वर्ण सिंह ने कहा है कि नरम शक्ति के तीन घटक हैं. इनमें संस्कृति, राजनीतिक मूल्य और विदेश नीति शामिल हैं. इसलिए कठोर शक्ति और नरम शक्ति के बीच एक आदर्श संतुलन होना बहुत उचित है. इसलिए इसमें सॉफ्ट पावर और हार्ड पावर के डिजाइनर मिश्रण की आवश्यकता होती है. प्रो सिंह गुरुवार को केंद्रीय विवि, झारखंड में भारत और चीन में नरम शक्ति और सार्वजनिक कूटनीति पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उदघाटन सत्र में बोल रहे थे.

यह सम्मेलन केंद्रीय विवि, झारखंड, भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान केंद्र और इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स के संयुक्त तत्वावधान में हो रहा है. प्रो सिंह ने सॉफ्ट पावर समय के साथ-साथ विकसित होते हुए स्मार्ट पावर से शार्प पावर की अवधारणा में बदल गया है.

## भारत के पास सांस्कृतिक आदान-प्रदान के विकल्प

प्रो महेंद्र पी लामा ने सॉफ्ट पावर के व्यावहारिक पहलू को शामिल करते हुए कहा कि भारत व चीन ने विश्व में अपनी महत्ता को बढ़ाने में अपनी संस्कृति मूल्यों का प्रयोग किया है. उन्होंने कहा कि भारत के पास सांस्कृतिक आदान-प्रदान से व्यापक विकल्प हैं. भारत विभिन्नता का देश है. उत्तर-पूर्व से दक्षिण भारत तक अनेक विकल्प भारत के पास हैं. प्रो लामा ने सार्वजनिक कूटनीति की महत्ता पर प्रकाश डालाते हुए बताया कि इसके कारण भारत की स्वीकृति दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है. उदाहरण के लिए भारतीय पासपोर्ट को अब 64 देशों में या तो वीजा मुक्त या वीजा आगमन पर स्वीकार किया जाता है.

इससे पूर्व विवि के कुलपति प्रो नंद कुमार यादव इंदु ने बताया कि सम्मेलन का आयोजन समकालीन प्रासंगिक मुद्दे पर किया जा रहा है. जो शांति और संघर्ष की समस्या को कम करने में सहयोग कर सकता है. संयोजक विभूति भूषण विश्वास ने सम्मेलन की अवधारणा और विचार की जानकारी दी. उन्होंने कहा कि अब नरम शक्ति पर विचार-विमर्श करना महत्वपूर्ण होता जा रहा है, जिससे दुनिया में बढ़ते संघर्ष और हिंसा को समाप्त करने में सहयोग कर सकता है. कठोर शक्ति के शक्ति के महत्व पर जरूरत बन गयी 60 से अधिक श जायेंगे. इसमें बां भी प्रतिनिधि हि

केंद्रीय विवि झारखंड में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उदघाटन करते अतिथि.

# दुनिया में संघर्ष व हिंसा की समाप्ति के लिए चर्चा जरूरी

## सीयूजे में सेमिनार

रांची | संवाददाता

सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड में भारत और चीन में नरम शक्ति और सार्वजनिक कूटनीति विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार गुरुवार को शुरू हुआ। इसका उद्घाटन सीयूजे के कुलपति डॉ प्रो नंद कुमार इंदू ने किया। संयोजक डॉ विभूति भूषण विश्वास ने सम्मेलन की अवधारणा स्पष्ट करते हुए कहा कि आज इस विषय पर चर्चा इसलिए आवश्यक है क्योंकि दुनिया में बढ़ते संघर्ष और हिंसा को समाप्त किया जा सके। कठोर शक्ति के साथ नरम शक्ति के महत्व पर जोर देना आवश्यक है।

जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय से आए प्रो स्वर्ण सिंह ने कहा कि सॉफ्ट पावर समय के साथ विकसित होते हुए शार्प पावर में बदल गया है। कहा नरम शक्ति के लिए संस्कृति, राजनीतिक मूल्य और विदेश नीति आवश्यक है। ये तीन बातें मजबूत हों तो यहीं कहानी अंतरराष्ट्रीय राजनीति में सुनी जाती है।

## हर भाषा का अपना महत्व

रांची। सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड (सीयूजे) में गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर कार्यक्रम हुआ। इसकी शुरुआत ट्राइबल स्टडीज विभाग की ओर से आयोजित मातृभाषा से जुड़ी प्रदर्शनी से हुई। डीएसडब्ल्यू डॉ मनोज कुमार ने इसका उद्घाटन किया। डॉ मनोज कुमार ने कहा कि हरेक भाषा की अपनी गहराई और महत्व है, जो देश की विविध संस्कृति को दर्शाती है। डॉ विमल किशोर, डॉ रत्नेश, डॉ सुचिता सेन चौधरी आदि ने भाषा और उससे जुड़ी सांस्कृतिक जीवन के बारे में अपने विचार रखे।

प्रो महेंद्र पी लामा ने कहा कि भारत और चीन ने विश्व में अपने महत्व को बढ़ाने में अपनी संस्कृति का प्रयोग किया है। कहा भारत के पास सांस्कृतिक आदान-प्रदान के व्यापक विकल्प हैं। सेमिनार में 60 से अधिक शोधपत्र प्रस्तुति किए जाएंगे। इस सम्मेलन में भारत के विभिन्न संस्थानों के अलावा बांग्लादेश और श्रीलंका से भी लोग आए हैं।

# केंद्रीय विवि में शोध परिषद का आयोजन

**रांची.** केंद्रीय विवि, झारखंड में 18 फरवरी से दो दिवसीय इस्ट जोन विद्यार्थी शोध परिषद-2019 का आयोजन किया गया. 19 फरवरी तक चलनेवाले इस कार्यक्रम का आयोजन एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी ने किया है. इसमें विभिन्न विवि के विद्यार्थियों ने सामाजिक विज्ञान, चिकित्सा, अभियंत्रिकी एवं अन्य विषयों पर शोध पत्र प्रस्तुत किये. छात्रों में शोध को बढ़ावा देने के लिए आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विवि के कुलपति प्रो नंद कुमार यादव इंदु ने की. इस मौके पर आइआइएम के निदेशक डॉ शैलेंद्र सिंह, एआइयू दिल्ली के निदेशक डॉ अमरेंद्र पानी, डॉ अजय सिंह, एचएल हरिकुमार और सुभाष यादव आदि उपस्थित थे.

# तकनीकी और सांस्कृतिक महोत्सव नवाधार का आगाज

**रांची.** झारखंड केंद्रीय विवि में दो दिवसीय तकनीकी और सांस्कृतिक महोत्सव नवाधार की शुरुआत गुरुवार को हुई. इसका उदघाटन कुलपति प्रो नंद कुमार यादव इंदु व सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के निदेशक उमेश प्रसाद शाह ने किया. इस महोत्सव में तकनीकी, सांस्कृतिक, प्रबंधक आदि कार्यक्रम होंगे. महोत्सव का मुख्य उद्देश्य तकनीक के क्षेत्र में नवीन सोच को बढ़ावा देना है. इस मौके पर कुलसचिव प्रो हरि कुमार, डीएसडब्ल्यू डॉ मनोज कुमार, कार्यक्रम के संयोजक डॉ आशीष सचान आदि उपस्थित थे. कार्यक्रम की शुरुआत प्रो आशुतोष सक्सेना के बौद्धिक संपदा के अधिकार विषय पर व्याख्यान से हुई. इस प्रतियोगिता के तहत गेमिंग, बिजनेस आइडिया इवेंट आदि शामिल हैं.

# ...हार महोत्सव की शुरुआत

**रांची | संवाददाता**

झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय में तकनीकी और सांस्कृतिक महोत्सव निधार की शुरुआत गुरुवार को हुई। दो दिनों तक चलनेवाले इस महोत्सव में तकनीक, सांस्कृतिक, प्रबंधन और आयोजन का मुख्य उद्देश्य तकनीकी क्षेत्र को बढ़ावा देना है। उद्घाटन मुख्य अतिथि कुलपति प्रो नंद कुमार यादव इंदु और सूचना, प्रौद्योगिकी विभाग के निदेशक उमेश प्रसाद शाह ने की।

शुरुआत में बौद्धिक संपदा के अधिकार विषय पर व्याखान से हुआ।

कार्यक्रम में अतिथिगण। • हिन्दुस्तान

प्रो आशुतोष सक्सेना ने इस विषय पर जानकारी दी। मौके पर डीएसडब्ल्यू हरि कुमार, डॉ मनोज कुमार व अन्य उपस्थित थे।

# 'एकलव्य' से दिखाया आरक्षण का दर्द

**राष्ट्रीय युवा महोत्सव**

रांची | प्रमुख संवाददाता

चंडीगढ़ विश्वविद्यालय में चल रहे एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी (एआईयू) के 34में राष्ट्रीय युवा महोत्सव में केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड की टीम ने तीसरे दिन रविवार को थिएटर में शानदार प्रदर्शन किया। सीयूजे की टीम ने नाटक 'एकलव्य' का मंचन किया।

नाटक में द्रोणाचार्य और एकलव्य की कहानी को खूबसूरती से उभारा गया। साथ ही, इसमें आज के दौर में आरक्षण समाज को किस ओर ले जा रहा है, इसे दिखाया गया। महोत्सव का

चंडीगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय युवा महोत्सव में भाग लेने पहुंची सीयूजे की टीम।

# आरक्षण पर हो रही राजनीति को नाटक से बखूबी दिखाया

■ **नेशनल यूथ फेस्टिवल में केंद्रीय विवि के छात्रों का बेहतरीन प्रदर्शन**

**रांची.** चंडीगढ़ में आयोजित 34वें नेशनल यूथ फेस्टिवल में झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) के छात्रों ने तीसरे दिन रविवार को नाटक का मंचन किया. नाटक मंचन के दौरान दर्शक दीर्घा से सीयूजे के छात्रों ने खूब तालियां बटोरी. थीम था आज के दौर में आरक्षण समाज इसके अलावा द्रोणाचार्य और एकलव्य की कहानी को भी नाटक के जरिये बहुत खूबसूरत ढंग से पेश किया गया. आरक्षण पर मची राजनीति को सीयूजे के छात्रों ने बखूबी दिखाया. वही, मेहंदी प्रतियोगिता में सीयूजे के प्रतिभागियों ने सबका मन मोह लिया. टीम मैनेजर डॉ जया शाही व शाकिर के नेतृत्व में छात्र प्रदर्शन कर रहे हैं. वहीं, इस दौरान सीयूजे के डीएसडब्लू व जनसंपर्क अधिकारी नरेंद्र कुमार भी मौजूद रहे. पुरस्कार की घोषणा पांच फरवरी को की जायेगी.

# सीयूजे में नेतृत्व विकास पर हुआ विशेष व्याख्यान

रांची। केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड (सीयूजे) में बुधवार को व्याख्यान श्रृंखला के तहत नेतृत्व और विकास विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन हुआ। इसमें बतौर मुख्य वक्ता वाइस एडमिरल शेखर सिन्हा मौजूद थे।

उन्होंने राष्ट्रीय सीमाओं की सुरक्षा को जनमानस से जोड़ते हुए इस पर विस्तृत चर्चा की। कहा कि जनता और सरकार को इस मुद्दे पर साथ चलना होगा। उन्होंने चीन और पाकिस्तान जैसे पड़ोसी देशों के साथ भारत सरकार के वर्तमान कूटनीतिक संबंधों पर भी बात की। कुलपति प्रो नंद कुमार यादव इंदु ने कहा कि ऐसे सम सामयिक विषयों और अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर आगे भी विशेष व्याख्यान का आयोजन हुआ।

मौके पर रजिस्ट्रार प्रो एसएल हरिकुमार, प्रो सारंग मेधेकर, डॉ शिवेंद्र समेत अन्य शिक्षकगण व छात्र-छात्राएं मौजूद थे। संचालन डॉ रजनीकांत पांडेय ने किया।

सीयूजे में बुधवार को विशेष व्याख्यान में मौजूद मुख्य वक्ता व अन्य। • हिन्दुस्तान

# सीयूजे में विद्यार्थी शोध परिषद शुरू

**रांची।** एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) की ओर से केंद्रीय विश्वविद्यालय, झारखंड (सीयूजे) में दो दिवसीय पूर्वी क्षेत्र विद्यार्थी शोध परिषद की शुरुआत सोमवार को हुई। इसमें बतौर मुख्य अतिथि आईआईएम के निदेशक शैलेंद्र सिंह मौजूद थे। अध्यक्षता कुलपति प्रो नंद कुमार यादव इंदू ने की। इसमें शोध के नवीनतम पहलुओं पर चर्चा की गई। इसमें देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से प्रतिभागी जुटे हैं।

उन्होंने सामाजिक विज्ञान, चिकित्सा, इंजीनियरिंग व अन्य विषयों पर शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। मौके पर एआईयू, दिल्ली के निदेशक व रिसर्च डिविजन के प्रमुख डॉ अमरेंद्र, डॉ अजय सिंह, डॉ एसएल हरि कुमार, सुभाष चंद्र यादव आदि मौजूद थे।

# सीयूजे में कैंपस ड्राइव आयोजित

**रांची।** अमेजन, हैदराबाद की ओर से सेंट्रल यूनिवर्सिटी झारखंड सुदूर पूर्व भाषाओं के विभाग में कैंपस ड्राइव का आयोजन किया गया। यह ड्राइव चीनी और कोरियाई भाषा के विद्यार्थियों के लिए आयोजित था। चीनी भाषा सीखने वाले विद्यार्थियों ने चार राउंड की चयन प्रक्रिया में हिस्सा लिया।

लिखित, मौखिकी, टेलीफोनिक साक्षात्कार और योग्यता परीक्षण के आधार पर चीनी भाषा के पांच छात्र अंतिम चरण के लिए चयनित हुए। इसका परिणाम अभी जारी नहीं किया गया है। अमेजन टीम और एचआर छात्रों के प्रदर्शन से प्रभावित हुए। एचआर ने कहा कि इस वर्ष छात्रों का प्रदर्शन पिछले वर्ष की तुलना में काफी बेहतर है। कोरियाई भाषा सीखने वाले छात्र भी लिखित परीक्षा में शामिल हुए। चयनित विद्यार्थियों को वार्षिक 5.97 लाख का पैकेज अन्य सुविधाओं के साथ प्राप्त होगा। ड्राइव विभाग के सहायक प्रोफेसर सुशांत कुमार, संदीप विश्वास, मुकेश कुमार जायसवाल और विशाल रजक की देखरेख में हआ।

# केंद्रीय विवि के छात्रों ने चंडीगढ़ में आयोजित 34वें नेशनल यूथ फेस्टिवल में हिस्सा लिया

**रांची.** केंद्रीय विवि, झारखंड के विद्यार्थियों ने चंडीगढ़ में आयोजित 34 वें नेशनल यूथ फेस्टिवल में हिस्सा लिया. महात्मा गांधी के स्वच्छता अभियान की टीम को लेकर विवि के छात्रों ने झांकी निकाली. नेशनल यूथ फेस्टिवल में देश भर के 105 विवि के दो हजार छात्र अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे. प्रतियोगिता का आयोजन पांच फरवरी तक होगा. छात्रों का हौसला बढ़ाने के लिए विवि के कुलसचिव प्रो एसएल हरिकुमार, डीएसडब्ल्यू डॉ मनोज कुमार जनसंपर्क अधिकारी नरेंद्र कुमार चंडीगढ़ पहुंचे. टीम के साथ टीम मैनेजर डॉ शाकिर और डॉ जया शाही भी हैं.

# केंद्रीय विवि

**रांची.** केंद्रीय विवि, झारखंड के ब्रांबे परिसर में मंगलवार को प्रधानमंत्री के परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का प्रसारण विद्यार्थियों व शिक्षकों ने देखा. इस चर्चा में प्रधानमंत्री ने छात्रों, शिक्षकों व अभिभावकों को उनके कर्तव्यों तथा जिम्मेदारियों को समझने का प्रयास किया. उन्होंने सबों को संतुलन बनाये रखने पर जोर दिया. उन्होंने बच्चों से कहा कि लक्ष्य बना कर मेहनत करें, सफलता जरूर मिलेगी. परीक्षा से घबराने की जरूरत नहीं है. यह जानकारी पीआरओ नरेंद्र कुमार ने दी.

# सीयूजे की टीम युवा महोत्सव में शामिल हुई

**रांची।** केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड (सीयूजे) की टीम ने एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के 34वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव की सांस्कृतिक शोभायात्रा में हिस्सा लिया। शुक्रवार को महात्मा गांधी के स्वच्छता अभियान की झलक दिखाई। चंडीगढ़ विश्वविद्यालय में आयोजित इस महोत्सव में देशभर के 105 विश्वविद्यालयों के 2000 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। महोत्सव पांच फरवरी तक चलेगा। सीयूजे के रजिस्ट्रार प्रो एसएल हरिकुमार, डीएसडब्ल्यू डॉ मनोज कुमार, जनसंपर्क अधिकारी नरेंद्र कुमार के नेतृत्व में टीम गई है। टीम मैनेजर डॉ शाकिर और डॉ जया शाही हैं।

## नेशनल यूथ फेस्ट में सीयूजे के छात्रों ने निकाली झांकी

जागरण संवाददाता, रांची : चंडीगढ़ में आयोजित 34वें नेशनल यूथ फेस्टिवल में केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड के छात्रों ने उद्घाटन समारोह में हिस्सा लिया। महात्मा गांधी के स्वच्छता अभियान की टीम को लेकर झारखंड केंद्रीय विवि के छात्रों ने झांकी निकाली। ज्ञात हो कि नेशनल यूथ फेस्टिवल में देश भर के 105 विश्वविद्यालय के दो हजार छात्र अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। यह प्रतियोगिता 5 फरवरी तक चलेगी।

झारखंड केंद्रीय विवि के छात्र-छात्राओं व शिक्षकों ने 'परीक्षा पे चर्चा' में भाग लिया। सभी ने प्रधानमंत्री की बातें सुनी।

# विद्यार्थियों को अवसरों पर ध्यान देने के मिले टिप्स

रांची | प्रमुख संवाददाता

केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड (सीयूजे) के पुस्तकालय विभाग की ओर से बुधवार को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। उद्घाटन रजिस्ट्रार प्रो एसएल हरिकुमार ने किया।

इस अवसर पर स्कोप्स विषय पर आयोजित कार्यशाला में विद्यार्थियों को कई जानकारी दी गयी।

मौके पर पुस्तकालय विभाग के अध्यक्ष डॉ एसके पांडेय, डीएसडब्ल्यू डॉ मनोज कुमार, कंप्यूटर विभाग के डीन डॉ सुभाष कुमार यादव, शिक्षा विभाग के अध्यक्ष विमल किशोर, पीआरओ नरेंद्र कुमार व सभी पुस्तकालयकर्मी मौजूद थे। संचालन शंभुराज उपाध्याय ने किया।

सीयूजे में बुधवार को आयोजित कार्यशाला में शामिल अतिथिगण। ● हिन्दुस्तान

**स्वाधीनता सेनानियों को दी गई श्रद्धांजलि :** केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड (सीयूजे) में बुधवार देश के स्वाधीनता सेनानियों को भी याद किया गया। शिक्षकों व शिक्षकेतर कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व स्वाधीनता सेनानियों को श्रद्धांजलि दी।

साथ ही, महात्मा गांधी के बताए हुए अहिंसा के मार्ग पर चलने की शपथ ली गई। इस अवसर पर प्रभारी कुलपति प्रो सारंग मेधकर, एसएल हरि कुमार समेत शिक्षकगण मौजूद थे।

# केंद्रीय विवि में याद किये गये महात्मा गांधी

**रांची.** झारखंड केंद्रीय विवि में बुधवार को महात्मा गांधी की पुण्य तिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गयी. विवि के शिक्षकों व कर्मचारियों ने देश की आजादी में शहीद हुए स्वतंत्रता सेनानियों को भी श्रद्धांजलि दी. सबने संकल्प लिया कि महात्मा गांधी के बताये हुए मार्ग पर चलेंगे. श्रद्धांजलि सभा में प्रभारी कुलपति प्रो सारंग मेधकर, कुलसचिव एसएल हरि कुमार आदि शामिल हुए.

समाचार सार

# सेंट्रल यूनिवर्सिटी में मना शहीद दिवस

सेंट्रल यूनिवर्सिटी झारखंड में शहीद दिवस पर शिक्षकों और विद्यार्थियों ने स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की और महात्मा गांधी के बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। मौके पर प्रो . सारंग मेधकर, एसएल हरि कुमार सहित अन्य थे।

सेंट्रल यूनिवर्सिटी में गणतंत्र दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर संबने देश की प्रगति में योगदान देने का संकल्प दोहराया।

सीयूजे में गणतंत्र दिवस के मौके पर कई कार्यक्रम आयोजित हुए। • हिन्दुस्तान

# शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला की शुरुआत

**सीयूजे**

रांची | प्रमुख संवाददाता

झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के लाइफ साइंसेज विभाग की ओर से विश्वविद्यालय व कॉलेज शिक्षकों के लिए आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला की शुरुआत सोमवार को हुई। इसमें झारखंड और बिहार के 20 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

कार्यशाला का उद्घाटन विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति व संकायाध्यक्ष प्रो सारंग मेढ़ेकर, रजिस्ट्रार प्रो एसएल हरिकुमार और परीक्षा नियंत्रक प्रो प्रभु देव कुर्लें ने किया। विभागाध्यक्ष डॉ मनोज कुमार और डॉ आशीष सचान ने प्रतिभागियों को विभाग के इतिहास के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला की समन्वयक डॉ हिना फिरदौस ने पूरे आयोजन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कार्यशाला का आयोजन भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग की सहायता से किया गया है। साथ ही, केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड में इस तरह का यह पहर आयोजन है। मौके पर विभाग के स शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद थे।

झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के लाइफ साइंसेज विभाग की कार्यशाला में सोमवार को शामिल शिक्षकगण। • हिन्दुस्तान

# केंद्रीय विवि में गणितोत्सव

गणितोत्सव में उपस्थित लोग

रांची : झारखंड केंद्रीय विवि में गणितोत्सव का उद्घाटन मंगलवार को किया गया। इसमें विभिन्न तरह के गणितीय खेल, पहेली, चित्र प्रतियोगिता व गणितीय इतिहास पर वार्तालाप का आयोजन होगा। इसमें जाने-माने गणितज्ञ शामिल होंगे। इस अवसर पर डीन प्रो. एस. मेधेकर, डॉ. ऋषिकेश महतो, डॉ. जगमोहन तांती, डॉ. प्रदीप सहित अन्य थे।

# सीयूजे में पांच दिनी गणितोत्सव शुरू

**प्रतियोगिता**

रांची | प्रमुख संवाददाता

केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड में पांच दिवसीय गणितोत्सव, की शुरुआत मंगलवार को हुई। इनमें विभिन्न प्रकार के गणितीय खेल, चित्र प्रतियोगिता, पहेली के अलावा गणितीय इतिहास पर परिचर्चाएं होंगी।

साथ ही, जाने-माने गणितज्ञ के व्याख्यान होंगे। उद्घाटन के मौके पर संकायाध्यक्ष प्रो एस मेधेकर, रजिस्ट्रार हरिकुमार, गणित के विभागाध्यक्ष डॉ ऋषिकेश महतो, डॉ जगमोहन तांती, प्रो आरके डे समेत अन्य शिक्षकगण व विद्यार्थी और शोधार्थी मौजूद थे।

केंद्रीय विश्वविद्यालय में मंगलवार को गणितोत्सव के मौके पर प्रतिभागी। • हिन्दुस्तान

# After Centre's fund push, CUJ hopes to shift to new campus

**Debjani Chakraborty** | TNN

**Ranchi:** With the Union cabinet's decision to grant Rs 3,600 crore to 13 central universities of India, hopes are high that Central University of Jharkhand would now finally shift to its permanent campus.

Apart from fund crunch, the matter of CUJ has been riddled in controversy as the CBI has been probing into the role of contractors for over expenditure. Talking to **TOI**, NK Yadav, the vice-chancellor of the university, said, "We haven't received any official communication regarding the grant for the construction, but since the cabinet decision has come we will hopefully be shifting the Humanities and Social Sciences departments to the new campus from the new session starting in July. We have recently acquired a no-objection certificate from CBI to take over the buildings which have already been constructed on the new campus."

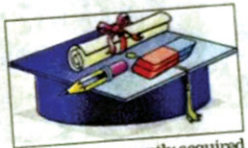

The hue and cry over the alleged irregularities of the expenditures on the new campus of CUJ came into light in 2014 following which the CBI froze the assets of the university after initiating a probe into the contractors involved in the project the same year. Since then, the proposed campus spread over 320 acres has been lying abandoned. The documents were seized by CBI and none of the completed structures were handed over to the university.

"Earlier, CBI refused to grant access to the disputed projects, but we have managed to get an NOC from the CBI Court a few months ago. Since then, we have communicated our budget demands for completion of the campus with University Grants Commision and HRD ministry. We are almost about to finish the survey of the construction work in the new campus to get a correct idea of the pending work," said Yadav.

Yadav added that the last estimate for the campus construction has crossed the Rs 700 crore mark. "Construction of around Rs 200 crore is complete, but we will require an additional Rs 500 crore to finish the campus construction on the current budget estimates," he added.

# केंद्रीय विवि में पांच दिवसीय गणितोत्सव शुरू

**रांची.** केंद्रीय विवि, झारखंड में पांच दिवसीय गणितोत्सव का आयोजन मंगलवार से शुरू हुआ. पांच दिनों तक विभिन्न तरह के गणितीय खेल, पहेली, चित्र प्रतियोगिता सहित गणितीय इतिहास पर परिचर्चा का आयोजन किया जायेगा. आज के इस कार्यक्रम में डीन प्रो एस मेधेकर, कुलसचिव एल हरिकुमार, विभागाध्यक्ष डॉ ऋषिकेश महतो, डॉ जगमोहन तांती, डॉ प्रदीप कुमार परिदा, डॉ अतुल कुमार श्रीवास्तव सहित विभाग के विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित थे.

# स्थापना दिवस की तैयारियां शुरू

रांची | प्रमुख संवाददाता

केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड इस वर्ष अपनी स्थापना का एक दशक पूरा कर रहा है। एक मार्च को इसकी स्थापना के दस वर्ष पूरे हो जाएंगे। इसको लेकर आयोजनों की तैयारियां अभी से शुरू कर दी गई हैं। विश्वविद्यालय अपने दशक समारोह के तहत खेलकूद और सांस्कृतिक आयोजनों के अलावा झारखंड की 32 जनजातीयों को एक मंच पर भी लाने जा रहा है।

समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी को न्यौता भेजा जा चुका है, जिसपर उनकी स्वीकृति मिलनी बाकी है। साथ ही, इसमें मुख्यमंत्री रघुवर दास, केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रकाश जावड़ेकर, यूजीसी के चेयरमैन हिस्सा लेंगे।

## केंद्रीय विश्वविद्यालय में चल रहे 26 विभाग

केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड में 2500 छात्र-छात्राएं व 96 स्थायी शिक्षक हैं। वर्ष 2018 में यहां हिन्दी व कंप्यूटर साइंस में पीजी व पीएचडी पाठ्यक्रम शुरू किया गया। इस सत्र से एक नया पाठ्यक्रम ट्रांसपोर्ट एंड साइंस डिपार्टमेंट खुलने जा रहा है।

इसके अलावा झारखंड व बिहार के विभिन्न विश्वविद्यालय के कुलपति भी इसका हिस्सा बनेंगे।

दशक समारोह के तहत पहला आयोजन- स्पोर्ट्स डे है, जो 26- 28 फरवरी तक चलेगा। इसमें विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं शामिल होंगे। एक मार्च को दशक समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे, जिनमें स्थानीय कलाकारों को सुना जा सकेगा। साथ ही, पूर्वी क्षेत्र युवा महोत्सव व राष्ट्रीय युवा महोत्सव में पुरस्कार पानेवाले छात्रों व खेल उत्सव के विजयी प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा।

इसी कड़ी में तीन दिवसीय 'बिरसा मुंडा लैंग्वेज एंड कल्चर फेस्टिवल' का आयोजन11-13 मार्च किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के लुप्तप्राय भाषा केंद्र (सेंटर फॉर एंडेंजर लैंग्वेजेज) की ओर से यह अपनी तरह का पहला आयोजन होगा, जिसमें झारखंड की सभी 32 जनजातियां एक मंच पर जुटेंगी।

विशेष रूप से लुप्तप्राय जनजातियों के लोग इसमें अपने समुदाय का प्रतिनिधित्व करेंगे। इसमें देशभर के जनजातीय कलाकार जुट रहे हैं।

# मतभेद रचनात्मकता की आत्मा है : एमके रैना

जागरण संवाददाता, रांची : मतभेद रचनात्मकता की आत्मा है, क्योंकि जब आप पुराने से सवाल करते हैं तो कुछ नया पाते हैं। प्रख्यात रंगमंच व्यक्तित्व और संगीत नाटक अकादमी अवार्डी एमके रैना ने संबोधित करते हुए कहा कि जब हमारे सामाजिक-सांस्कृतिक राजनीतिक परिवेश और मानदंडों पर एक व्यक्ति द्वारा सवाल उठाया जाता है,तो वह वर्तमान और भविष्य के लिए अमृत हो जाता है। एमके रैना ने झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय में क्रिएटिविटी और डिसेंट पर बात की। उन्होंने नाट्यशास्त्र, अभिनव गुप्त, भास, भक्ति, सूफी आंदोलन और साथ ही नील दर्पण और स्वाधीनता संग्राम की प्रदर्शनी को ध्यान में रखते हुए असंतोष की संपूर्ण भारतीय परंपरा को रेखांकित किया। यह बातचीत झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के लोकप्रिय व्याख्यान श्रृंखला के तत्वावधान में संकायों, विद्वानों और छात्रों के बीच अंतःविषय संवाद को बढ़ावा देने के लिए आयोजित की गई। इन व्याख्यान की श्रृंखला में अपने-अपने क्षेत्र के प्रमुख

**केंद्रीय विश्वविद्यालय में रैना ने भारतीय परंपरा को रेखांकित किया**

**प्रासंगिक मुद्दों पर चर्चा के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है**

रैना को सम्मानित करते कुलपति ● जागरण

व्यक्तियों को प्रासंगिक मुद्दों पर बात करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।सुबह प्रोफेसर नंद कुमार यादव इंदु ने एमके रैना का स्वागत और सत्कार किया। यह कार्यशाला डॉ वेंकट नरेश द्वारा समन्वित किया गया है। व्याख्यान सत्र का संचालन डॉ सुदर्शन यादव और डॉ रजनीकांत पांडेय द्वारा किया गया।

# वैचारिक भिन्नता रचनात्मकता की आत्मा: एमके रैना

**सीयूजे**

**विशेष व्याख्यान**

- केंद्रीय विश्वविद्यालय में व्याख्यान श्रृंखला की हुई शुरुआत
- साहित्य अकादमी से पुरस्कृत एमके रैना ने संबोधित किया

रांची | प्रमुख संवाददाता

केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड (सीयूजे) में गुरुवार को व्याख्यान श्रृंखला के तहत प्रख्यात रंगकर्मी व संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित एमके रैना का व्याख्यान आयोजित किया गया।

उन्होंने रचनात्मकता और मतभेद विषय पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि आप पुराने से कुछ नया पाने का सवाल करते हैं, तो यह रचनात्मकता होती है। एमके रैना ने मतभेद की पूरी भारतीय परंपरा को केंद्रित करते हुए नाट्यशास्त्र, अभिनवगुप्त, भास, भक्ति, सूफी आंदोलन और स्वाधीनता संग्राम पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने भारतीय परंपरा पर जोर दिया व कहा कि किस तरह से कुछ नया किया जा सकता है। एके रैना सीयूजे में कला के छात्रों और थिएटर के प्रति रुझान रखनेवालों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन कर रहे हैं। इस कार्यशाला के समन्वयक डॉ वेंकट नरेश हैं।

कुलपति प्रो नंद कुमार यादव इंदु ने कहा कि विश्वविद्यालय में व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन विभिन्न संकायों, विद्वानों और छात्रों के बीच अंतःविषय संवाद को बढ़ावा देने के उद्देश्य किया जा रहा है। इसमें प्रासंगिक मुद्दों पर अपने-अपने क्षेत्र के प्रमुख व्यक्तियों व शिक्षाविदों को आमंत्रित किया जाता है।

सत्र का संचालन डॉ सुदर्शन यादव ने किया। मौके पर प्रो सारंग मेधेकर, डॉ रजनीकांत पांडेय व डॉ शिवेंद्र प्रसाद समेत अन्य शिक्षकगण व बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

सीयूजे में गुरुवार को मुख्य अतिथि का किया गया स्वागत। ● हिन्दुस्तान

## आज विजेताओं का होगा ढोल-नगाड़ों से स्वागत

# दरभंगा यूथ फेस्टिवल में केंद्रीय विवि के विद्यार्थियों ने दिखाया दम

**लाइफ रिपोर्टर @ रांची**

दरभंगा में आयोजित अंतर विवि पूर्वी क्षेत्रीय यूथ फेस्टिवल में केंद्रीय विवि, झारखंड के विद्यार्थियों ने कई प्रतिस्पर्द्धाओं में पुरस्कार जीत कर अपना दम दिखाया है. उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन पर कुलपति प्रो नंद कुमार यादव ने बधाई दी है. आज विजेताओं के आगमन पर ढोल-नगाड़ों के साथ उनका स्वागत किया जायेगा. कुलपति ने कहा है कि सभी विजेताओं को चंडीगढ़ में होनेवाले राष्ट्रीय यूथ फेस्टिवल के लिए बेहतर प्रशिक्षण दिया जायेगा. कुलसचिव डॉ एसएल हरिकुमाल, डीएसडब्ल्यू डॉ मनोज कुमार, पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ एसके पांडे, डीआर अब्दुल हलीम, पीआरओ नरेंद्र कुमार समेत सभी शिक्षक और कर्मचारियों ने विजेताओं को बधाई दी है.

पीआरओ नरेंद्र कुमार ने बताया कि विवि के छात्रों ने स्किट (थियेटर) में प्रथम, वन एक्ट (थियेटर) में तृतीय, माइम (थियेटर) में द्वितीय स्थान हासिल किया है. मिमिक्री (थियेटर) में द्वितीय स्थान प्रशांत कुमार मिश्र को मिला है. इसी प्रकार सुगम संगीत (एकल) में शालिनी ने प्रथम, इंस्टॉ...

ग्रुप फोटो में शामिल सेंट्रल यूनिवर्सिटी के छात्र.

**इंस्टालेशन में डीएसपीएमयू का दूसरा स्थान**

# पूर्वोत्सव में थर्ड आनेवाली सीयूजे टीम का स्वागत

**रांची | प्रमुख संवाददाता**

ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय दरभंगा में आयोजित 34वें अंतर विश्वविद्यालय युवा महोत्सव पूर्वोत्सव में सेकेंड रनरअप सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड की टीम मंगलवार को रांची पहुंची। विजेताओं का स्वागत विश्वविद्यालय परिसर में गर्मजोशी से किया गया।

इस मौके पर ढोल नगाड़े और फूल की बारिश के बीच छात्रों का आगमन विश्वविद्यालय परिसर में हुआ। कुलपति प्रो नंदकुमार यादव ने सभी छात्रों को माला पहनाते हुए जीत की बधाई दी।

सभी छात्र मेडल और ट्रॉफी के साथ खुशी में झूमते चल रहे थे। मौके पर विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक, कर्मचारी और छात्र मौजूद थे।

**नौ मेडल में दिखी हमारे छात्रों की प्रतिभा : कुलपति :** कुलपति ने कहा कि कम समय में युवा महोत्सव की तैयारी कर के बाद नौ मेडल जीतकर हमारे यहां के छात्रों ने यह दिखा दिया है के उनमें प्रतिभा कूट-कूट कर भरी हुई है।

उन्होंने विजेता टीम को चंडीगढ़ में फरवरी में आयोजित राष्ट्रीय युवा महोत्सव में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। कुलपति ने डीएसडब्लू डॉ मनोज कुमार, टीम मैनेजर डॉ जया शाही और शाकिर तसनीम को बधाई दी।

पूर्वोत्सव में सीयूजे की टीम थिएटर में ओवरऑल चैंपियन बनी। इसके अलावा टीम ने सुगम संगीत, इंस्टॉलेशन में प्रथम व मेहंदी में द्वितीय पुरस्कार जीता।



सेंट्रल यूनिवर्सिटी में मंगलवार को पूर्वी क्षेत्र अंतर विवि युवा महोत्सव में परचम लहराने वाली टीम का स्वागत ऐसे किया गया।

# दरभंगा के यूथ फेस्टिवल में केंद्रीय विवि के विद्यार्थियों ने दिखायी प्रतिभा



एलएनएम यूनिविर्सटी दरभंगा में आयोजित यूथ फेस्टिवल में शामिल केंद्रीय विवि झारखंड के विद्यार्थी.

**लाइफ रिपोर्टर @ रांची**

एलएनएम यूनिविर्सटी दरभंगा में चल रहे 34वें अंतर विवि यूथ फेस्टिवल में झारखंड केंद्रीय विवि के विद्यार्थी भी अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं. विद्यार्थियों ने गायन, मिमिक्री, शास्त्रीय संगीत, नाटक, क्विज समेत कई प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया है. विद्यार्थियों की गांधी थीम पर निकाली गयी झांकी की काफी सराहना मिली है.

**समापन सात को**

फेस्टिवल का समापन सात जनवरी को होगा. 35 सदस्यीय टीम में विवि की तरफ से डीएसडब्ल्यू डॉ मनोज कुमार, पीआरओ नरेंद्र कुमार डॉ रजनीकांत, डॉ जया शाही विद्यार्थियों के साथ गये हैं. वीसी प्रो नंद कुमार यादव और कुलसचिव डॉ एसएल हरि कुमार ने शुभकामनाएं दी हैं.

# रांची पहुंचने पर केंद्रीय विवि के विद्यार्थियों का ढोल-नगाड़े से किया गया भव्य स्वागत

**लाइफ रिपोर्टर @ रांची**

दरभंगा में आयोजित 34वें अंतर विश्वविद्यालय युवा महोत्सव में जीत का डंका बजाने वाले केंद्रीय विवि, झारखंड के प्रतिभागी मंगलवार को रांची पहुंचे. रांची पहुंचने पर विवि के ब्रांबे स्थित परिसर में प्रतिभागियों का ढोल-नगाड़े और फूलों से भव्य स्वागत किया गया. कुलपति प्रो नंदकुमार यादव ने सभी विद्यार्थियों को फूलों की माला पहनाते हुए जीत की बधाई दी. मौके पर विवि के सभी शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी मौजूद थे. सबों के बीच लड्डू बांटे गये.

विजेता विद्यार्थियों के साथ विश्वविद्यालय के कुलपति व अन्य.

डॉ जया शाही व शाकिर तसनीम ने जीत की पूरी कहानी बतायी. कुलपति प्रो यादव ने कहा कि विवि ने यूथ फेस्टिवल में नौ मेडल जीत लिया. इससे यह साबित होता है कि विवि में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है. उन्होंने बच्चों से कहा किं अगले माह चंडीगढ़ में होनेवाले राष्ट्रीय यूथ फेस्टिवल में बेहतर प्रदर्शन के लिए अभ्यास जारी रखें.

# सीयूजे में शुरू हुआ संगणक और प्रौद्योगिकी विभाग

सीयूजे में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित कुलपति प्रो नंद कुमार यादव 'इंदु' व अन्य।

**रांची | प्रमुख संवाददाता**

केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड (सीयूजे) में शुक्रवार को संगणक और प्रौद्योगिकी विभाग का उद्घाटन समारोह सह एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। रिसर्च मेथोडोलॉजी और लेटेक्स लर्निंग विषय पर आयोजित इस कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो गोपाल पाठक मौजूद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीयूजे के कुलपति प्रो नंद कुमार यादव 'इंदु', ने की।

विश्वविद्यालय में कंप्यूटर विज्ञान और तकनीकी विभाग इसी वर्ष से शुरू किया गया है। कार्यशाला में 40 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। सीयूजे उत्तर भारत का पहला विश्वविद्यालय है, जहां साइबर सिक्यूरिटी की पढ़ाई प्रारंभ शुरू हुई है।

विभागाध्यक्ष डॉ सुभाष चंद्र यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय राज्य में साइबर अपराध की बढ़ती समस्या के समाधान के लिए अपने विद्यार्थियों को प्रशिक्षित कराएगा। उन्होंने बताया कि विभाग में साइबर अपराध पर एक वर्षीय पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू हो चुका है। भविष्य में कंप्यूटर साइंस से संबंधित अन्य पाठ्यक्रम शुरू होंगे। समारोह में डॉ अतुल श्रीवास्तव, पीआरओ नरेंद्र कुमार समेत सभी संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, कर्मचारी व छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

# झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय में कार्यशाला

**रांची.** झारखंड केंद्रीय विवि में शुक्रवार को संगणक और प्रौद्योगिकी विभाग का उद्घाटन समारोह हुआ. साथ ही कार्यशाला भी हुई. इसमें रिसर्च मैथडोलॉजी और लेटेक्स लर्निंग पर अहम जानकारी दी गयी. इस अवसर पर मुख्य अतिथि झारखंड तकनीकी विवि के कुलपति प्रो गोपाल पाठक, सीयूजे के कुलपति प्रो नंद कुमार यादव, कुलसचिव प्रोफेसर एसएल हरि कुमार आदि शामिल हुए. कार्यशाला में 40 प्रतिभागी शामिल हुए.

# सेंट्रल विवि में खुला कंप्यूटर साइंस विभाग

झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय में कंप्यूटर साइंड एंड टेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट का उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यशाला भी आयोजित की गई। मुख्य अतिथि प्रो. गोपाल पाठक, झारखंड तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति तथा प्रो. नंद कुमार यादव, 'इन्दू', कुलपति, झारखंड केन्द्रीय विश्वविद्यालय थे। उद्घाटन समारोह में विश्वविद्यालय के समस्त संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष तथा कर्मचारी उपस्थित थे।

lupt

लुप्तप्राय जनजातियों के लोग कार्यक्रम में शामिल होंगे

# 32 जनजातियों को एक मंच पर लाएगा सीयूजे

रांची | प्रमुख संवाददाता

केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड (सीयूजे) ने अपनी स्थापना का एक दशक पूरा कर लिया है। इसके मद्देनजर विश्वविद्यालय कई पहल करने जा रहा है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के लुप्तप्राय भाषा केंद्र (सेंटर फॉर एंडेंजर लैंग्वेजेज) की ओर से बिरसा मुंडा लैंग्वेज एंड कल्चर फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। यह अपनी तरह का पहला आयोजन होगा, जिसमें झारखंड की सभी 32 जनजातियां एक मंच पर जुटेंगी। विशेष रूप से लुप्तप्राय जनजातियों के लोग इसमें अपने समुदाय का प्रतिनि... महोत्सव ...

कई ...

आदिम ... संस्कृति ... से जुड़े ... आयोज... लोग ... करेंगे ... बिर... टोक...

**नई पहल**

- हर जनजातीय समुदाय के लोग अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे
- आदिम जनजाति विषय पर आयोजित होंगी प्रतियोगिताएं

**11** से 13 मार्च तक विश्वविद्यालय परिसर में चलेगा महोत्सव

## हर समुदाय के लोग अपनी भाषा-संस्कृति पर बोलेंगे

विश्वविद्यालय के लुप्तप्राय भाषा केंद्र के समन्वयक डॉ तुलसीदास मांझी ने बताया महोत्सव में जनजातीय साहित्य सम्मेलन भी होगा, जिसमें हर समुदाय के लोग अपनी भाषा-संस्कृति पर बोलेंगे। साथ ही, झारखंड में आदिवासी भाषा साहित्य के क्षेत्र में अच्छा काम करनेवालों को सम्मानित किया जाएगा। इस सम्मेलन में झारखंड की सभी जनजातियों के अलावा छत्तीसगढ़, ओडिशा, आंध्रप्रदेश आदि जनजातीय समुदाय के लोगों को भी आमंत्रित किया गया है। कुलपति प्रो नंद कुमार यादव हाइंदुह्न की देखरेख में महोत्सव की तैयारियां चल रही हैं। महोत्सव को कल्याण कार्य से भी जोड़ा गया है। इसके तहत विश्वविद्यालय की ओर से नि:शुल्क स्वास्थ्य ... साथ ही, आदिवासी बच्चों के बीच स्कूल बैग का ... का आयोजन किया गया है।

आज विजेताओं का होगा ढोल-नगाड़ों से स्वागत

# दरभंगा यूथ फेस्टिवल में केंद्रीय विवि के विद्यार्थियों ने दिखाया दम

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

दरभंगा में आयोजित अंतर विवि पूर्वी क्षेत्रीय यूथ फेस्टिवल में केंद्रीय विवि, झारखंड के विद्यार्थियों ने कई प्रतिस्पर्द्धाओं में पुरस्कार जीत कर अपना दम दिखाया है. उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन पर कुलपति प्रो नंद कुमार यादव ने बधाई दी है. आज विजेताओं के आगमन पर ढोल-नगाड़ों के साथ उनका स्वागत किया जायेगा. कुलपति ने कहा है कि सभी विजेताओं को चंडीगढ़ में होनेवाले राष्ट्रीय यूथ फेस्टिवल के लिए बेहतर प्रशिक्षण दिया जायेगा. कुलसचिव डॉ एसएल हरिकुमाल, डीएसडब्ल्यू डॉ मनोज कुमार, पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ एसके पांडे, डीआर अब्दुल हलीम, पीआरओ नरेंद्र कुमार समेत सभी शिक्षक और कर्मचारियों ने विजेताओं को बधाई दी है.

पीआरओ नरेंद्र कुमार ने बताया कि विवि के छात्रों ने स्किट (थियेटर) में प्रथम, वन एक्ट (थियेटर) में तृतीय, माइम (थियेटर) में द्वितीय स्थान हासिल किया है. मिमिक्री (थियेटर) में द्वितीय स्थान प्रशांत कुमार मिश्र को मिला है ...

...र्वी क्षेत्र अंतर विवि ...न में दूसरा स्थान ... व देवाशीष सिंह ...रा स्थान हासिल

...मैनेजर शाकिर ...ही थे.

ग्रुप फोटो में शामिल सेंट्रल यूनिवर्सिटी के छात्र.

**इंस्टालेशन में डीएसपीएमयू का दूसरा स्थान**



34वां पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय युवा महोत्सव संपन्न, बीएचयू ओवरऑल चैंपियन व गुवाहाटी विवि दूसरे स्थान पर, झारखंड के विश्वविद्यालयों का भी शानदार प्रदर्शन

# सेंट्रल यूनिवर्सिटी झारखंड की टीम को सेकेंड रनर अप का खिताब

पूर्वी क्षेत्र युवा महोत्सव

रांची | प्रमुख संवाददाता

एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के 34वें पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय युवा महोत्सव पूर्वोत्सव में झारखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरस्कार जीते। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा में आयोजित इस महोत्सव का समापन सोमवार को हुआ।

इसमें पूर्वी राज्य के 20 विश्वविद्यालयों की टीमों ने हिस्सा लिया। झारखंड के विश्वविद्यालयों में सबसे अधिक पुरस्कार केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड (सीयूजे) के हिस्से आए। उसे नौ पुरस्कार मिले। वहीं, रांची विश्वविद्यालय को तीन और पहली बार भागीदारी करनेवाले डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय को दो प्रतिस्पर्द्धाओं में पुरस्कार मिला। महोत्सव में बेहतरीन प्रदर्शन कर बनारस हिंदू विवि ओवरऑल चैम्पियन बना। उसे विभिन्न विधाओं में 55 अंक मिले। गुवाहाटी विवि ने 42 अंक पाकर उप विजेता का खिताब हासिल किया। सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड 33 अंक प्राप्त कर सेकेंड रनरअप रही। डॉ. नागेन्द्र झा स्टेडियम में सोमवार को समारोह में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

रांची विश्वविद्यालय वेस्टर्न ग्रुप सांग, एलोक्यूशन और वाद-विवाद प्रतियोगिता में तीसरे स्थान पर रहा। टीम मैनेजर आनंद कुमार ठाकुर ने प्रतिभागियों के प्रदर्शन पर संतोष जताया। कुलपति डॉ रमेश कुमार पांडेय, प्रति कुलपति डॉ कामिनी कुमार व डीएसडब्ल्यू डॉ पीके वर्मा ने विजेताओं को बधाई दी।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय ने एआईयू से संबंद्धता मिलने के बाद पहली बार पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय में हिस्सा लिया। उसकी शुरुआत शानदार रही। डीएसपीएमयू को इंस्टॉलेशन में द्वितीय पुरस्कार मिला।

वहीं सांस्कृतिक शोभायात्रा में तीसरा पुरस्कार मिला। डीएसपीएमयू ने संताल संस्कृति थीम पर सांस्कृतिक शोभायात्रा निकाली थी, जो काफी सराही गई। इंस्टॉलेशन में पीएस शरत कुमार नायर, सुशांत कुमार, सुयश कुमार लाल, देवाशीष सिंह सरदार की टीम ने बेस्ट आउट वेस्ट थीम को उभारा। टीम मैनेजर- डॉ गीतांजलि सिंह और राहुल देव शाह थे। कुलपति डॉ सत्यनारायण मुंडा, रजिस्ट्रार डॉ एनडी गोस्वामी व डीएसडब्ल्यू डॉ नमिता सिंह ने विजेताओं को बधाई दी।

**सीयूजे थिएटर का ओवरऑल चैंपियन :** सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड ने पूर्वोत्सव में शानदार सफलता हासिल की। थिएटर में स्किट में सीयूजे को- प्रथम, वन एक्ट प्ले में- तृतीय, माइम व मिमिक्री में- द्वितीय पुरस्कार मिला।

### देशभक्ति के रंग में रंगा रहा स्टेडियम

समापन समारोह के दौरान सोमवार को डॉ. नागेन्द्र झा स्टेडियम देशभक्ति के रंग में रंगा रहा। बार-बार भारत माता की जय का नारा लगाकर विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागियों ने दिखा दिया कि महोत्सव के दौरान उनलोगों ने एक-दूसरे के साथ कड़ा मुकाबला किया। देशभक्ति का मामला हो तो वे एक सूत्र में बंधे हैं। युवाओं के बीच देशभक्ति का जज्बा देख दर्शक भी उत्साहित हो गए। चाहे पूर्वोत्तर के एक छोड़ से आने वाले मणिपुर व असम के छात्र हों या फिर उत्तर प्रदेश के। विभिन्न संस्कृति होने के बावजूद वे देशभक्ति के एक सूत्र में बंधे दिखे।

थिएटर इवेंट के प्रतिभागियों में- उज्ज्वल, शेखर, विपुल, प्रशांत, अमजद, विपुल, इबरान, आनंद, ऋषभन शामिल थे। सुगम संगीत एकल में सीयूजे की शालिनी प्रथम स्थान पर रहीं। वहीं, इंस्टालेशन में प्रथम व मेहंदी में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

टीम मैनेजर- शाकिर तसनीम व डॉ जया शाही टीम के प्रदर्शन को आशा के अनुरूप बताया। कुलपति प्रो नंद कुमार यादव ने सभी विजेताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मंगलवार को विजेताओं के आगमन पर ढोल-नगाड़ों के साथ उनका स्वागत किया जाएगा। विश्वविद्यालय के इतिहास पूर्वी क्षेत्र युवा महोत्सव में यह अब तक सबसे बड़ी जीत है। कुलपति ने इसका श्रेय विद्यार्थियों की मेहनत और शिक्षकों को दिया। सभी विजेतओं को चार फरवरी से चंडीगढ़ में होनेवाले राष्ट्रीय युवा महोत्सव में शिरकत करने का मौका मिलेगा।

सीयूजे के रजिस्ट्रार डॉ एसएल हरिकुमार, डीएसडब्लू डॉ मनोज कुमार, पुस्तकालयध्यक्ष डॉ एसके पांडेय, डीआर अब्दुल हलीम, पीआरओ नरेंद्र कुमार आदि ने शिक्षक, कर्मियों ने विजेताओं को बधाई दी।

एलएन मिथिला विश्वविद्यालय में सोमवार को संपन्न हुए पूर्वी क्षेत्र अंतर विवि युवा महोत्सव के समापन के दौरान सेकेंड रनर अप का खिताब जीतने के बाद खुशियां मनाते सेंट्रल यूनिवर्सिटी झारखंड की टीम के सदस्यगण। • हिन्दुस्तान

## केंद्रीय विश्वविद्यालय में झारखंड चिल्ड्रेन फिल्म फेस्टिवल

जासं, रांची : केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड के जनसंचार विभाग, यूनिसेफ और बाल फिल्म सोसाइटी इंडिया के संयुक्त तत्वावधान से दो दिवसीय 'झारखंड चिल्ड्रेन फिल्म फेस्टिवल और सिनेमा के सौंदर्यशास्त्र' पर राष्ट्रीय कार्यशाला की शुरूआत सोमवार को हुई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से झारखंड केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नंद कुमार यादव, फिल्म निर्देशक बतुल मुख्तियार, युनिसेफ की संचार अधिकारी मोयरा दावा, चिल्ड्रेन फिल्म सोसाइटी इंडिया के राजेश गोहील, जनसंचार विभागाध्यक्ष डॉ देव व्रत सिंह, फिल्म फे स्टिवल के समन्वयक डॉ सुदर्शन यादव शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नंद कुम
कि झारखंड में बच्चों के लिए फिल्मों के नि
आवश्यकता है। स्वागत भाषण देते हुए जन
डॉ. देवव्रत सिंह ने कहा कि जन संचार विभा
से यूनिसेफ के साथ मिलकर बच्चों के
विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर रहे हैं

## कहानी और पटकथा लेखन की बारीकियों से रूबरू हुए विद्यार्थी

**रांची.** झारखंड केंद्रीय विवि जनसंचार विभाग द्वारा शुक्रवार को विशेष व्याख्यान सह कार्यशाला हुई. फिल्म निर्देशक बतुल मुख्तियार ने कहानी विकास और पटकथा लेखन विषय पर व्याख्यान दिया. डॉ सुदर्शन यादव के समन्वय में आयोजित इस कार्यशाला में जनसंचार विभाग के फैकल्टी डॉ अमृत कुमार, डॉ विनय भूषण व विभाग के 30 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया. बतुल मुख्तियार ने पटकथा लेखन की बारीकियां बतायी और कहा कि कहानी मानव जीवन का एक अंतर्निहित हिस्सा है. हम अपने जीने के तरीकों को ही कहानियों के रूप में लिखते और सुनते हैं और जब स्क्रीन राइटिंग की बात आती है, तो निश्चित ही हमें इस पर पर विचार करना चाहिए. इसके अतिरिक्त उन्होंने कहानी विकास में आने वाली त्रुटियों को भी रेखांकित किया. कार्यशाला में ग्रुप एक्टिविटी भी हुई.

### सीयूजे में झारखंड चिल्ड्रेन फिल्म फेस्टिवल पर कार्यशाल

## 'झारखंड में बच्चों के लिए ज्यादा से ज्यादा फिल्में बनाने की है जरूरत'

सिटी रिपोर्टर | रांची

झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग, यूनिसेफ और बाल फिल्म सोसाइटी इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को झारखंड चिल्ड्रन फिल्म फेस्टिवल और सिनेमा के सौंदर्यशास्त्र पर राष्ट्रीय कार्यशाला शुरू हुई। इस दो दिवसीय कार्यक्रम के उद्घाटन में झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नंद कुमार यादव इंदु, फिल्म निर्देशक बतुल मुख्तियार, युनिसेफ की संचार अधिकारी मोयरा दावा, चिल्ड्रन फिल्म सोसाइटी इंडिया के राजेश गोहील, जनसंचार विभागाध्यक्ष डॉ. देव व्रत सिंह, फिल्म फेस्टिवल के समन्वयक डॉ सुदर्शन यादव मौजूद थे।

मुख्य अतिथि ने कहा कि झारखंड में बच्चों के लिए फिल्मों के निर्माण में वृद्धि की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इसके लिए स्थानीय एवं केंद्र सरकार से भी सहायता मांगी जा सकती है। इस कड़ी में यह कार्यक्रम एक अच्छी पहल है। अपने संबोधन में उन्होंने बिहार-झारखंड में फिल्म सोसाइटी बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया, जिससे बच्चों से संबंधित फिल्म निर्माण को बढ़ावा मिल सके।

### बच्चे वयस्कों की फिल्में और विदेशी कार्टून देख रहे

जनसंचार विभागाध्यक्ष डॉ. देवव्रत सिंह ने कहा कि जन संचार विभाग पिछले 3 सालों से यूनिसेफ के साथ मिलकर बच्चों के विकास से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। फिल्मों के बारे में बात करते हुए कहा कि बच्चों के लिए बनने वाली फिल्मों की कमी के कारण बच्चे वयस्कों की फिल्में और विदेशी कार्टून देख रहे हैं। साथ ही ये भी प्रश्न किया सबसे ज्यादा फिल्मों का निर्माण करने वाली बॉलीवुड में बच्चों के लिए कितनी फिल्में बनती हैं। यूनिसेफ की प्रतिनिधि मोयरा दावा ने कहा कि कल अंतरराष्ट्रीय बाल दिवस है, जो बाल अधिकारों को संयुक्त राष्ट्र संघ की तरफ से स्वीकृति मिलने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। ऐसे में इस तरह का आयोजन बहुत मायने रखता है। इस अवसर पर सीयूजे झारखंड एवं विभिन्न राज्यों के शिक्षण संस्थानों के प्रतिभागी तथा यूनिसेफ के बाल पत्रकार उपस्थित थे।

## एमबीए में नामांकन के लिए आवेदन 28 फरवरी तक

**सीयूजे**

**रांची | प्रमुख संवाददाता**

केंद्रीय विश्वविद्यालय, झारखंड में दो वर्षीय एमबीए पाठ्यक्रम में नामांकन के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है। वर्ष 2019 के लिए कैट स्कोर के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा।

वर्ष 2018 में कैट में सम्मिलित प्रवेशार्थियों के लिए इसमें नामांकन लेने का सुनहरा अवसर है। आवेदन संबंधी विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट- www.cuj.ac.in पर उपलब्ध है। आवेदन की अंतिम तिथि 28 फरवरी है।

**झारखंड बाल फिल्म महोत्सव**

- सीयूजे और यूनिसेफ ने की बच्चों को फिल्मों के जरिये सं[...]
- दो दिवसीय महोत्सव में बच्चों के विषय पर केंद्रित फिल्मों[...]

# कब तक बड़ों की फिल्में देखेंगे





केंद्रीय विश्वविद्यालय के सभागार में झारखंड बाल फिल्म महोत्सव के शुभारंभ में फिल्म प्रदर्शन के पूर्व राष्ट्रगान ग[...]

रांची | वरीय संवाददाता

दो दिवसीय झारखंड फिल्म महोत्सव का शुभारंभ सोमवार को झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय में हुआ। इसका आयोजन सीयूजे और यूनिसेफ के तत्वावधान में किया जा रहा है।

कार्यक्रम में विवि के जनसंचार विभागाध्यक्ष डॉ देव व्रत सिंह ने कहा कि कहा कि बच्चों के लिए बनने वाली फिल्मों की कमी के कारण बच्चे वयस्कों की फिल्में और विदेशी कार्टून देख रहे हैं। कब तक बच्चे बड़ों की फिल्में देखते रहेंगे। उन्होंने कहा कि साल में सबसे ज्यादा फिल्में बनाने वाली बॉलीवुड भी इस जोनर की फिल्में नहीं बनाती है।

कार्यक्रम में यूनिसेफ की प्रतिनिधि मोर[...]वा ने कहा कि 20 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय बाल दिवस है, जो बाल अधिकारों को संयुक्त राष्ट्र संघ की तरफ से स्वीकृति मिलने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। ऐसे में इस तरह का आयोजन मायने रखता है।

बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति नंद कुमार यादव इंदु शामिल हुए। यहां कार्यक्रम की मुख्य वक्ता और फिल्म निर्माता बाटुल मुख्तियार ने कहा कि बच्चों के लिए बनने वाली फिल्मों में भी हर पहलू का समावेश होता है। ऐसी फिल्मों में कठोर मुद्दों को भी मासूमियत के साथ पेश किया जाता है।

बतौर वक्ता चिल्ड्रेन फिल्म सोसाइटी इंडिया के प्रतिनिधि राजेश गोहिल, फिल्म निर्माता बादुल मुख्तियार, कॉलेज के जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष देवव्रत सिंह व यूनिसेफ की प्रतिनिधि मोयरा दावा शामिल हुईं।

### उभरे विचार

परिचर्चा में इंडियन फिल्म सोसाइटी के राजेश गोहिल ने कहा कि इस तरह के आयोजनों का उद्देश्य बच्चों को उनके अधिकार के प्रति जागरूक करना है। फिल्म से मनोरंजन के साथ-साथ परिवार-दोस्ती का महत्व बताने का प्रयास करते हैं।

## बचपन की शरारतों को स्क्रीन पर देख चहक उठे नन्हे चेहरे

पहले दिन महोत्सव में बाटुल मुख्तियार की कफल, अमोल गुप्ते का स्टेनले का डब्बा फिल्में दिखायी गयीं। 90-90 मिनट की इन फिल्मों में स्क्रीन पर बच्चों की शरारतों को दिखाया जा रहा था। अंधेरे सभागार में सफेद प्रोजेक्टर काल्पनिक पात्र भले लोगों का मनोरंजन कर रहे थे, लेकिन उस हॉल की कुर्सियों पर बैठे बच्चों की चाहत, सपने और ख्वाहिशें पूरी हो रही थीं। अल्हड़ से ठहाकों, गड़गड़ाती तालियों की शक्ल में सीन-दर सीन इनकी खुशियां झलक कर बाहर आ रही थी। यहां मौजूद सैकड़ों बच्चे विभिन्न प्रखंडों के सरकारी स्कूल के थे।

### मदद और सम्मान का भाव

बच्चे जब इस हॉल से निकले तब उनके चेहरे पर केवल खुशियां ही नहीं थी। वह अपने साथ कई काम की बातें भी साथ ले जा रहे थे। यह पूछने पर फिल्म से उन्होंने क्या सीखा तो पूजा तपाक से बोलती है कि हमें समाज में भेदभाव नहीं करना चाहिए। हमें हर किसी की मदद करनी चाहिए। रोशनी कहती है कि गांव कि हमें अपने बड़ों का सम्मान करना चाहिए।

### हॉल व बड़े स्क्रीन[...] देखने की चाहत

मो. जिन्नुरैन इटकी के[...] का छात्र है। उसने कहा[...] उसे इतने बड़े स्क्रीन पर[...] मौका मिला। उसके घर[...] टेलीविजन नहीं है। उस[...] कभी-कभी मोबाइल पर[...] हैं। अभी जिन्नुरैन अपने[...] रहा था कि उसके बगल[...] बताती है कि वह पड़ोस[...] यहां जाकर टीवी देखती[...] अख्तर नगड़ी से यहां आ[...] कि यहां एक बार भी फि[...] बिना रुके लगातार फिल्[...]

सोमवार को सीयूजे सभागार में बाल फिल्म महोत्सव का उद्घाटन करते अतिथि।

सीयूजे परिसर में झारखंड बाल फिल्म महोत्सव के दौरान बने फिल्म के सेट देखते ग्रामीण इलाकों के स्कूली बच्चे।

---

**झारखंड चिल्ड्रेंस फिल्म फेस्टिवल-2018 का आगाज**

# बच्चों का फिल्मी मेला

**यूनिसेफ, सेंट्रल यूनिवर्सिटी और प्रभात खबर की पहल**

**रांची.** केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड में सोमवार को दो दिवसीय झारखंड चिल्ड्रेंस फिल्म फेस्टिवल-2018 का आगाज हुआ. फेस्टिवल का उदघाटन सेंट्रल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो नंद कुमार यादव इंदु, चिल्ड्रेंस फिल्म सोसाइटी इंडिया के राजेश गोहिल, यूनिसेफ के कम्युनिकेशन ऑफिसर मोईरा दावा, वरिष्ठ पत्रकार विनय भूषण व फिल्मकार बाटुल मुख्तियार ने संयुक्त रूप से किया. दो दिनों तक चलने वाले इस फेस्टिवल में कई बाल फिल्में दिखायी जायेंगी. साथ ही बाल फिल्मों को लेकर यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों और यूनिसेफ के बाल पत्रकारों के लिए व्याख्यान व कार्यशाला होगी. इस फेस्टिवल का आयोजन यूनिसेफ, प्रभात खबर, सेंट्रल यूनिवर्सिटी झारखंड व चिल्ड्रेंस फिल्म सोसाइटी इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है.

सेंट्रल यूनिवर्सिटी झारखंड में आयोजित फिल्म महोत्सव में शामिल स्कूली बच्चे.

## फिल्म फेस्टिवल को गांव स्तर पर पहुंचाना है लक्ष्य

चिल्ड्रेंस फिल्म सोसाइटी ऑफ इंडिया के राजेश गोहिल ने बताया कि सोसाइटी का गठन 1955 में हुआ. अभी तक 15 अलग भाषाओं में 260 बाल फिल्मों का निर्माण किया गया है. सोसाइटी का उद्देश्य है कि इस तरह के फिल्म फेस्टिवल को गांव स्तर पर ले जायें और वैसे बच्चे जो थियेटर में नहीं आ सकते हैं, उन्हें यह बाल फिल्में दिखायें. उन्होंने कहा कि ऑडियो विजुअल और अन्य माध्यम से नेत्रहीन व मूक बधिर बच्चों को भी बाल फिल्मों का लाभ मिले, इसपर काम किया जायेगा.

## बिहार-झारखंड में फिल्म सोसाइटी का गठन हो

सेंट्रल यूनिवर्सिटी के कुलपति नंदकुमार यादव इंदू ने कहा कि बिहार या झारखंड की किसी भी विश्वविद्यालय में इस तरह का कार्यक्रम पहली बार हुआ है. यह कार्यक्रम आनेवाले समय में यहां फिल्म प्रोडक्शन का बीज साबित हो. इसके लिए प्रयास जरूरी है. कुलपति ने बिहार-झारखंड में एक फिल्म सोसाइटी का गठन करने का भी सुझाव दिया. उदघाटन सत्र का संचालन निशांत व प्रतिभा औ[...] धन्यवाद ज्ञापन झारखंड चिल्ड्रेंस फिल्म फेस्टिवल के समन्वयक डॉ सुदर्शन यादव ने किया.

## विदेशी कार्टून देख बड़े हो रहे हमारे बच्चे

इससे पहले सेंट्रल यूनिवर्सिटी के मास कम्युनिकेशन डिपार्टमेंट के हेड डॉ देवव्रत सिंह ने स्वागत भाषण में कहा कि हमारे देश में बच्चों के मुद्दे पर फिल्में नहीं के बराबर बनती है. भारतीय मीडिया जगत में भी बच्चों के लिए कुछ नहीं होता है. इस कारण हमारे बच्चे विदेशी कार्टून देखकर बड़े हो रहे हैं. और विदेशी कंटेंट के माध्यम से इनके जेहन को बदला जा रहा है. यूनिसेफ की मोइरा दावा ने बच्चों के अधिकार व उनकी आवाज को दूसरों तक पहुंचाने के लिए यूनिसेफ द्वारा किये जा रहे प्रयास की जानकारी दी. विश्व बाल दिवस सेलिब्रेट करने के लिए 20 नवंबर को नीले रंग का कपड़ा पहनने या फिर घरों के सजावट में नीले रंग का प्रयोग करने की अपील की. प्रभात खबर के वरिष्ठ पत्रकार विनय भूषण ने कहा कि हमारे देश में हिंदी के अलावा दूसरी भाषाओं में बच्चों की फिल्म बनती है, लेकिन हम उन्हें इसके बारे में नहीं बताते हैं. स्मार्टफोन के इस क्रांतिकारी युग में हमारे बच्चे एडल्ट प्रोडक्ट कंज्यूम कर रहे हैं. उनके अंदर रुचि परिष्कृत करने की जवाबदेही हमारे ऊपर है. बच्चों को संवेदनशील व जवाबदेह बनाने के लिए फिल्म के निर्माण की जरूरत है. फिल्मकार बाटुल मुखियार ने कहा : मुझे बच्चों की फिल्म बनाना बेहद पसंद है. बच्चों की फिल्म में रियलिटी व रियलिज्म को पकड़ कर चलना पड़ता है.

महोत्सव के शुभारंभ के मौके पर डॉ देवव्रत सिंह, वीसी नंदकुमार यादव इंदू और अन्य अतिथि.



## बाल फिल्म काफल दिखायी गयी

उदघाटन सत्र में बाल फिल्म काफल दिखायी गयी. फिल्म निर्माता बाटुल मुख्तियार की यह फिल्म की कहानी उत्तराखंड के गढ़वाल के एक सुदूर गांव पर आधारित है. मकर और कमरू नामक दो छोटे भाइयों के स्कूल जाने, उनकी शरारतें, शहर गये उनके पिता के कई सालों तक गांव नहीं आने और फिर उसके गांव वापस आने के बाद पगली दादी व काफल के जैम के इर्द-गिर्द घूमती इस फिल्म को सबने बेहद पसंद किया. कार्यक्रम में ओरमांझी, नगड़ी, कांके व इटकी के विद्यार्थी शामिल हुए. फिल्मकार श्री प्रकाश ने फिल्म निर्माण की बारीकियां बतायी.

## यूनिसेफ, प्रभात खबर और सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड की पहल

# केंद्रीय विवि झारखंड में आज से झारखंड चिल्ड्रेंस फिल्म फेस्टिवल

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

बाल अधिकार सप्ताह (14-20 नवंबर) के मौके पर रविवार को यूनिसेफ बाल पत्रकार का प्रेस कांफ्रेंस **बच्चों के लिए बच्चों के द्वारा** रांची प्रेस क्लब में आयोजित हुआ. इसमें सरकारी मध्य विद्यालय, पिर्रा, कांके की 14 वर्षीय बाल पत्रकार सुरभि ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार समझौता के तहत हम बच्चों को जीवन, विकास, सुरक्षा और भागीदारी का अधिकार दिया गया है. 20 नवंबर को विश्व बाल दिवस के रूप में मनाते हैं.

इसलिए बच्चों के विचारों, मुद्दों और समस्याओं को ध्यान दिया जाये और अधिक से अधिक बाल अधिकार के प्रति जागरूक हों. सरकारी स्कूल बोड़या, कांके के 14 वर्षीय बाल पत्रकार अभिनंदन कुमार ने कहा कि हम यूनिसेफ, प्रभात खबर और झारखंड केंद्रीय विवि के द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित झारखंड चिल्ड्रेंस फिल्म महोत्सव (19-20) नवंबर में शामिल होकर विश्व बाल दिवस मनायेंगे. फिल्म महोत्सव के तहत यूनिसेफ, प्रभात खबर व सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड द्वारा आयोजित अखिल भारतीय लघु फिल्म प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया जायेगा. पुरस्कृत फिल्में भी दिखायी जायेगी.

सरकारी स्कूल पिर्रा, कांके के बाल पत्रकार 12 वर्षीय शुभम कुमार ने कहा कि बाल पत्रकारों ने यूनिसेफ और आलोक भारती के सहयोग से 10 एपिसोड का यूट्यूब सीरीज तैयार कर रहे हैं. इसमें अधिकारों की बात, बाल पत्रकारों के साथ के नाम से है. इसमें यूनिसेफ झारखंड की प्रमुख डॉ मधुलिका जोनाथन, उपायुक्त राय महिमापत रे, एसएसपी अनीश गुप्ता, विधायक कुणाल सारंगी का साक्षात्कार है. यूनिसेफ झारखंड की प्रमुख डॉ मधुलिका जोनाथन ने कहा कि 20 नवंबर को विश्व बाल दिवस पर बच्चों के मुद्दों और समस्याओं के प्रति जागरूकता पैदा करने और उन मुद्दों पर कार्यवाही का दिन है. बाल अधिकारों के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए 20 नवंबर को सब एकजुट होंगे. सेंट्रल यूनिवर्सिटी



प्रेस क्लब में रविवार को फिल्म फेस्टिवल की जानकारी देते बच्चे.

### फिल्म फेस्टिवल में दिखेगी यह फिल्म

झारखंड चिल्ड्रेंस फिल्म फेस्टिवल के दौरान बाटुल मुख्तियार की फिल्म काफल (2014 में 61वें राष्ट्रीय फिल्म अवार्ड के दौरान चिल्ड्रेंस फि... अवार्ड से पुरस्कृत), प्रो. शिल्पा रानाडे की गुपी गवै... बाघा बजैया (18वें इंटरने... चिल्ड्रेस फिल्म फेस्टिव... अवार्ड प्राप्त), अमोल... की फिल्म स्टेनले का... शामिल है.

अखिल भारतीय लघु फिल्म

# जिंदगी की जद्दोजहद पर 'दूसरा अध्याय' का मंचन

**सीयूजे**

रांची | संवाददाता

सीयूजे (केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड) के थियेटर विभाग के सहायक प्राध्यापक प्रो शाकिर तसनीम के निर्देशित नाटक 'दूसरा अध्याय' का मंचन शुक्रवार को विश्वविद्यालय के सभागार में किया गया। अजय शुक्ला लिखित इस नाटक की प्रस्तुति रंग संस्था 'मुखातिब' के सहयोग से की गई। इसमें करियर और प्रेम के बीच उलझे पात्रों की जद्दोजहद को शिद्दत से उभारा गया।

नाटक की कहानी अभय व नीरजा के इर्द-गिर्द घूमती है। अभय अविवाहित है और नीरजा विवाहित। दोनों एक मैनेजमेंट ट्रेनिंग प्रोग्राम में मिलते हैं और जीवनभर एक-दूसरे के साथ रहने का निर्णय कर लेते हैं। लेकिन, सामाजिक परिस्थितयां दोनों के संबंध को अपने अनुरूप निर्धारित करती हैं ... असहाय ... की संपूर्णता की तलाश ... तसनीम ने ...



सीयूजे में शुक्रवार को नाटक के एक भावपूर्ण दृश्य में कलाकार। • हिन्दुस्तान

## सेंट्रल यूनिवर्सिटी झारखंड में नाटक दूसरा अध्याय का किया गया मंचन

# कह नहीं सकता, हम कमजोर पड़ जाते हैं या परिस्थितियां प्रबल हो जाती हैं?

- नाटक का निर्देशन असिस्टेंट प्रोफेसर शाकिर तसनीम ने किया
- दूसरा अध्याय के लेखक अजय शुक्ला हैं

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

सेंट्रल यूनिवर्सिटी झारखंड में शुक्रवार को दूसरा अध्याय का मंचन किया गया. नाटक का निर्देशन यूनिवर्सिटी के थियेटर डिपार्टमेंट के असिस्टेंट प्रोफेसर शाकिर तसनीम ने किया. संस्था मुखातिब का सहयोग रहा. दूसरा अध्याय के लेखक अजय शुक्ला हैं. इस नाटक में अभय और नीरजा की कहानी है. अभय अविवाहित है, तो नीरजा विवाहित. दोनों एक मैनेजमेंट ट्रेनिंग प्रोग्राम में मिलते हैं. यहीं जीवन भर एक-दूसरे के साथ रहने का निर्णय लेते हैं. लेकिन जटिल सामाजिक परिस्थितियां दोनों के संबंध को अपने अनुरूप निर्धारित करती हैं. यहां दोनों असहाय हो जाते हैं. नीरजा का एक तरफ पति के प्रति दायित्व है, तो दूसरी ओर प्रेम की संपूर्णता की तलाश. इधर अभय का सुनहरा करियर है. दोनों इसी उधेड़बुन में अपने जीवन के साथ जूझते रहते हैं. इस नाटक में एक संवाद है : कह नहीं सकता हम कमजोर पड़ जाते हैं या परिस्थितियां प्रबल हो जाती हैं?

इस नाटक में अभय और नीरजा की कहानी है. अभय अविवाहित है, तो नीरजा विवाहित.

### इन्होंने निभायी भूमिका

शाकिर तसनीम ने निर्देशन के साथ सेट डिजाइन और पार्श्व संगीत भी तैयार किया. अभय की भूमिका में इरफान अहमद, नीरजा की भूमिका में प्रतिमा कुमारी थे. वेटर में प्रशांत मिश्रा थे. प्रकाश संयोजन वेंकट नरेश बुरला और मो. इब्रान ने किया. वेशभूषा इरफान तथा प्रतिमा, पोस्टर डिजाइन अमजद हुसैन ने किया था. इस मौके पर मुख्य अतिथि कुलपति नंद कुमार यादव 'इंदु' थे.

कुलपति ने निर्देशक के साथ-साथ कलाकारों की भी सराहना की. यह जानकारी विवि के जनसंपर्क अधिकारी नरेंद्र कुमार ने दी.

# ओवरऑल विजेता बना बीआईटी मेसरा

बीआईटी मेसरा में आयोजित वज्र-18 की ओवरऑल विजेता बीआईटी मेसरा की टीम और रनरअप सीयूजे टीम के साथ वीसी

**वज्र-18**

रांची | प्रमुख संवाददाता

बीआईटी मेसरा की ओर से आयोजित वार्षिक खेल उत्सव वज्र-18 का समापन रविवार को हुआ। इसमें बीआईटी मेसरा ओवरऑल चैंपियन बना। दूसरा स्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड (सीयूजे) ने प्राप्त किया।

सीयूजे की टीम क्रिकेट में फाइनलिस्ट, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस और फुटबॉल में सेमीफाइनलिस्ट रही। वहीं, बास्केटबॉल टीम क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में सफल रही। 2 से 4 नवंबर तक देशभर से आए 36 टीमों ने भाग लिया।

झारखंड सरकार के खेल, कला व संस्कृति मंत्री अमर कुमार बाउरी ने ओवरऑल चैंपियन बीआईटी मेसरा व रनरअप सीयूजे की टीम को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

सीयूजे टीम के कोच मे बताया कि सभी खिलाड़ि रात मेहनत कर यह सफलत है। विश्वविद्यालय के कुल खिलाड़ियों को शानदार बधाई देते हुए आगे करते रहने के लिए प्रे पर डीएसडब्ल्यू कुमा संपर्क अधिकारी मौजूद थे।

# सेंट्रल यूनिवर्सिटी की टीम बनी उप विजेता

**रांची.** बीआइटी मेसरा के तत्वावधान में आयोजित वज्र स्पोर्ट्स फेस्ट में सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड की टीम ओरवऑल रनरअप बनी. सीयूजे की टीम क्रिकेट के फाइनल, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस और फुटबॉल में सेमीफाइनल तक पहुंची. वहीं बास्केटबॉल टीम क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में सफल रही. दो से चार नवंबर तक चली इस प्रतियोगिता में देश भर से 36 टीमों ने भाग लिया था. कुलपति प्रो नंद कुमार यादव इंदु ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे आगे भी ऐसा प्रदर्शन बरकरार रखें. इस मौके पर डीएसडब्ल्यू कुमार मनोज और जनसंपर्क अधिकारी नरेंद्र कुमार मौजूद थे.

केंद्रीय विवि झारखंड में चल रहे सेमिनार का हुआ समापन

# भूमि, जल और वायु पर विमर्श

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

झारखंड केंद्रीय विवि में पर्यावरण विज्ञान विभाग और भूमि संसाधन प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ. इसमें देशभर के वैज्ञानिकों ने पर्यावरण संरक्षण समेत कई विषयों पर चर्चा की. समापन समारोह में पद्मश्री सिमोन उरांव शामिल हुए. कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो नंदकुमार यादव इंदु ने की. सम्मेलन में 250 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया. विभिन्न राज्यों के अलावा यूरोपीय संघ, एशियाई देशों से भी प्रतिभागी शामिल हुए. पर्यावरण प्रदूषण एवं प्रबंधन, भूमि, जल, वायु, जैव विविधता संरक्षण, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन आदि पर

समापन समारोह में पद्मश्री सिमोन उरांव

विमर्श हुआ. मौके पर टाटा स्टील के अधिकारी शुभनंदन मुके, यूनेस्को के डॉ रामभुज, सीयूजे के कुलसचि डॉ एसएल हरिकुमार, सम्मेलन

# 'प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन बेहद जरूरी'

**सीयूजे**

रांची | प्रमुख संवाददाता

झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) के पर्यावरण विज्ञान विभाग और भूमि संसाधन प्रबंधन विभाग की ओर से आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी शुक्रवार को संपन्न हुई। समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि सिमोन उरांव (पद्मश्री) मौजूद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो नंदकुमार यादव इंदु ने की। साथ ही, टाटा स्टील के अधिकारी शुभनंदन मुके, यूनेस्को प्रमुख डॉ रामभुज, सीयूजे के रजिस्ट्रार डॉ एसएल हरिकुमार व देशभर आए प्रतिभागी मौजूद थे।

संगोष्ठी में पर्यावरण प्रदूषण एवं प्रबंधन (भूमि, जल, वायु), जैव विविधता संरक्षण, प्राकृतिक एवं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, पारिस्थिकी तंत्र एवं व्यवस्था, जलवायु प्रबंधन, पर्यावरण अनुकूलन, क्लिनर बायो प्रॉसेस आदि पर जोर देते हुए विशेषज्ञों ने इन्हें कार्यरूप देने की जरूरत बताई।

कुलपति ने कहा कि संगोष्ठी की सफलता ने विश्वविद्यालय की पहचान को और बड़ा बनाया है। सेमिनार के आयोजन से जुड़े सभी लोगों को बधाई देते हुए उन्होंने आनेवाले समय में बेहतरीन आयोजन जारी रखनेकी बात कही।

सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र दिए गए। मौके पर सम्मेलन के चेयरमैन प्रो एसी पांडेय (विभागाध्यक्ष, भूमि संसाधन प्रबंधन विभाग) व प्रो मनोज कुमार (विभागाध्यक्ष, पर्यावरण विज्ञान, विभाग) समेत अन्य शिक्षकगण मौजूद थे। संचालन डॉ कविता परमार व डॉ पूजा शाक्या ने किया।

## देश-विदेश के 250 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

संगोष्ठी में देशभर से जुटे वैज्ञानिकों ने पर्यावरण संरक्षण समेत कई विषयों पर विमर्श किया व अपने सुझाव दिए। देश-विदेश के 250 प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया। इनमें भारत के विभिन्न राज्यों के अलावा यूरोपीय संघ, दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों, अफ्रीका के प्रतिभागी भी शामिल थे। भारत के 45 से अधिक प्रतिष्ठित संस्थानों आईआईटी, सीएसआईआर, सीयू के प्रतिभागियों की इसमें भागीदारी रही।

शुक्रवार को झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में छात्रों को प्रमाणपत्र देते सिमोन उरांव। • हिन्दुस्तान

# स्विस-भारत दोस्ती पर सीयूजे में दिखाई गई फिल्म

## मैत्री की मिसाल

रांची | संवाददाता

स्विस-भारत के 70 वर्ष की दोस्ती पर झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय ब्रांबे में गुरुवार को एक फिल्म का प्रदर्शन किया गया। फिल्म प्रदर्शनी के पूर्व भारत-स्विट्जरलैंड की दोस्ती पर पांच मिनट का वीडियो किल्प दिखाई गयी।

स्विस फिल्म्स ऑन व्हील्स के तहत माई लाईफ ऐज अ जूकीनी' फिल्म प्रदर्शित की गई जो कि दोस्ती पर अधारित थी। यह प्रदर्शन स्विट्जरलैंड राजदूतावास और झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के तत्वावधान में [illegible]हुआ। स्विट्जरलैंड दूतावास [illegible]

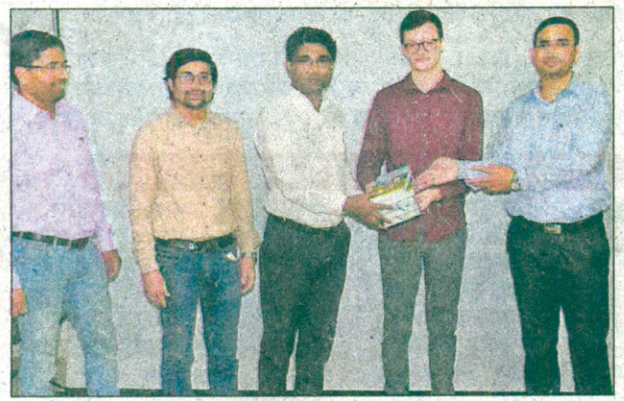

सीयूजे में गुरुवार को फिल्म के माध्यम से दोस्ती का अर्थ समझाते हेलिंगर। • हिन्दुस्तान

सिंह, प्रो सुदर्शन यादव, बीएड विभागाध्यक्ष डॉ विमल किशोर और जन संचार और बीएड संकाय के छात्र मौजूद थे। डॉ देवव्रत सिंह ने आशा [illegible] 70 वर्ष से भारत-स्विट्जरलैंड की दोस्ती कायम है और भविष्य में भी कायम रहेगी। स्विस फिल्म्स ऑन व्हील्स के प्रतिनिधि टोबियास हेलिंगर ने फिल्म के माध्यम से दोस्ती के अर्थ को समझाया।



गुरुवार को सीयूजे में भ्रष्टाचार मुक्त भारत थीम पर कर्मचारियों को शपथ दिलाई गई।

**संगोष्ठी में शोध पत्र प्रस्तुत :** उधर, झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन देश विदेश से आए शिक्षकों और शोधार्थियों ने करीब 25 शोध पत्र और 45 शोध पोस्टर प्रस्तुत किए। पहले सत्र में संगोष्ठी की अध्यक्षता यूनेस्को साउथ एशिया कलस्टर के प्रोग्राम प्रमुख डॉ राम बोस और सेंटर ऑफ इकोलॉजिकल एंड नेचुरल

# केंद्रीय विश्वविद्यालय में फिल्म का प्रदर्शन

जासं, रांची : स्विस–भारत की 70 वर्ष की दोस्ती पर झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय में एक फिल्म का प्रदर्शन किया गया। फिल्म प्रदर्शनी के पूर्व भारत– स्वीट्जरलैंड की दोस्ती पर पांच मिनट का वीड्यिो विलप दिखाया गया। स्विस फिल्म्स ऑन व्हील्स के तहत 'माई लाइफ एज अ जूकीनी' फिल्म प्रदर्शित की गई, जो कि दोस्ती पर आधारित थी। यह प्रदर्शन स्वीट्जरलैंड राजदूतावास और झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के तत्वावधान में संपन्न हुआ। स्वीट्जरलैंड दूतावास के प्रतिनिधि टोबियास हेलिंगर, जन संचार के विभागाध्यक्ष डा. देवव्रत सिंह, प्रो. सुदर्शन यादव, बी.एड विभागाध्यक्ष डा. विमल किशोर और जन संचार और बी.एड संकाय के छात्र मौजूद थे। डा. देवव्रत सिंह ने आशा जतायी कि 70 वर्ष से भारत– स्वीट्जरलैंड की दोस्ती कायम है और भविष्य में भी कायम रहेगा।

# केंद्रीय विवि में सतर्कता जागरूकता सप्ताह

**रांची.** केंद्रीय विवि, झारखंड में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया. मेरा लक्ष्य-भ्रष्टाचार मुक्त भारत थीम के तहत कर्मचारियों को कुलपति प्रो नंद कुमार यादव इंदु ने शपथ दिलायी. सबने प्रतिज्ञा ली कि वे भ्रष्टाचार को लेकर हमेशा सजग रहेंगे. साथ ही विवि परिसर को हमेशा भ्रष्टाचार मुक्त रखने में अपना योगदान देंगे. साथ ही पारदर्शिता, जिम्मेदारी और निष्पक्षता पर आधारित सुशासन की भी प्रतिज्ञा ली.

# सीयूजे में सेमिनार, 25 शोध पत्र प्रस्तुत किये गये

**रांची.** झारखंड केंद्रीय विवि में चल रहे अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के दूसरे दिन (गुरुवार) देश-विदेश से आये शिक्षकों और शोधार्थियों ने 25 शोध पत्र और 45 शोध पोस्टर प्रस्तुत किये. पहले सत्र में संगोष्ठी की अध्यक्षता यूनेस्को साउथ एशिया कलस्टर के प्रोग्राम हेड डॉ राम बोझ और सेंटर ऑफ इकोलॉजिकल एंड नेचुरल सोर्सेस के हेड प्रो मनोज नॉटियाल ने की. दूसरे सत्र की अध्यक्षता सीएसआइआर के वैज्ञानिक डॉ मनीष कुमार झा ने की.

# झारखंड केंद्रीय विवि में फिल्म प्रदर्शित की गयी

भारत- स्विट्जरलैंड की दोस्ती पर पांच मिनट की वीडियो क्लिप दिखायी गयी.

**रांची.** स्विस-भारत के 70 वर्ष की दोस्ती पर झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय में एक फिल्म प्रदर्शन की गयी. फिल्म प्रदर्शनी की शुरुआत भारत- स्विट्जरलैंड की दोस्ती पर पांच मिनट की वीडियो क्लिप के साथ हुई. स्विस फिल्मस ऑन व्हील्स के तहत 'माइ लाइफ एज अ जूकीनी' फिल्म प्रदर्शित की गयी, जो की दोस्ती पर आधारित है. यह प्रदर्शनी स्विट्जरलैंड राजदूतावास और झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के तत्वावधान में संपन्न हुई. मौके पर स्विट्जरलैंड दूतावास के प्रतिनिधि टोबियास हेलिंगर, जन संचार के विभागाध्यक्ष डॉ देवव्रत सिंह, प्रो सुदर्शन यादव, बीएड विभागाध्यक्ष डॉ विमल किशोर और जनसंचार और बीएड संकाय के छात्र मौजूद थे.

# झारखंड राय केंद्रीय विवि में ब्लड डोनेशन कैंप

**रांची.** केंद्रीय विवि एनएसएस व विवि हेल्थ सेंटर के तत्वावधान में ब्लड डोनेशन कैंप लगाया गया. 88 विद्यार्थियों, शिक्षकों व कर्मचारियों के रक्त एकत्रित किये गये. मौके पर विवि के कुलपति प्रो नंद कुमार यादव, रजिस्ट्रार प्रो एसएल हरि कुमार, लाइब्रेरियन एसके पांडेय, डीएसडब्ल्यू डॉ मनोज कुमार, एनएसएस को-ऑर्डिनेटर डॉ आशीष सचन, डॉ पल्लवी शर्मा, डॉ अनिल कुमार, डॉ ईश्वरचंद विद्यासागर, डॉ प्राची आदि उपस्थित थीं.

# सीयूजे में 88 छात्रों ने किया रक्तदान

रांची | प्रमुख संवाददाता

केंद्रीय विश्वविद्यालय, झारखंड (सीयूजे) की एनएसएस इकाई की ओर से मंगलवार को स्वास्थ्य केंद्र, सीयूजे और नागमल मोदी सेवा सदन के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

सुबह 9.30 बजे से दोपहर 2.30 बजे तक चले इस शिविर में विभिन्न विभागों के एनएसएस स्वयंसेवकों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। 88 विद्यार्थियों ने रक्तदान किया।

मौके पर कुलपति प्रो नंद कुमार यादव 'इंदु', रजिस्ट्रार प्रो एसएल हरिकुमार, डीएसडब्ल्यू डॉ मनोज कुमार, लाइब्रेरियन एसके पांडेय, एनएसएस समन्वयक डॉ आशीष सच्चन, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ पल्लवी शर्मा, डॉ अनिल कुमार के अलावा स्वास्थ्य केंद्र के डॉ ईश्वर चंद्र विद्यासागर व डॉ प्राची के शेल्के समेत अन्य शिक्षकगण और कर्मचारी मौजूद थे।

सीयूजे में मंगलवार को लगे कैंप में रक्तदान करते विद्यार्थी। • हिन्दुस्तान

# केंद्रीय विवि झारखंड

**रांची.** केंद्रीय विवि, झारखंड में सरदार पटेल की जयंती मनायी गयी. कुलपति प्रो नंद कुमार यादव इंदु, कुलसचिव एसएल हरिकुमार के नेतृत्व में सबने दौड़ लगायी. इस अवसर पर डॉ मनोज कुमार, जनसंचार के प्राध्यापक डॉ सुदर्शन यादव, पीआरओ नरेंद्र कुमार, पुस्तकालय अध्यक्ष एसके पांडे आदि मौजूद थे.

# केंद्रीय विवि में सेमिनार शुरू

**रांची.** झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के सभागार में बुधवार को पर्यावरण विज्ञान विभाग और भूमि संसाधन प्रबंधन विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की शुरुआत हुई. देश विदेश के 250 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं. विषय है इनवायरनमेंट चैलेंजेज एंड सस्टेनेबिलिटी. मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री डॉ नीरा यादव ने कहा कि इस तरह के सेमिनार से अनुसंधान में काफी मदद मिलती है. इस दौरान जो भी बातें सामने आती हैं उसे युवाओं को आत्मसात करना चाहिए. कार्यक्रम में प्रधान प्रमुख वन संरक्षक झारखंड सरकार डॉ संजय कुमार, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के निदेश डॉ नितीन कुलकर्णी, कोल्हान विश्वविद्यालय, कुलपति डॉ शुक्ला महंती, डॉ रोमा यादव और प्रो पीएस रॉय शामिल हुए. कुलपति प्रो नंद कुमार यादव 'इन्दु' ने कहा कि आने वाले दिनों में विश्वविद्यालय में इस तरह के कई सेमिनार होंगे. इससे विद्यार्थियों को काफी कुछ सीखने को मिलेगा. मौके पर चेयरमैन प्रो एसी पांडेय, प्रो मनोज कुमार आदि मौजूद थे.

सेंट्रल यूनिवर्सिटी झारखंड में अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का दूसरा दिन

# न्यूक्लियर और पार्टिकल्स पर मंथन

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

सेंट्रल यूनिवर्सिटी झारखंड में न्यूक्लियर, पार्टिकल्स और एक्सलरेटर फिजिक्स पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में विभिन्न विश्वविद्यालयों के विषय विशेषज्ञों ने मंथन किया. सेमिनार के दूसरे दिन (बुधवार) वीइसीसी, कोलकाता के विशेषज्ञ तिलक के घोष ने सेल के प्रभाव व विखंडिता पर अपना विचार दिया.

पंजाब विवि के बीआर बेहरा ने हैवी और सुपर हैवी न्यूक्लियर पर जानकारी साझा की. इसके अतिरिक्त न्यूक्लियर स्ट्रक्चर व उसके रिएक्शन स्टडी की जानकारी इंटर यूनिवर्सिटी एक्सलरेटर सेंटर नयी दिल्ली के आरपी सिंह ने दी. भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर के अरुण के जैन ने डायरेक्ट न्यूक्लियर रिएक्शन के अध्ययन के विकास के बारे बताया. साथ ही एके नसिराव, एम माधवन, संदीप एस घुरजे, राजश्री राउत, एसके पात्रा और बीपी सिंह ने भी विचार दिये.

सेमिनार में शामिल शिक्षक और जानकारी देते विशेषज्ञ.

## Int'l meet on nuclear physics begins at CUJ

TIMES NEWS NETWORK

**Ranchi:** A three-day international conference on nuclear, particle and accelerator physics began in Central University of Jharkhand (CUJ) on Tuesday.

Around 150 scientists from institutions like the Bhabha Atomic Research Centre (BARC) Mumbai, Department of Atomic Energy (DAE), Variable Energy Cyclotron Centre (VECC) Kolkata and scholars from IIT Roorkee, Inter-University Accelerator Centre (IUAC) New Delhi and universities from France, Australia, Brazil and the US are participating at the conference.

Speaking at the inaugural session, S Kailas, former director (Physics) of BARC Mumbai, said the future of nuclear physics looked promising in India owing the availability of improved infrastructure for research and growing interests among students.

D K Srivastava, the former director of VECC Kolkata, stressed the need to set up nuclear accelerators in universities to promote research and interest among students.

# मेडिकल साइंस में न्यूक्लियर की भूमिका के बारे में दी गयी जानकारी

सीयूजे में न्यूक्लियर, पार्टिकल व एक्सलरेटर फिजिक्स विषय पर आयोजित सेमिनार में शामिल अतिथि.

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

सेंट्रल यूनिवर्सिटी झारखंड के फिजिक्स विभाग द्वारा न्यूक्लियर, पार्टिकल व एक्सलरेटर फिजिक्स विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया. मंगलवार से शुरू हुआ यह सेमिनार 26 अक्तूबर तक चलेगा. इस सेमिनार के आयोजन का उद्देश्य वैज्ञानिक, शोधार्थी व शिक्षा जगत के लोगों को मंच प्रदान करना है, जिसकी मदद से परमाणु विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में वे सहयोग प्रदान कर उसे बढ़ाने की दिशा में काम करें. सेमिनार की शुरुआत में वीसी प्रो नंदकुमार डंडु ने न्यूक्लियर पार्टिकल्स व न्यूक्लियर फिजिक्स की यात्रा से अवगत कराया. उन्होंने मेडिकल साइंस व ऑस्ट्रोफिजिक्स के क्षेत्र में न्यूक्लियर की भूमिका की जानकारी दी. मौके पर प्रो सारंग मेडकर, बार्क मुंबई के पूर्व निदेशक प्रो एस कैलाश, आइयूएसी नयी दिल्ली के पूर्व निदेशक प्रो डीके श्रीवास्तव आदि मौजूद थे.

# परमाणु के हालिया शोधों पर हुआ विमर्श

रांची | प्रमुख संवाददाता

केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड (सीयूजे) में 'परमाणु, कण और त्वरक भौतिकी' पर चल रहे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन देश-विदेश से जुटे वैज्ञानिकों, प्रोफेसर और शोधार्थियों ने इस विषय पर हालिया शोधों और अध्ययन पर चर्चा की।

वैरिएबल एनर्जी साइक्लोट्रॉन सेंटर (वीईसीसी), कोलकाता, के तिलक के घोष ने भारी और सुपरहेवी तत्वों के शैल प्रभाव और विखंडन गतिशीलता पर चर्चा की।

अंतर-विश्वविद्यालय त्वरक केंद्र नई दिल्ली के आरपी सिंह ने परमाणु संरचना और आईयूएसी में गामा डिटेक्टर सारिणी के साथ कुछ प्रतिक्रिया के अध्ययनों चर्चा की। भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के अरुण के जैन ने भारत पर प्रत्यक्ष परमाणु प्रतिक्रियाओं में कलस्टरिंग, जोड़ी और अनुवाद के अध्ययन में प्रगति को बताया।

रूस के वैज्ञानिक के नासीरोव ने प्रतिक्रिया उत्पादों के गठन पर भारी आयन टकराव के प्रारंभिक चरण के गैर-समतोल के प्रभाव को बताया।

यूजीसी-डीएई-सीएसआर के संदीप एस घुग्रे, राजर्षि राउत व इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक, भुवनेश्वर के एस के पत्रा ने आइसोटोप के प्रभावी सतह गुणों पर चर्चा की। अलीगढ़ विवि के बीपी सिंह ने कम ऊर्जा पर अपूर्ण फ्यूजन प्रतिक्रियाओं के बारे में बताया। मौके पर सम्मेलन के संयोजक डॉ धर्मेंद्र सिंह व सचिव डॉ विनीत कुमार समेत देश-विदेश से जुटे प्रतिभागी मौजूद थे।

## अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

- परमाणु, कण और त्वरक भौतिकी पर सम्मेलन का आयोजन
- सीयूजे में चल रहे सम्मेलन के दूसरे दिन कई शोधों पर हुई चर्चा

# केंद्रीय विवि में अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन 23 से

**रांची.** केंद्रीय विवि झारखंड के ब्रांबे परिसर में 23 अक्तूबर से 26 अक्तूबर तक अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है. इसका विषय न्यूक्लियर, पार्टिकल एंड एक्सिलिरेटर फिजिक्स रखा गया है. भौतिकी विभाग द्वारा आयोजित इस सेमिनार में शोधकर्ता सहित इससे जुड़े लोगों को नया प्लेटफॉर्म मिलेगा. इसमें देश-विदेश से आ रहे लगभग 150 विशेषज्ञ, वैज्ञानिक, शिक्षाविद और शोधकर्ता से यहां के विद्यार्थी व शिक्षक रू-ब-रू हो सकेंगे. यह जानकारी पीआरओ नरेंद्र कुमार ने दी.

# भौतिकी का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आज से

**सीयूजे**

**रांची | प्रमुख संवाददाता**

केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड (सीयूजे) में 'परमाणु, कण और त्वरक भौतिकी' विषय पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 23-26 अक्तूबर को किया गया है। इस सम्मेलन का उद्देश्य परमाणु, कण और त्वरक में सभी पहलुओं और अनुप्रयोगों में हाल के शोध परिणामों, विकास गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं को प्रस्तुत करना, देश-विदेश के प्रयोगकर्ताओं व सैद्धांतिक शोधकर्ताओं को एक मंच प्रदान करना है।

सम्मेलन में भारत, रूस, जर्मनी, फ्रांस, पोलैंड से अंतरराष्ट्रीय ख्याति के वैज्ञानिक/प्रोफेसर/शोधकर्ता सम्मेलन में भाग लेंगे। इसमें परमाणु, कण और त्वरक भौतिकी और उनके संबंधित विषयों जैसे परमाणु प्रतिक्रियाएं, अति-भारी तत्व, उत्पादन और रेडियोधर्मी बीम, परमाणु संरचना, परमाणु खगोल भौतिकी, उच्च ऊर्जा कण भौतिकी के उपयोग से संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा होगी।

कण त्वरक, परमाणु भौतिकी के लिए उपकरण, परमाणु और कण भौतिकी अनुसंधान के लिए नई सुविधाओं आदि पर भी विशेषज्ञ चर्चा करेंगे। साथ ही, भविष्य की चुनौतियों पर भी वैचारिक आदान-प्रदान होगे।

# मेडिकल साइंस में न्यूक्लियर की भूमिका के बारे में दी गयी जानकारी

सीयूजे में न्यूक्लियर, पार्टिकल व एक्सलरेटर फिजिक्स विषय पर आयोजित सेमिनार में शामिल अतिथि.

**लाइफ रिपोर्टर @ रांची**

सेंट्रल यूनिवर्सिटी झारखंड के फिजिक्स विभाग द्वारा न्यूक्लियर, पार्टिकल व एक्सलरेटर फिजिक्स विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया. मंगलवार से शुरू हुआ यह सेमिनार 26 अक्तूबर तक चलेगा.

इस सेमिनार के आयोजन का उद्देश्य वैज्ञानिक, शोधार्थी व शिक्षा जगत के लोगों को मंच प्रदान करना है, जिसकी मदद से परमाणु विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में वे सहयोग प्रदान कर उसे बढ़ाने की दिशा में काम करें. सेमिनार की शुरुआत में वीसी प्रो नंदकुमार इंदु ने न्यूक्लियर पार्टिकल्स व न्यूक्लियर फिजिक्स की यात्रा से अवगत कराया. उन्होंने मेडिकल साइंस व ऑस्ट्रोफिजिक्स के क्षेत्र में न्यूक्लियर की भूमिका की जानकारी दी. मौके पर प्रो सारंग मेडकर, बार्क मुंबई के पूर्व निदेशक प्रो एस कैलाश, आइयूएसी नयी दिल्ली के पूर्व निदेशक प्रो डीके श्रीवास्तव आदि मौजूद थे.

# खगोल भौतिकी के क्षेत्र में परमाणु प्रौद्योगिकी उपयोगी

**रांची | प्रमुख संवाददाता**

केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड (सीयूजे) में परमाणु, कण और त्वरक भौतिकी (आईसीएनपीएपी-2018) पर चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की शुरुआत मंगलवार को हुई।

विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग की ओर से आयोजित इस सम्मेलन में देश-विदेश से जुटे वैज्ञानिक व शोधार्थी जुटे हैं। कुलपति सह सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो नंद कुमार यादव इंदु, सम्मेलन के संरक्षक और अध्यक्ष प्रो सारंग मेडेकर ने इसका उद्घाटन किया।

सम्मेलन में बीएआरसी, मुंबई पूर्व निदेशक प्रो एस कैलाश, आईयूएसी नई दिल्ली पूर्व निदेशक प्रो अमित रॉय और वीईसीसी कोलकाता के पूर्व निदेशक प्रो डीके श्रीवास्तव, रूस के प्रो एके नासिरोव व डॉ धर्मेंद्र सिंह मौजूद थे।

प्रो सरंग मेदकर ने सम्मेलन के उद्देश्यों और दायरे पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में परमाणु विज्ञान और प्रौद्योगिकी के वर्तमान परिदृश्य विशेषज्ञों की परिचर्चा और विचार महत्वपूर्ण साबित होंगे। कुलपति प्रो नंद कुमार यादव इंदु ने परमाणु और कण भौतिकी के विकास की यात्रा को बताया। इस क्रम में उन्होंने इसकी शुरुआत के साथ परमाणु भौतिकी के महत्व पर चर्चा की। कहा कि चिकित्सा विज्ञान और खगोल भौतिकी के क्षेत्र में परमाणु आधारित प्रौद्योगिकी का उपयोग महत्वपूर्ण साबित हो रहा है।

प्रो एस कैलाश, प्रो अमित रॉय और प्रो डीके श्रीवास्तव ने सामाजिक अनुप्रयोगों के लिए परमाणु विज्ञान और त्वरक भौतिकी के क्षेत्र में अपने विचार साझा किए।

बीआरसी, मुंबई के पूर्व निदेशक प्रो एस कैलाश ने आवधिक सारणी में तत्वों के विकास और इसकी व्यवस्था की नियमित प्रगति पर चर्चा की। सम्मेलन में देश-विदेश से जुटे वैज्ञानिक, प्रोफेसर और शोधकर्ता हिस्सा ले रहे हैं।

सीयूजे में मंगलवार को चार दिनी सम्मेलन में मौजूद वैज्ञानिक और शोधार्थी।

## शोध पत्र प्रस्तुत किया गया

चार दिनी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में जर्मनी से आए प्रो पी एगेलहोफ, रूस से आए प्रो एके नासिरोव, फ्रांस से आए प्रो गिल्स डी फ्रांस और पोलैंड से आए प्रो मोस्कल पावेल व प्रो एरिक केजरविंसजी ने हेवी पार्टिकल (भारी कण) और उनकी प्रतिक्रिया संबंधित प्रक्रिया के संश्लेषण पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

# शिक्षकों-कर्मियों को किया गया सम्मानित

**सीयूजे**

रांची | प्रमुख संवाददाता




केंद्रीय विश्वविद्यालय में बुधवार को आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम में पुरस्कृत शिक्षक और कर्मी। ● हिन्दुस्तान

केंद्रीय विश्वविद्यालय, झारखंड (सीयूजे) के कुलपति प्रो नंद कुमार यादव इंदु के कार्यकाल तीन वर्ष बुधवार को पूरा हुआ। इसके मद्देनजर विश्वविद्यालय में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। शुरुआत कुलपति प्रो नंदकुमार यादव व डॉ रोमा यादव ने पौधरोपण से की।

कुलपति ने कहा कि तीन वर्षों में विश्वविद्यालय ने कई बाधाएं पार की हैं। जिसमें वरीय पदाधिकारियों और शिक्षकों की नियुक्ति अहम है। इसके अलावा लंबे समय से लंबित प्रोन्नति का ... किया गया है, ताकि ... विश्वविद्यालय करेगा। आनेवाले समय में दीक्षांत समारोह, नैक और नये परिसर ... विद्यालय को शिफ्ट कराना

**कार्यक्रम**

- कुलपति प्रो नंद कुमार यादव इंदु के कार्यकाल के तीन वर्ष पूरे
- दीक्षांत समारोह के लिए राष्ट्रपति को भेजा गया है निमंत्रण : वीसी

## नये सत्र के विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम

कार्यक्रम की दूसरी पाली में नये सत्र के विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम हुआ। इसमें कुलपति, रजिस्ट्रार, डीएसडब्ल्यू और पुस्तकालय अध्यक्ष ने विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के बारे में बताया। साथ ही, उनका उत्साहवर्द्धन किया। मौके पर पिछले एक वर्ष के दौरान बेहतर कार्य करने वाले 30 लोगों को सम्मानित किया गया। इनमें शिक्षक व कर्मचारी शामिल थे।

कार्यक्रम में रजिस्ट्रार डॉ एसएल हरि कुमार, वित्त अधिकारी संतोष कुमार, डीएसडब्ल्यू डॉ मनोज कुमार, प्रो सारंग मेधेकर, प्रो देवव्रत सिंह, प्रो आरके डे, प्रो एसी पांडेय, पुस्तकालय अध्यक्ष एस के पांडेय, डीआर अब्दुल हलिम, पीआरओ नरेंद्र कुमार, डॉ राजेश व अन्य मौजूद थे।

केंद्रीय विवि के कुलपति ने पूरे किये तीन साल

# नैक से निरीक्षण और विवि को नये परिसर में शिफ्ट कराना हमारा लक्ष्य

- पिछले एक वर्ष में बेहतर कार्य करनेवाले 30 शिक्षकों व कर्मियों को कुलपति ने सम्मानित किया

मुख्य संवाददाता @ रांची




कार्यक्रम में मौजूद कुलपति प्रो नंद कुमार यादव इंदु व अन्य.

केंद्रीय विवि, झारखंड के कुलपति प्रो नंद कुमार यादव इंदु ने बुधवार को अपने कार्यकाल के तीन साल पूरे कर लिये. इस अवसर पर विवि में कई कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कुलपति ने कहा कि तीन वर्षों में विवि ने कई आयामों को छुआ है. इसमें वरीय पदाधिकारियों और शिक्षकों की नियुक्ति अहम है. कुलपति ने बताया कि लंबे समय से लंबित प्रोन्नति का कार्य पूरा कर लिया गया. आनेवाले समय में दीक्षांत समारोह, नैक से विवि का निरीक्षण कराना और नये परिसर में विवि को शिफ्ट कराना लक्ष्य होगा. कुलपति ने कहा कि दीक्षांत समारोह के लिए राष्ट्रपति को भी निमंत्रण पत्र भेजा गया है, लेकिन अभी तक मंजूरी नहीं मिल पायी है. कुलसचिव डॉ एसएल हरि कुमार, वित्त अधिकारी संतोष कुमार, डीएसडब्ल्यू डॉ मनोज कुमार, प्रो सारंग मेधेकर, प्रो देवव्रत सिंह, प्रो आरके डे, प्रो एसी पांडे, पुस्तकालय अध्यक्ष एसके पांडे, डीआर अब्दुल हलिम, पीआरओ नरेंद्र कुमार, डॉ राजेश सहित कई लोग मौजूद थे. दूसरी पाली में ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इसमें विवि में दाखिला लेने वाले छात्र व पुराने छात्र शामिल थे. कुलपति ने छात्रों को संबोधित किया. कार्यक्रम के अंत में पिछले एक वर्ष में बेहतर कार्य करने वाले 30 शिक्षकों व कर्मचारियों को कुलपति ने सम्मानित किया. कार्यक्रम की शुरुआत में कुलपति प्रो नंदकुमार यादव व डॉ रोमा यादव नें विवि परिसर में पौधरोपण भी किया.

केंद्रीय विश्वविद्यालय में आरएसएस के प्रचारक इंद्रेश कुमार ने कहा

# भारत और तिब्बत ने सदियों से जीवन मूल्यों को साथ जीया है

लाइफ रिपोर्टर @ रांची




केंद्रीय विवि में सांस्कृतिक मूल्यों में तिब्बत विषय पर आयोजित व्याख्यान में शामिल राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश कुमार.

भारत [illegible] तिब्बत ने सदियों से सत्य, अहिंसा, करुणा और मैत्री के जीवन मूल्यों को एक साथ जीया है, इसलिए दोनों देशों के बीच एक आस्था का संबंध है. चीन, तिब्बत की अस्मिता और पहचान को नष्ट करना चाहता है. विकास के नाम पर तिब्बत में लाखों सैनिक तैनात कर चीन उसे एक सैनिक अड्डे की तरह प्रयोग कर रहा है. यह कहना है कि भारत-तिब्बत सहयोग मंच के संयोजक और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश कुमार का. वे बुधवार को केंद्रीय विश्वविद्यालय में भारत के सांस्कृतिक मूल्यों में तिब्बत विषय पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में बोल रहे थे.

उन्होंने कहा कि चीन, तिब्बती महिलाओं को चीनी पुरुषों के साथ विवाह करने को विवश कर तिब्बती नस्ल को खत्म करने की साजिश रच रहा है, लेकिन भारत तिब्बती अस्मिता का लोप नहीं होने देगा. इस अवसर पर तिब्बत की निर्वासित सरकार की पूर्व गृहमंत्री ग्यारी डोलमा ने कहा कि भारत और तिब्बत के बीच सांस्कृतिक रिश्ते सदियों पुराने हैं. तिब्बत के लोगों के लिए भारत बुद्ध की पावन भूमि है और तिब्बत वृहद भारतीय सभ्यता का अभिन्न अंग है. डॉ रोमा यादव ने कहा कि भारत और तिब्बत के बीच अनेक समानताएं हैं. दोनों के बीच प्राचीन सांस्कृतिक संबंध हैं. विवि के कुलपति प्रो नंदकुमार यादव इंदू ने कहा कि इस प्रकार के विशिष्ट व्याख्यान भविष्य में भी आयोजित किये जायेंगे, ताकि युगद्रष्टा विद्वानों के विचारों से प्रेरित होकर युवा राष्ट्र निर्माण में अपनी महती भूमिका निभा सकें. कार्यक्रम में प्रज्ञा प्रवाह के क्षेत्रीय संगठन मंत्री रामाशीष, गोलकनाथ, डॉ शाहिद अख्तर और डॉ सुमन, रिजनल मिडलवे अप्रोच फोर वर्ल्ड पी के अध्यक्ष एन डोरजी और समन्वयक डेचेन वांगमो भी मौजूद थे.

सीयूजे में शनिवार को पराक्रम दिवस पर शहीद के माता-पिता को सम्मानित करते विश्वविद्यालय के पदाधिकारी व शिक्षकगण। ● हिन्दुस्तान

# शहीद कर्नल संकल्प को याद किया, दी गई श्रद्धांजलि

**केंद्रीय विश्वविद्यालय**

रांची | प्रमुख संवाददाता

केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड (सीयूजे) में शनिवार को सर्जिकल स्ट्राइक डे मनाया गया। कार्यक्रम में शहीद लेफ्टिनेंट कर्नल संकल्प शुक्ला के पिता शैलेंद्र कुमार शुक्ल व माता सुषमा शुक्ल बतौर मुख्य अतिथि मौजूद थे। शहीद कर्नल संकल्प शुक्ला के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। अध्यक्षता डीएसडब्ल्यू मनोज कुमार ने की।

छात्रों के सामने शहीद जीवनवृत्त प्रस्तुत किया गया। रजिस्ट्रार एसएल हरिकुमार ने कहा कि वर्ष 2016 में 29 सितंबर को भारतीय सेना ने पराक्रमी जवानों ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों के शिविरों को नेस्तनाबूद कर दिया था।

उन्होंने कहा कि भारतीय सैनिक देश के वास्तविक हीरो हैं। मौके पर भारतीय सैनिकों के शौर्य और पराक्रम को पेंटिंग में उकेरा गया। बेहतर पेंटिंग करनेवाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में डीन प्रो सारंग मेधेकर, सीओई प्रभुदेव कुरले, डॉ रत्नेश ... आदि मौजूद थे।

# केंद्रीय विश्वविद्यालय में कार्यशाला का समापन

**रांची.** झारखंड केंद्रीय विवि के जीवन विज्ञान विभाग में जैव तकनीकी विभाग द्वारा कार्यशाला का समापन हुआ. विवि के कुलपति नंद कुमार यादव इंदु ने कहा कि इस कार्यशाला ... प्राप्त जानकारी अन्य को भी ...

# कुछ लोग भारत की धर्मनिरपेक्षता को बदनाम कर रहेः वेंकैया

**लोकमंथन**

रांची | हिन्दुस्तान ब्यूरो

उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पर इशारों में तंज कसा है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग विदेशों में भारत की धर्मनिरपेक्षता और सहिष्णुता को बदनाम करते हैं। उन्हें जानना चाहिए कि सेक्यूलरिज्म तो भारत के लोगों के डीएनए में है। यह संविधान के साथ ही हिंदू संस्कृति के कारण भी है।

उपराष्ट्रपति खेलगांव में आयोजित चार दिवसीय लोकमंथन समारोह के उदघाटन मौके पर बोल रहे थे। उपराष्ट्रपति ने कांग्रेस नेताओं पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जनादेश को स्वीकार करने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो लोकतांत्रिक नहीं हैं। कुछ खास किस्म के लोग ह... सहिष्णुता भी सिखाते हैं। उन्हें बताना चाहता हूं कि सहिष्णुता तो हमारी संस्कृति का हिस्सा है। शेयर और केयर तो भारतीय दर्शन का आधार है।

खेलगांव में गुरुवार को आयोजित लोकमंथन कार्यक्रम में स्मारिका का लोकार्पण करते उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू, मुख्यमंत्री रघुवर दास, राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू व अन्य।

## पांच मंत्र को अपनाने की दी नसीहत

उपराष्ट्रपति ने माता, मातृभूमि, मातृभाषा, संस्कृति और गुरु के सम्मान के पांच मंत्र दिए। उन्होंने कहा कि आईटी, ब्यूटी, ड्यूटी और माईटी से लैस होने पर भी इन्हें नहीं भूले। उपराष्ट्रपति ने कहा कि गूगल गुरु नहीं हो सकता है। ज्ञान परंपरा से ही मिलेगा।

**दुनिया देखे झारखंड का वैभवः** उपराष्ट्रपति ने कहा कि लोकमंथन में लगी प्रदर्शनी झारखंड के वैभव को दिखा रही है। दुनिया देखेगी कि कैसे हमारे सुदूर गांवों में रहने वालों ने भी संस्कृति को सहेजा है।

## उपराष्ट्रपति को भाया तस्वीरों में भारत दर्शन

खेलगांव में भारत दर्शन प्रदर्शनी देखने उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू पहुंचे। तस्वीरों के जरिए भारत दर्शन की उपराष्ट्रपति ने जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि भारत को देखने समझने के लिए झारखंड के लोग चित्र प्रदर्शनी को जरूर देखें। उपराष्ट्रपति ने भारत दर्शन प्रदर्शनी देखकर निकलने के दौरान विजिटर्स बुक में प्रदर्शनी की तारीफ में संदेश भी लिखा। इसमें चुनौतियां एवं देशज समाधान, गौरवशाली इतिहास आदि को प्रदर्शित किया गया है।

## क्या है प्रदर्शनी में

भारत दर्शन प्रदर्शनी में देश के गौरव, स्वतंत्रता सेनानियों, झारखंड के शहीदों, वीरों की जीवनी को तस्वीरों के जरिए बताया गया है। झारखंड के वैभवशाली इतिहास को लेकर भी प्रदर्शनी लगायी गई है।

खेलगांव में शुरू हुए चार दिवसीय लोकमंथन कार्यक्रम के पहले दिन गुरुवार को बड़ी संख्या में लोगों ने भागीदारी निभायी।

विद्यार्थियों को आत्म विश्वास बढ़ाने के तरीके बताये गये.

## तीन दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम का समापन

# विद्यार्थियों को तनाव मुक्त रहने के लिए मिला टिप्स

**लाइफ रिपोर्टर@रांची**

झारखंड केंद्रीय विवि में तीन दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम का समापन गुरुवार को हुआ. इसमें कुलपति प्रो नंद कुमार यादव व कुलसचिव एसएल हरिकुमार शामिल हुए. लिविंग ऑफ आर्ट्स के सुमित कुमार, रिया तयाल व ऋषि अजातशत्रु ने विद्यार्थियों को आत्म विश्वास बढ़ाने के कई तरीके बताये. कार्यक्रम का संचालन डीएसडब्ल्यू डॉ मनोज कुमार ने किया. कुलपति ने कहा कि विद्यार्थी अपनी पढ़ाई और परीक्षा को लेकर अक्सर तनाव में रहते हैं. इस तरह के इंडक्शन क्लास से उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा. कुलपति ने विद्यार्थियों को तीन दिनों तक मिले टिप्स को हमेशा आत्मसात करने की सलाह दी. कार्यक्रम में सहायक प्राध्यापिका प्रज्ञान पुष्पांजलि, राजेश कुमार और जमशेद अंसारी का सराहनीय योगदान रहा.. छात्र दीपक कुमार ने कहा कि परीक्षा के दौरान स्ट्रेस कैसे कम करते हैं, इंडक्शन क्लास से पहले नहीं पता था. आज जो आसान टिप्स मिले हैं, उससे उनका आत्मविश्वास काफी बढ़ा है. रिया कुमारी ने कहा कि इंडक्शन क्लास से बाहर निकलने के बाद वह आत्मविश्वास से लबरेज है. किसी मंच पर खड़ा होने में डर महसूस होता था, लेकिन अब वह डर निकल गया है.

केंद्रीय विवि

**रांची.** केंद्रीय विवि, झारखंड में शनिवार को सर्जिकल स्ट्राइक डे (पराक्रम दिवस)मनाया गया. शहीद संकल्प के पिता शैलेंद्र कुमार शुक्ल व माता सुषमा शुक्ल बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए. शहीद कर्नल संकल्प शुक्ला को श्रद्धांजलि दी गयी. रजिस्ट्रार ने कहा कि वर्ष 2016 में आज ही के दिन भारतीय सेना ने पराक्रमी जवानों के साथ पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों के कैंप को नेस्तनाबूद कर दिया था. उन्होंने कहा कि भारतीय सैनिक देश के वास्तविक हीरो हैं.विवि में शौर्य और पराक्रम विषय पर पेंटिंग प्रतियोगिता हुई. विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता डीएसडब्ल्यू डॉ मनोज कुमार ने की. इस मौके पर डीन प्रो सारंग मेधेकर, सीओइ प्रभुदेव कुरले, डॉ रत्नेश आदि उपस्थित थे. मंच संचालन जगा शाही ने किया. यह जानकारी पीआरओ नरेंद्र कुमार ने दी.

# दुनिया मान रही गांधी के विचार : सांसद

**परिचर्चा**

रांची | प्रमुख संवाददाता

केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड (सीयूजे) में दो अक्तूबर से शुरू स्वच्छता कार्यक्रम विधिवत समापन मंगलवार को हुआ। समापन समारोह में 'स्वच्छता की ज्योति' विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। इसमें सभा सांसद महेश पोद्दार मुख्य थे।

क्रम की अध्यक्षता कुलपति ार यादव इंदु ने की। राज्यसभा सांसद महेश पोद्दार ने छात्रों को महात्मा गांधी की विचारधारा के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि आज भी किसी भी समस्या का हल हिंसा के जरिए नहीं निकाला जा सकता। सत्य की कभी हार नहीं होती, यही वजह है कि गांधी के विचारों को पूरी दुनिया आत्मसात कर रही है।

परिचर्चा में रजिस्ट्रार प्रो मनोज कुमार, प्रो सारंग मेधेकर, डॉ रत्नेश, डॉ देवव्रत सिंह, प्रो एचपी सिंह, डीएसडब्ल्यू डॉ मनोज कुमार समेत कई शिक्षक, पीआरओ नरेंद्र कुमार और कर्मचारीगण मौजूद थे।

सीयूजे में मंगलवार को परिचर्चा के समापन के मौके पर शिक्षकगण। • हिन्दुस्तान

## किसी भी समस्या का हल हिंसा से नहीं निकाला जा सकता : महेश

**रांची.** केंद्रीय विवि, झारखंड में महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती के अवसर पर दो अक्तूबर से चल रहे स्वच्छता कार्यक्रम का समापन मंगलवार को हो गया. इस मौके पर स्वच्छता की ज्योति विषय पर परिचर्चा हुई. राज्यसभा सांसद महेश पोद्दार ने कहा कि किसी भी समस्या का हल हिंसा से नहीं निकाला जा सकता है. सत्य की कभी हा नहीं होती है. यही वजह है कि गांधीजी के विचारों को दुनिया आत्मसात कर रही है. उनका संदेश हर समाज लिए महत्वपूर्ण है. कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति नंद कुमार यादव इंदु ने की. इस मौके पर पत्रकार प्र अरविंद पांडे, सीयूजे के कुलसचिव प्रो मनोज प्रो सारंग मेधेकर, डॉ रत्नेश, डॉ देवव्रत सिंह, प्रो सिंह, डीएसडब्ल्यू डॉ मनोज कुमार आदि मौजूद थे. यह जानकारी पीआरओ नरेंद्र कुमार ने दी.

**बेहतर मौका**

प्रभात खबर और सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड की संयुक्त पहल

## यूनिसेफ झारखंड चिल्ड्रेंस फिल्म फेस्टिवल में अब अ

लाइफ रिपोर्टर • रांची
life.ranchi@prabhatkhabar.in

प्रभात खबर और सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड के संयुक्त तत्वावधान में यूनिसेफ झारखंड चिल्ड्रेंस फिल्म फेस्टिवल सह वर्कशॉप का आयोजन किया जायेगा. यदि आप विद्यार्थी हैं और फिल्म की तरफ झुकाव रखते हैं, तो आपके लिए शानदार मौका है फिल्म को और बारिकी से समझने का अपनी फिल्म ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने का.

इस फेस्टिवल में पार्टिसिपेट करने के लिए पांच अक्तूबर तक आवेदन की तारीख तय थी, जिसे बढ़ाकर अब आठ अक्तूबर तक कर दिया गया है. ऑल इंडिया शॉर्ट फिल्म को-ऑर्डिनेटर डॉ सुदर्शन यादव ने बताया कि बहुत सारे विश्वविद्यालय से हमें आग्रह किया गया कि हमारे बच्चे भी हिस्सा लेना चाहते हैं. इसलिए हमने तारीख आगे बढ़ा दी है.

- फिल्म की तरफ झुकाव रखते हैं, तो लिए शानदार अवसर है
- 13 अक्तूबर को ज्यूरी मीटिंग के बाद। की घोषणा की जायेगी
- एक और दो नवंबर को पुरस्कार वित

13 अक्तूबर को ज्यूरी मीटिंग के बाद विजेता की जायेगी. एक और दो नवंबर को पुरस्कार वितरण कि इस प्रतियोगिता में झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्र ले रहे हैं. सेंट्रल यूनिवर्सिटी झारखंड से छह फिल्में हि है. इसमें पोषण, लिंग भेद और बाल विवाह जैसे 3 शामिल हैं. फर्स्ट इयर के छात्र गौरव ने कहा : पांच मिन बात रखना हमारी लिए चुनौती है. छात्र नेहा नंदनी बाल अपने ग्रुप के साथ मिलकर फिल्म बना रही है. उन्हें

TRAINING IN...DAVP
ऑप्शन पर क्लिक करें.
- क्लिक करते ही रिक्तियों से संबंधित जारी किया गया विस्तृत विज्ञापन आपकी कम्प्यूटर स्क्रीन पर खुल जाएगा.
- इसे अच्छी तरह से पढ़ें और पदों के अनुसार अपनी योग्यता की जांच कर लें.
- अब विज्ञापन में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया को पूरा करें.
ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि : 12 अक्तूबर 2018
वेबसाइट : www.davp.nic.in और www.bhartiseva.com
ई-मेल : admin@bhartiseva.

**फीडबैक प्लीज**

जॉब्स बुलेटिन, प्रभात खबर, 15-पी, कोकर इंडिस्ट्रियल एरिया, रांची-1
life.ranchi@prabhatkhabar.in
फैक्स : 0651-3053200, 2544006

**केंद्रीय विवि.** मुंशी प्रेमचंद की जयंती पर प्रेमचंद एवं भारतीय समाज विषय पर व्याख्यान का आयोजन

# प्रेमचंद जनता के प्रिय रचनाकार : प्रो गोपेश्वर

## हमसब को आत्मकेंद्रित ज्ञान से बाहर आने की जरूरत है

मुख्य संवाददाता @ रांची

दिल्ली विवि के प्राध्यापक व आलोचक प्रो गोपेश्वर सिंह ने कहा कि जनता के प्रिय रचनाकार प्रेमचंद हैं. प्रेमचंद को याद करना समाज की रचनात्मक ताकत को पहचान कर याद करना है. प्रो सिंह मंगलवार को केंद्रीय विवि, झारखंड के ब्रांबे स्थित परिसर में हिंदी विभाग द्वारा प्रेमचंद की जयंती पर प्रेमचंद एवं भारतीय समाज विषय पर आयोजित व्याख्यान में बोल रहे थे.

प्रो सिंह ने कहा कि आत्मकेंद्रित ज्ञान से बाहर आने की जरूरत है. प्रेमचंद की रचनाएं और उनके किरदार समाज एवं जीवन की वास्तविकता को पहचानने में सहायता करते हैं. कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो नंद कुमार यादव इंदु ने साहित्य को समाज और संवेदना की रक्षा करने वाला बताया. जीवन के सार्थक निर्माण में साहित्य की भूमिका को अनिवार्य बताया. कुलपति ने नवोदित हिंदी विभाग को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं.

इससे पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ रत्नेश विश्वसेन ने कहा कि संवेदना के निम्नतम पायदान पर खड़े मनुष्य और मनुष्य जाति को मलबे में बदलने से रोकने के लिए प्रेमचंद पर बात करना जरूरी है. आगंतुकों का स्वागत सारंग मेधेकर ने व स्वागत डॉ मनोज कुमार ने किया. इस अवसर पर विवि के रजिस्ट्रार, वित्त अधिकारी, पुस्कलाराध्यक्ष; संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित थे. कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ विमल, डॉ तासी, डॉ सुधांशु, सुशांत, शाकिर, मुकेश का अहम योगदान रहा. यह जानकारी पीआरओ नरेंद्र ने दी.

कार्यक्रम में दिल्ली विवि के प्राध्यापक प्रो गोपेश्वर सिंह, कुलपति प्रो नंद कुमार यादव इंदु व अन्य अतिथि.

### गुरुनानक स्कूल

**रांची.** गुरुनानक स्कूल में मंगलवार को मुंशी प्रेमचंद की 139वीं जयंती मनायी गयी. इस मौके पर कक्षा 11वीं के अजीत कुमार, रिया सिंह, कुमार प्रभाकर व 12वीं के मनमीत कौर ने प्रेमचंद के जीवन, साहित्य, कहानियों, उपन्यास तथा उनके विषय वस्तु पर प्रकाश डाला. प्रेमचंद की कहानी बेटों वाली विधवा का नाट्य रूपांतरण प्रस्तुत किया. इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव सरदार राजेंद्र सिंह व प्राचार्य डॉ मनोहर लाल ने कहा कि प्रेमचंद का जीवन संघर्षों से परिपूर्ण रहा है. हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए.

### ब्रिजफोर्ड स्कूल

**रांची.** ब्रिजफोर्ड स्कूल में मंगलवार को प्रेमचंद की जयंती मनायी गयी. विद्यार्थियों ने अभिनय, चित्रांकन, भाषण व कविता के माध्यम से प्रेमचंद की जीवनी पर प्रकाश डाला. विद्यार्थियों ने प्रेमचंद के सादा जीवन, उच्च विचार को आत्मसात करने का प्रण लिया. विद्यार्थियों ने आनंदी औरप धनिया के चरित्र के साथ-साथ जुमन, अगलू, हलकू पात्र के बारे में भी बताया. प्राचार्या सीमा चितलांगिया ने कहा कि इस तरह के आयोजन से बच्चों में हमारे समृद्ध साहित्य के प्रति रुझान बढ़ेगा एवं उनमें पठन शक्ति का विकास होगा.

### लेडी केसी रॉय स्कूल

**रांची.** लेडी केसी रॉय मेमोरियल स्कूल में मंगलवार को मुंशी प्रेमचंद की जयंती मनायी गयी. इस अवसर पर विद्यार्थियों ने प्रेमचंद की लघु नाटिका बूढ़ी काकी का मंचन किया. नाटिका के माध्यम से बच्चों ने संदेश दिया कि माता-माता-पिता, दादा-दादी तथा अपने से बड़ों की सेवा और उनका सम्मान करना चाहिए. इस अवसर पर कक्षा पांचवीं की निशा कुमारी, सताक्षी कुमारी ने प्रेमचंद के जीवन पर प्रकाश डाला. शिक्षिका समिता कुमारी ने प्रेमचंद की जीवनी व उपलब्धियों के बारे में बताया. इस अवसर पर प्राचार्य केके दास, स्कूल के निदेशक प्रणव राय उपस्थित थे.

### रांची वीमेंस कॉलेज

**रांची.** रांची वीमेंस कॉलेज हिंदी विभाग के तत्वावधान में मंगलवार को प्रेमचंद की 138वीं जयंती मनायी गयी. इस अवसर पर संगोष्ठी हुई. इसमें छात्राओं ने प्रेमचंद की रचनाओं पर अपने-अपने विचार व्यक्त किये. विभागाध्यक्ष डॉ किरण तिवारी ने प्रेमचंद की रचनाओं की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला. इस अवसर पर डॉ माधुरी रजक, डॉ सुनीता यादव, डॉ उर्वशी, डॉ प्रज्ञा तथा डॉ सुनीता कुमारी ने भी अपने विचार रखे. कार्यक्रम में प्रेमचंद की कालजयी कृति कफन पर आधारित फिल्म भी दिखायी गयी. छात्रा आरती कुमारी ने प्रेमचंद के जीवन व रचनाओं पर प्रकाश डाला. सुषमा कच्छप ने उनकी कहानी बूढ़ी काकी की सार्थक समीक्षा की. दिव्या ने प्रेमचंद के उपन्यासों पर अपनी बातें रखीं.

### मौलाना आजाद कॉलेज

**रांची.** प्रेमचंद जयंती के उपलक्ष्य में मौलाना आजाद कॉलेम में भाषण प्रतियोगिता हुई, जिसमें जयंती शर्मा को प्रथम, पुष्पा शर्मा को द्वितीय व फातिमा परवीन को तृतीय पुरस्कार मिला. जैनब नाज व गुलअफशा परवीन को सांत्वना पुरस्कार से नवाजा गया. वक्ताओं ने मुंशी प्रेमचंद को यथार्थवादी साहित्यकार, भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में राष्ट्रीय साहित्य के अद्वितीय रचनाकार व हिंदी साहित्य का सिरमौर बताया. कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदी विभाग की अध्यक्ष डॉ मालती शर्मा ने की. मौके पर कॉलेज की प्राचार्या डॉ अनिता सिन्हा, प्राध्यापक इलियास मजीद, डॉ अनवर अली, प्रो शाहिन सबा, डॉ अशरफ हुसैन, परवेज आलम आदि मौजूद थे.

# सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड में शुरू हुआ खेलोत्सव-18

धाकड़ लड़कियों की कबड्डी..कबड्डी..

# सीयूजे में 4 दिनों तक दिखेगा स्पोर्ट्स और कल्चरल इवेंट्स का मेल

## 23 मार्च तक चलेगा इवेंट, राज्यभर से आए स्टूडेंट्स ने किया है पार्टिसिपेट

सिटी रिपोर्टर | रांची

सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड (सीयूजे) में सोमवार, 19 मार्च से खेलोत्सव-18 की शुरुआत हुई है। यह यूनिवर्सिटी का एक एनुअल स्पोर्ट्स एंड कल्चरल फेस्ट है। पांच दिनों तक चलने वाले इस फेस्ट में राज्य के 8 कॉलेजों के स्टूडेंट्स पार्टिसिपेट कर रहे हैं। उद्घाटन फ्लैग मार्च से हुआ। इसमें रांची के डिप्टी कमिश्नर राय महिपत रे विशिष्ट अतिथि और यूनिवर्सिटी के वीसी नंद कुमार यादव इंदु मुख्य अतिथि थे। फेस्ट के पहले दिन सुबह 10 से शाम 5 बजे तक क्रिकेट और कबड्डी प्रतियोगिताएं हुईं। शेष पेज 3 पर..

### दिन में खेल, शाम से गाना-बजाना, डांस

शाम का वक्त कल्चरल प्रोग्राम्स के नाम रहा। फ्लैश मॉब के दौरान सभी को ऑडिटोरियम में इकट्ठा किया गया। स्निग्ध एंड ग्रुप ने गणेश वंदना से पारम्परिक शुरुआत की। फिर प्रिया बनर्जी स्टेज पर आईं और आई एम इन लव विद द शेप ऑफ़ यू गाने पर डांस करना शुरू। पूरा ऑडिटोरियम तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इसके बाद सोनाली ने ये मुलाकात एक बहाना है, प्यार का सिलसिला पुराना है। बीच-बीच में दर्शकों के मनोरंजन के लिए गर्ल्स पिट्ठो,ये कुर्सी हम नहीं छोड़ेंगे जैसे इंटरेस्टिंग गेम्स भी खेले गए।

पहली शाम हुआ कल्चरल डांस

इनॉग्रेशन के बाद शाम को कल्चरल डांस परफॉर्म करती सीयूजे स्टूडेंट्स

**आज होंगे ये इवेंट्स :** • फेस पेंटिंग • सिंगिंग • डांस पिट्ठो • बैलेंस द बॉल • टग ऑफ़ वार • मिमिक्री

# खेल महोत्सव में केंद्रीय विवि झारखंड के छात्रों का बोलबाला

फुटबॉल में सीयूजे ने एनआइएफएफटी के खिलाफ जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनायी.

**रांची.** केंद्रीय विवि, झारखंड के ब्रांबे स्थित परिसर में चल रहे खेल महोत्सव के तीसरे दिन मेजबान टीम का बोलबाला रहा. फुटबॉल में सीयूजे ने एनआइएफएफटी के खिलाफ एक गोल से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बना ली. वहीं अमेटी विवि और सीआइटी के बीच हुए फुटबॉल मैच में एक-एक गोल से ड्रा रहा. कबड्डी में झारखंड राय विवि को सीआइटी ने हराया. दूसरे कबड्डी मैच में केंद्रीय विवि, बिहार को झारखंड ने हराया. तीसरे मैच में भी केंद्रीय विवि, झारखंड ने झारखंड राय विवि के खिलाफ जीत हासिल की. क्रिकेट मैच में भी केंद्रीय विवि, झारखंड ने सीआइटी को हराया. वॉलीबॉल में भी केंद्रीय विवि झारखंड ने रामगढ़ को हरा कर जीत हासिल की. क्रिकेट के चल रहे सेमीफाइनल में सीआइटी ने अमेटी विवि को एक रन से हरा दिया.

## सेंट्रल यूनिवर्सिटी खेलोत्सव के रोमांच में डूबे स्टूडेंट्स, कबड्डी के दोनों वर्गों में सीयूजे जीता

# क्रिकेट, फुटबॉल, कबड्डी, वालीबॉल में आठ विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने लगाया जोर

Media Cup

स्पोर्ट्स रिपोर्टर | रांची

सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड ब्रांबे में खिलाड़ियों और शिक्षकों के उत्साह के बीच खेलोत्सव शुरू हुआ। पांच दिनों तक चलने वाले इस खेल महोत्सव में आठ कॉलेज के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इनॉग्रेशन सेरेमनी में सभी कॉलेज के खिलाड़ियों ने फ्लैग मार्च किए। विशिष्ट अतिथि डिप्टी कमिश्नर राय महिपत रे मौजूद शामिल रहें। सेंट्रल यूनिवर्सिटी के वीसी नंद कुमार यादव इंदु भी उपस्थित थे। इस फेस्ट में क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल और कबड्डी में स्टूडेंट्स अपना-अपना दम दिखा रहे हैं। वहीं शाम में कुछ कल्चरल प्रोग्राम भी आयोजित होंगे। उद्घाटन के दौरान स्पोर्ट्स इंचार्ज एनके राय, डीएसडब्ल्यू अर्जुन कुमार, नरेंद्र राय, मास कम्युनिकेशन के एचओडी देव व्रत सिंह मौजूद रहे। स्टूडेंट्स खिलाड़ियों का जोश खेल के दौरान बढ़ाते रहे।

### पहले दिन के परिणाम इस प्रकार है

पहला मैच फुटबॉल में सीयूजे और सीयूएसबी के बीच खेला गया। मेजबान टीम ने धमाकेदार शुरुआत करते हुए सीयूएसबी की टीम को 3-0 से हराया। दूसरे मुकाबला एनआईएफएफटी और एमिटी का गोल रहित पर समाप्त हुआ। क्रिकेट में एमिटी ने जेआरयू को हराया। कबड्डी के महिला और पुरुष वर्गों के दोनों मैचों में सीयूजे की टीम ने एमिटी की टीम पर जीत दर्ज की। प्रतियोगिता में राय, यूनिवर्सिटी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी, रांची, सेंट्रल यूनिवर्सिटी बिहार, एनआईएफएफटी, एमिटी, सीआईएफएफटी, रामगढ़ यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स भाग ले रहे हैं।

केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित हो रहे खेल महोत्सव में क्रिकेट प्रतियोगिता में मेजबान सीयूजे की टीम बनी चैंपियन

# रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुति से छात्रों ने जीता दिल

**सीयूजे**

रांची | वरीय संवाददाता

केंद्रीय विश्वविद्यालय में चल रहे खेल महोत्सव में गुरुवार को छात्र-छात्राओं का रहा जलवा। क्रिकेट मैच के फाइनल में सीयूजे ने सीआईटी को पराजित ट्राफी पर कब्जा जमाया। मैच में हाफ सेंचुरी मार कर गुंजन कुमार मैन ऑफ द मैच बने। वहीं, लड़कियों ने भी कबड्डी में एमेटी को रौंद कर विजेता बनी।

कबड्डी ब्वॉयज ने भी सीआईटी से आसान जीत हासिल की। अमिटी और सीयूएसबी के बीच हुए मैच में कांटे की टक्कर देकर अमिटी की जीत हुई।

वहीं जेआरयू के बाहर हो जाने से अमिटी को वॉकओवर से जीत हासिल हुई। वॉलीबॉल में सीयूजे और अमिटी के बीच हुए गर्ल्स मैच में सीयूजे को आसान जीत मिली।

आरईसी और सीयूएसबी के बीच हुए मैच में आरईसी ने मैच जीता। फुटबॉल मैच में सीयूजे ने अमिटी को 2-0 से मात दी।

सीयूजे में गुरुवार की शाम को नृत्य का कार्यक्रम प्रस्तुति करतीं छात्राएं। • हिन्दुस्तान

गुरुवार को आयोजित क्रिकेट मैच के फाइनल में मैच जीतने के बाद सीयूजे की टीम।

### कार्यक्रम में विद्यार्थियों का जलवा, गीत-संगीत से सराबोर रही शाम, झूमे छात्र-छात्राएं

खेल महोत्सव के मौके पर शाम में हुए रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। छात्र संजीव ने तेरे होके रहेंगे... जैसे गीत पेश कर सभी को ताली बजाने पर मजबूर कर दिया। कंचन ने नागपुरी नृत्य कर झारखंड की संस्कृति का प्रदर्शन किया। सोहन एनडी ग्रुप ने बैंड परफॉर्मेंस से सबमें ऊर्जा का संचार किया।

# सीयूजे के खेलोत्सव में छात्रों का दिख रहा जुनून

रांची | वरीय संवाददाता

केंद्रीय विश्वविद्यालय में चल रहे पांच दिनी खेलोत्सव में मंगलवार को क्रिकेट प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता में सेंट्रल विवि ऑफ साउथ बिहार और सीआईटी के बीच हुई, जिसमें सीआईटी ने सेंट्रल विवि ऑफ साउथ बिहार को हराया।

दोपहर में सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड और झारखंड राई यूनिवर्सिटी के बीच हुए क्रिकेट मैच में सेंट्रल यूनिवर्सिटी ने झारखड राई यूनिवर्सिटी को दस रनों से पराजित किया।

मालूम हो कि खेलोत्सव में राज्य के सात कॉलेज के प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। इसमें क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल और कबड्डी की प्रतियोगिता होगी। भाग लेने वाले कॉलेजों में सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार, एमिटी यूनिवर्सिटी, राय यूनिवर्सिटी सहित अन्य कॉलेज शामिल हैं।

**क्रिकेट प्रतियोगिता**

- सोमवार से शुरू हुआ पांच दिवसीय खेलोत्सव का उद्घाटन
- सेंट्रल विवि साउथ बिहार और सीआईटी ने जीते मैच

सीयूजे में मंगलवार को चल रही क्रिकेट प्रतियोगिता में मौजूद खिलाड़ी। • हिन्दुस्तान

# केंद्रीय विवि में खेल उत्सव की शुरुआत

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

केंद्रीय विवि, झारखंड के ब्रांबे स्थित परिसर में सोमवार को खेल उत्सव का आयोजन किया गया. पांच दिवसीय महोत्सव के उदघाटन में राज्य के सात कॉलेजों ने हिस्सा लिया है. मौके पर डीसी राय महिमापत रे और विवि के कुलपति प्रो नंद कुमार यादव इंदू विशेष रूप से उपस्थित थे. यह उत्सव 23 मार्च तक चलेगा. इसमें क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, कबड्डी आदि प्रतियोगिता हुई. केंद्रीय विवि, अमेटी विवि, झारखंड राय विवि के विद्यार्थी भी शामिल हैं. पहले दिन ध्वजारोहण किया गया. विद्यार्थियों ने मार्च पास्ट किया. उदघाटन मैच में आज सुबह केंद्रीय विवि, झारखंड और केंद्रीय ... बीच फुटबॉल मैच ...

खेल उत्सव में शामिल हो रहे हैं सात कॉलेजों के विद्यार्थी.

विवि, झारखंड ने केंद्रीय विवि, बिहार को 3-0 से पराजित किया. दोपहर में हुए एमेटी विवि और झारखंड राय विवि के बीच क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया. इसमें एमिटी विवि ने जीत हासिल की. इस अवसर पर खेल प्रभारी एनके झा, डीएसडब्ल्यू अर्जुन कुमार, जन संचार विभाग के एचओडी डॉ देवव्रत सिंह और नरेंद्र कुमार आदि मौजूद थे.

# सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड बना ओवर ऑल चैंपियन

विजेता टीम को पुरस्कृत करते अमिताभ चौधरी ● जागरण

**जासं, रांची :** सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड (सीयूजे) की टीम ने पांच दिवसीय खेलोत्सव में ओवरऑल चैंपियन बना। सीयूजे की पुरुष टीम ने कबड्डी, वालीबॉल, फुटबॉल, क्रिकेट में विजेता बनी। सीआईटी की टीम कबड्डी, वालीबॉल और क्रिकेट में उपविजेता बनी। वहीं एनआईएएफएफटी की टीम फुटबॉल में उपविजेता रही। महिला वर्ग के कबड्डी और वालीबॉल में भी सीयूजे ने बाजी मारी। एमिटी की टीम उपविजेता रही। मुख्य अतिथि बीसीसीआइ के कार्यवाहक सचिव अमिताभ चौधरी और जेएससीए के सचिव देवाशीष चक्रवर्ती ने पुरस्कार वितरण किया।

## खेलोत्सव का समापन, अमिताभ चौधरी ने किया सम्मानित

# केंद्रीय विवि ओवरऑल चैंपियन

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

केंद्रीय विवि, झारखंड में चल रहे खेल उत्सव का शुक्रवार को समापन हो गया. इसमें केंद्रीय विवि, झारखंड ओवरऑल चैंपियन रहा. बीसीसीआइ के कार्यकारी सचिव अमिताभ चौधरी ने विजेताओं को पुरस्कृत किया. देवाशीष चक्रवर्ती भी विशेष रूप से उपस्थित थे. कबड्डी, वॉलीबॉल, फुटबॉल, क्रिकेट में केंद्रीय विवि, झारखंड विनर रहा. इसके अलावा कबड्डी में सीआइटी रनर अप, वॉलीबॉल में सीआइटी रनर अप, फुटबॉल में निफ्ट रनर अप, क्रिकेट में सीआइटी रनर अप रहा. वहीं कबड्डी व वॉलीबॉल गर्ल्स प्रतियोगिता में भी केंद्रीय विवि, झारखंड विजयी रहा, जबकि एमिटी विवि रनर अप रहा.

चैंपियन टीम को पुरस्कृत करते बीसीसीआइ के कार्यकारी सचिव अमिताभ चौधरी.

# गेट में सीयूजे के 18 विद्यार्थी सफल

श्वेताभ शिवम ने देशभर में चौथा स्थान हासिल किया है.

**रांची.** केंद्रीय विवि, झारखंड के नैनो टेक्नोलॉजी केंद्र के 18 विद्यार्थियों ने गेट में सफलता हासिल की है. इसमें 10 छात्राएं भी शामिल हैं. छात्र श्वेताभ शिवम ने देश में चौथा स्थान हासिल किया है. इसके अलावा फैजान राजा 16वां, गरिमा गुप्ता 24वां, शिवांस मिश्र 56वां, रिया अंबष्ट 81वां और प्रथमा ने 83वां स्थान हासिल किया है. साथ ही पूजा गुप्ता, दीपांजलि, इला अशोक, अपराजिता सिन्हा, अर्जुन ... रोहित राज, आइसा चक्रवर्ती, अनीस रंजन, रोहित सिंह, सात्विक अंशु, स्वीकृति और श्वेता कुमार ने गेट में सफलता हासिल किये. एनर्जी डिपार्टमेंट के दो छात्रों ने भी गेट में सफलता हासिल की है. सभी सफल विद्यार्थियों को विवि के कुलपति प्रो नंद कुमार यादव ने बधाई दी है. मौके पर नैनो टेक्नोलॉजी के विभागाध्यक्ष डॉ गजेंद्र प्रसाद सिंह, डॉ एएस भट्टाचार्या, डा लॉरेंस कुमार, डॉ रमेश उरांव, डॉ रामकिशोर सिंह और राहुल कुमार भी उपस्थित थे.

सीयूजे में सोमवार को आयोजित पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में विद्यार्थी। • हिन्दुस्तान

## सीयूजे में प्रतियोगिता के विजेता पुरस्कृत

**रांची।** प्रज्ञ प्रवाह की ओर से आयोजित होनेवाले लोक मंथन कार्यक्रम की कड़ी में केंद्रीय विश्वविद्यालय, झारखंड की ओर से विश्वविद्यालय स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सोमवार को आयोजित समापन समारोह में मुख्य अतिथि कुलपति प्रो नंद कुमार यादव 'इंदु' व रजिस्ट्रार एसएल हरि कुमार थे ने निबंध प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, निरूपण व पेंटिंग और वाद-विवाद प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया। निबंध प्रतियोगिता में- सत्यवती सुनैना, पोस्टर प्रतियोगिता में- पुष्पिता राउत, निरूपण व पेंटिंग में- शिव चौधरी व वाद-विवाद प्रतियोगिता में- विष्वक्सेन, नरेन्द्र कुमार मौजूद थे। संचालन डॉ अपर्णा ने किया।

## केंद्रीय विवि में निबंध लेखन प्रतियोगिता

**रांची.** केंद्रीय विवि, झारखंड में लोकमंथन 2018 का आयोजन किया गया. इसके तहत निबंध लेखन, वाद-विवाद प्रतियोगिता, चित्रकला व रंग संयोजन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इसमें विवि के लगभग सौ विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया. प्रतियोगिता का विषय राष्ट्र सर्वोपरि, अभिव्यक्ति की आजादी की सीमा, बेटी बचाओ देश बचाओ और पर्यावरण संरक्षण आदि था. कार्यक्रम का आयोजन समन्वयक डॉ रत्नेश, सदस्य डॉ विमल किशोर, डॉ कुलदीप,डॉ जया शाही की देखरेख में हुआ. इस मौके पर डीन प्रो सारंग मेढेकर, डॉ मनोज कुमार आदि उपस्थित थे.

## सीयूजे में कवि सम्मेलन का आयोजन

सीयूजे में शुक्रवार को गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य पर कवि सम्मेलन आयोजित हुआ। इसमेंदेश भर से आए कवियों ने छात्रों और ग्रामीणों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

## सीयूजे में सुनाया गया केंद्रीय मंत्रियों का संदेश

केंद्रीय विश्वविद्यालय, झारखंड ब्रांबे में हिन्दी दिवस समारोह मना। इसमें मुख्य अतिथि हिन्दी के वरिष्ट साहित्यकार डॉ अशोक प्रियदर्शी थे। अध्यक्षता कुलपति प्रो नंद कुमार यादव 'इंदु' ने की। प्रभारी रजिस्ट्रार प्रो मनोज कुमार ने केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर का हिन्दी दिवस पर संदेश पढ़कर सुनाया। हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ रत्नेश ने गृह मंत्री राजनाथ सिंह का हिन्दी दिवस पर संदेश पढ़कर सुनाया। मौके पर विश्वविद्यालय में हिन्दी पखवाड़ा तहत आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कला विभाग की टीम ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। संचालन जनसंचार विभाग के सहायक प्राध्यापक राजेश कुमार ने किया। कार्यक्रम में अब्दुल हलीम समेत अन्य शिक्षकगण मौजूद थे।

## केंद्रीय विवि में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

**रांची.** केंद्रीय विवि, झारखंड में आइसीडब्ल्यूए के सहयोग से शुक्रवार को निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इसमें विभिन्न विवि व महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया. इस कार्यक्रम के कन्वेनर डॉ बीबी विश्वास थे. कार्यक्रम का आयोजन डॉ के ताशी, डॉ कुलदीप बुद्ध, डॉ दीपिका श्रीवास्तव, नरेंद्र कुमार आदि की देखरेख में हुआ.

## सेंट्रल यूनिवर्सिटी

केंद्रीय विवि में वीसी डॉ नंद कुमार यादव ने झंडोत्तोलन किया. विधायक जीतूचरण राम, गंगोत्री कुजूर, मुकुंद नायक, डीसी मनोज कुमार मौजूद थे.

## गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में शिक्षक की भूमिका विषय पर संगोष्ठी

**रांची.** झारखंड केंद्रीय विवि में मंगलवार को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में शिक्षक की भूमिका विषय पर संगोष्ठी हुई. इसमें मुख्य वक्ता के तौर पर प्रो एससी यादव, प्रो सतीश चंद्र भदवाल व प्रो पीके जोशी ने हिस्सा लिया. वक्ताओं ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से संबंधित नीति पर भी विस्तार से चर्चा की गयी. मौके पर संस्थान के प्रभारी कुलपति प्रो एस मेधेकर व कुलसचिव प्रो एसएल हरिकुमार ने भी अपने विचार व्यक्त किये. कार्यक्रम में संकायाध्यक्ष प्रो मनोज कुमार व डॉ विमल किशोर ने अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया.

### सेंट्रल यूनिवर्सिटी में 10 दिवसीय डॉक्यूमेंटरी फिल्म वर्कशॉप शुरू

# पांच मिनट की फिल्म बनाने में आठ महीने लगा : मेघनाथ

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

केंद्रीय विश्वविद्यालय, झारखंड में विजुअल एंड डॉक्यूमेंटरी फिल्म मेकिंग पर 10 दिवसीय वर्कशॉप का उदघाटन सोमवार को हुआ. विवि के सेंटर फॉर इंडीजिनियस कल्चर स्टडीज द्वारा 14 मार्च तक चलनेवाले इस वर्कशॉप [illegible] उद्घाटन मेघनाथ और बीजू टोप्पो की [illegible]टरी फिल्म इन रेटरोस्पेक्ट के साथ हुआ. उद[illegible] डीएसडब्ल्यू प्रो अर्जुन कुमार, फिल्म निर्माता मेघनाथ, बीजू टोप्पो और सुचिता सेन चंदौरी ने किया. सीआइसीएस के रजनीकांत पांडेय ने सबका स्वागत किया. पहले दिन फिल्म फेस्टिवल के संबंध में विचार-विमर्श किया गया. साथ ही वर्कशॉप में फिल्म गांव छोड़ब नाही, द हंट, गाड़ी लोहरदगा मेल, सोना गाही पिंजरा और नाची से बांची का प्रदर्शन किया गया. इन डॉक्यूमेंटरी फिल्मों की प्रासंगिकता पर भी चर्चा की गयी.



पौधा देकर अतिथियों का स्वागत किया गया.

मेघनाथ ने बताया कि गाड़ी लोहरदगा मेल एक एक्सपेरिमेंटल (प्रायोगिक) फिल्म थी. इसमें झारखंड की संस्कृति का प्रतिबिंब झलकता है. गांव छोड़ब नहीं पांच मिनट की फिल्म है. यह फिल्म एक गीत पर आधारित है. इस पांच मिनट की फिल्म को बनाने में सात से आठ महीने का समय लगा था. मेघनाथ ने बताया कि जब वे गीत लिख रहे थे तो उसे काव्य रूप देने में विनोद कुमार और सुनील का योगदान रहा. जब जब झारखंड में आंदोलन, संघर्ष और झारखंडी मुद्दे की बात होगी इस गीत को जरूर याद किया जायेगा. आम तौर पर समाज में इकतरफा खबरें आती हैं . पर द हंट फिल्म में दिखाया गया है कि किस तरह से नक्सली और सरकार के बीच आदिवासी पिस रहे हैं. अन्य फिल्मों पर भी इसी तरह चर्चा हुई. मेघनाथ ने बताया कि डॉक्यूमेंटरी फिल्में मनोरंजन से इतर समाज के उन मुद्दों और पहलुओं को सामने लाती हैं जिसपर मुख्यधारा का सिनेमा काम नहीं करता.

### केंद्रीय विवि



**रांची.** झारखंड केंद्रीय विवि में हिंदी दिवस समारोह का उदघाटन साहित्यकार प्रो अशोक प्रियदर्शी ने किया. अध्यक्षता कुलपति प्रो नंद कुमार यादव इंदु ने की. समारोह में केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री का संदेश प्रो मनोज कुमार ने पढ़ा. डॉ रत्नेश ने केंद्रीय गृह मंत्री का हिंदी दिवस पर संदेश पढ़ा.

## केंद्रीय विवि ब्रांबे में व्याख्यान आज

**रांची.** केंद्रीय विवि, झारखंड के ब्रांबे परिसर में हिंदी विभाग के तत्वावधान में प्रेमचंद जयंती पर मंगलवार को व्याख्यान का आयोजन किया गया है. मौके पर दिल्ली विवि में हिंदी विभाग के प्राध्यापक और आलोचक प्रो गोपेश्वर सिंह भी मौजूद रहेंगे. विवि के कुलपति प्रो नंद कुमार यादव इंदु कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे. कार्यक्रम दिन के 11 बजे से शुरू होगा. यह जानकारी पीआरओ नरेंद्र ने दी.

# केंद्रीय विवि के कुलपति ने पूरे किए तीन साल

जागरण संवाददाता, रांची : केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड के कुलपति प्रो. नंद कुमार यादव इंदु ने बुधवार को अपने कार्यकाल का तीसरा साल पूरा किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. नंदकुमार यादव व डॉ.रोमा यादव ने पौधरोपण किया।

रोमा यादव ने कहा कि तीन वर्षों में विश्वबिद्यालय ने कई कार्य हुए हैं। वरीय पदाधिकारियों और शिक्षकों की नियुक्त अहम है। इसके अलावा लंबे समय से लंबित प्रोन्नति कार्य को भी बुधवार को पूरा कर लिया गया। छात्रों की सुविधाओं के लिए विश्वविद्यालय हर संभव कोशिश करेगा। कुलपति ने कहा कि दीक्षांत समारोह को लेकर राष्ट्रपति को निमंत्रण भेजा गया ... का इंतजार किया है। मौके ...

### दिया गया स्मृति चिह्न

दूसरी पाली में ओरिएंटेशन कार्यक्रम हुआ, जिसमें विश्वविद्यालय में दाखिला लेने वाले नए छात्र व पुराने छात्र शामिल थे। उन्हें विश्वविद्यालय के बारे में बताया गया। अंत में पिछले एक वर्ष में बेहतर कार्य करने वाले 30 लोगों को शामिल किया गया, जिनमें शिक्षक व कर्मचारी थे। विश्वविद्यालय की ओर कुलपति को स्मृति चिह्न दिया गया।

डॉ.मनोज कुमार, प्रो. सारंग मेधेकर, प्रो. देवव्रत सिंह, प्रो. आरके डे, प्रो. एसी पांडे, पुस्तकालय अध्यक्ष एसके पांडेय, ... कुमार, डॉ.राजेश आदि थे।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर कार्यक्रम, सचिव ने कहा

# राज्य सरकार केंद्रीय विवि को हर संभव मदद देने के लिए तैयार

कार्यक्रम का उदघाटन करते अतिथि.

संवाददाता ▷ रांची

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर केंद्रीय विवि, झारखंड में स्वाधीनता उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में पूर्व कुलपति रांची ... केके नाग व झारखंड सरकार के ... विशेष रूप से उपस्थित थे. सचिव श्री शर्मा ने कहा कि झारखंड सरकार इस विवि को हर संभव मदद करने के लिए तैयार है. कार्यक्रम में विशेष रूप से भक्ति संगीत व नाटक का मंचन किया गया.

विवि के छात्रों ने स्वाधीनता संग्राम को नाटक के माध्यम से दिखाने का ...

... मनोज, डॉ एसके ... सिंह, उपकुलसचिव अब्दुल हलीम, पीआरओ नरेंद्र कुमा... मौजूद थे.

### केडिया बंधु की शानदार प्रस्तुति

केंद्रीय विवि में मंगलवार को केडिया बंधु के सितार व सरोद की जुगलबंदी ने समां बांधा. मैहर घराने के सितार वादक पंडित मोर मुकुट केडिया, सरोद वादक पंडित मनोज केडिया दोनों भाइयों ने सितार और सरोज की प्रस्तुति दी. इनकी हर प्रस्तुति पर लोग मंत्रमुग्ध हुए और विवि सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज रहा था. गिरिडीह के रहने वाले केडिया बंधु को कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं. मौके पर विवि के कुलपति सहित सभी शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित थे.

एक दिवसीय जागरुकता कार्यक्रम में राज्य की कल्याण मंत्री डॉ लुईस मरांडी ने दिलाया भरोसा

# सीयूजे को कल्याण विभाग देगा सहयोग

**आयोजन**

रांची | प्रमुख संवाददाता

केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड में मंगलवार को एक दिवसीय जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में कल्याण मंत्री डॉ लुईस मरांडी मौजूद थीं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री छात्रवृत्ति कल्याण योजना समेत कई ऐसी योजना राज्य सरकार चला रही है, जिससे कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा में काफी मदद मिलेगी।

**खास बातें**

- सीयूजे में एससी-एसटी,ओबीसी मिलाकर 14 सौ छात्र हैं
- कैंपस परिसर में अतिथियों ने पौधे भी लगाए

**छात्रवृत्ति अनुदान के लिए चल रही ऑनलाइन प्रक्रिया**

अपर सचिव हर्ष मंगला ने बताया कि सरकार सारी स्कीम को चला ऑनलाइन रही है, जिससे छात्रों को छात्रवृत्ति अनुदान के लिए कहीं जाने की जरूरत नहीं है। कुलपति डॉ नंद कुमार यादव ने मांग की कि कल्याण विभाग की ओर से एसटी छात्रावासों में केंद्रीय विवि के छात्रों को भी जगह दी जाए या कोई नई व्यवस्था उनके लिए की जाए।

साथ ही, उन्होंने भरोसा दिलाया कि सीयूजे को कल्याण विभाग से पूर्ण सहयोग मिलेगा।

विभाग के अपर सचिव हर्षमंगला ने राज्य सरकार की ओर से एसटी, एससी, ओबीसी और कमजोर वर्ग के छात्रों के लिए चलाए जा रहे छात्रवृत्ति अनुदान की जानकारी दी। साथ ही बताया कि सरकारी के सभी योजनाओं का लाभ ऑनलाइन लें, जिससे कोई परेशानी नहीं झेलनी पड़े।

विश्वविद्यालय कैंपस में पौधरोपण भी किया गया। कार्यक्रम में डीएसडब्लू अर्जुन सिंह, मास कम्यूनिकेशन विभाग के डीन देवव्रत सिंह समेत अन्य शिक्षकगण मौजूद थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता यूनिवर्सिटी के एसटीएससी सेल की हेड सीमा ममता मिंज ने की।

## केंद्रीय विवि झारखंड

**रांची.** केंद्रीय विवि, झारखंड में आयोजित शिक्षक दिवस समारोह में कुलपति प्रो नंद कुमार यादव इंदु ने सर्वपल्ली राधाकृष्णन की तस्वीर पर माल्यार्पण किया. इसे मौके पर रजिस्ट्रार एसएल ह डॉ जया शाही मौजूद थीं.

# सीयूजे ओवर ऑल चैंपियन

**स्पोर्ट्स रिपोर्टर। रांची**

सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड (सीयूजे) में पांच दिवसीय खेलोत्सव का समापन शुक्रवार को हुआ। ओवर ऑल चैंपियन मेजबान सीयूजे की टीम रही। सीयूजे की पुरुष टीम ने कबड्डी, वालीबॉल, फुटबॉल, क्रिकेट में चैंपियन बनी।

सीआईटी की टीम कबड्डी, वालीबॉल और क्रिकेट में उपविजेता बनी। वहीं एनआईएफएफटी की टीम फुटबॉल में रनर-अप रही। महिला वर्ग के कबड्डी और वालीबॉल में भी सीयूजे ने बाजी मारी। रनर-अप एमिटी की टीम रही। मुख्य अतिथि बीसीसीआई के कार्यवाहक सचिव अमिताभ चौधरी और जेएससीए के सचिव देवाशीष चक्रवर्ती ने विजेता और उपविजेता टीम को ट्रॉफी देकर सम्मानित किए।

# खेल महोत्सव में सीयूजे का रहा जलवा, फुटबॉल में जीत

केंद्रीय विश्वविद्यालय में बुधवार फुटबॉल मैच में जीत के बाद सीयूजे के खिलाड़ी। • हिन्दुस्तान

**रांची | वरीय संवाददाता**

केंद्रीय विश्वविद्यालय में चल रहे खेल महोत्सव के तीसरे दिन सीयूजे का बोलबाला रहा। पहले फुटबॉल मैच में ही सीयूजे ने एनआईएफएफटी पर एक गोल से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बना ली।

वहीं अमिटी और सीआईटी के बीच हुआ मैच एक एक की बराबरी पर ड्रा हुआ। कबड्डी में जेआरयू और सीआईटी के बीच हुए मैच में सीआईटी ने जीत हासिल की। दूसरा मैच सीयूजे और सी यूएसबी के बीच हुआ, जिसमें सीयूजे को जीत मिली। तीसरे मैच में भी सीयूजे ने जेआरयू के खिलाफ जीत हासिल की। सुबह हुए क्रिकेट मैच में भी सीयूजे ने सीआईटी को हराया। वॉलीबॉल का मैच जिसमें रामगढ़ और सीयूजे.बीच काफी बेहतरीन टक्कर हुई, जिसमें सीयूजे जीता। क्रिक्रेट के सेमीफाइनल मैच में सीआईटी ने एमेटी को एक रन से मात दी।

### प्रतियोगिता

- फुटबॉल मैच में सीयूजे की टीम ने एनआईएफएफटी को हराया
- क्रिकेट मैच में भी सीयूजे की टीम ने सीआईटी को परास्त किया

# क्रिकेट में सीयूजे ने सीआइटी को हराया

**रांची.** केंद्रीय विवि, झारखंड के ब्रांबे स्थित परिसर में चल रहे खेल महोत्सव के चौथे दिन हुए क्रिकेट के फाइनल में केंद्रीय विवि, झारखंड (सीयूजे) ने कैंब्रिज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (सीआइटी) के खिलाफ 21 रनों से जीत दर्ज की. अर्द्धशतक लगा कर गुंजन कुमार मैन ऑफ द मैच बने. वहीं लड़कियों ने भी कबड्डी में एमिटी विवि के खिलाफ फाइनल जीत लिया. कबड्डी में ब्वॉय ने भी सीआइटी पर आसान जीत हासिल की. वहीं एमिटी और केंद्रीय विवि बिहार (सीयूएसबी) के बीच हुए कांटे के मैच में एमिटी ने जीत हासिल की. वॉलीबॉल में सीयूजे और एमिटी के बीच हुए गर्ल्स मैच में सीयूजे को आसान जीत मिली. आरइसी और सीयूएसबी के बीच हुए वॉलीबॉल मैच को आरइसी ने मैच जीता. फुटबॉल में सीयूजे ने एमिटी विवि को 2-1 से मात दी.

# तीसरे दिन खेलोत्सव में सीयूजे का रहा बोलबाला

रांची। केंद्रीय विश्वविद्यालय में हो रहे खेल महोत्सव में तीसरे दिन सीयूजे का बोलबाला रहा। फुटबॉल मैच में ही सीयूजे ने एनआईएफएफटी के खिलाफ एक गोल से जीत दर्ज करा कर फाइनल में जगह बना ली। वहीं एमिटी और सीआईटी के बीच हुए फुटबॉल मैच में 1-1 से ड्रॉ हुआ। कब्बडी में जेआरयू और सीआईटी के बीच हुए मैच में सीआईटी ने जीत हासिल की। वहीं दूसरे कबड्डी मैच जो सीयूजे और सीयूएसबी के बीच हुई उसमें भी सीयूजे ने जीत हासिल किया। कबड्डी के तीसरे मैच में भी सीयूजे ने जेआरयू के खिलाफ जीत हासिल की। क्रिकेट मैच में भी सीयूजे ने सीआईटी को हराया। वहीं वालीबॉल मैच में सीयूजे ने रामगढ़ को हराया।

# जल का हो संयमित तौर से प्रयोग दोहन पर लगे पूरी तरह से रोक

## झारखंड सेंट्रल यूनिवर्सिटी में जल संरक्षण पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

जागरण संवाददाता, रांची : जल संरक्षण से लेकर जल के प्रयोग के प्रति हमें जागरूक होना होगा। सुनिश्चित करना होगा कि जल का प्रयोग संयमित तौर से हो। साथ ही उसे बेहतर तरीके से संरक्षित करने पर भी कार्य करना होगा। भूगर्भ जल का दोहन इन दिनों हो रहा है। भूगर्भ जलस्तर लगातार नीचे जा रहा है। समय से पहले संभलना होगा। कठोर नियम बनाने होंगे। साथ ही जागरूकता भी लानी होगी।

ये बातें सीयूजे के कुलपति डॉ. नंद कुमार यादव ने केंद्रीय विवि में जलप्रबंधन पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कहीं। कुलपति ने कहा कि दुनिया में जल संरक्षण व संचयन को लेकर बहस हो रही है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन इस दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि जल मानव अस्तित्व और विकास के लिए सबसे बड़ा आधार है, पर पिछले कुछ दशकों से जनसंख्या वृद्धि, औद्योगिकीकरण, शहरीकरण और संबद्ध उपभोक्तावादी संस्कृति ने प्राकृतिक जल के विज्ञान चक्र को काफी नुकसान पहुंचाया है। इनसे निपटने के लिए शोध कार्य पूरी दुनिया में जारी है झारखंड का केंद्रीय विश्वविद्यालय भी इस विषय को लेकर काफी गंभीर है।

अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन करते कुलपति नंद कुमार यादव व अन्य ● जागरण

सम्मेलन का उद्घाटन कुलपति प्रो. नंद कुमार यादव ने किया। श्रीलंका के जल संसाधन परिषद के सभापति एसीएम जुल्फिकार बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए। विभिन्न सत्रों में एविफे रिचार्ज, ग्राउंड वॉटर मॉडलिंग स्टडीज, वॉटर क्वालिटी मैनेजमेंट ऑफ सर्फेस, जलविज्ञान मॉडलिंग, बाढ़, खानों के भूतल जल प्रबंधन और जल के कुशल उपयोग पर चर्चा हुई। वाटर रिसोर्स बोर्ड श्रीलंका के चेयरमैन, इंस्टीट्यूट ऑफ रिवर मॉडलिंग बंग्लादेश के एक्सक्यूटिव डायरेक्टर सहित कई वैज्ञानिक सेमिनार में शामिल हुए। सेमिनार की अध्यक्षता सीयूजे के वाटर इनजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट के हेड अजय कुमार सिंह ने किया। सम्मेलन का आयोजन दो दिनों तक विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम तथा कंप्यूटर लैब में किया जाएगा। सम्मेलन में कुल छह सत्र होंगे। दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के भूगोल केंद्र से प्रो. आरपी सिंह, फेयर आब्जर्वर यूएस के संपादक डॉ. अतुल सिंह, सीट्एसट् प्रा. लि. के अध्यक्ष डॉ. अजय प्रधान, एआईटी, थाईलैंड के जल अभियंत्रण एवं प्रबंधन केंद्र से प्रो. मुकुंद एस बेबल, डीएचआई, नई दिल्ली के एमडी डॉ. फ्लेमिंग जैकबसेन, आईआईटी रुड़की के भूतपूर्व अतिथि प्रो. डॉ. एसएन राय, जीबी पंत यूनिवर्सिटी से प्रो. पीके सिंह, डॉ. भारत शर्मा और एसवी कॉलेज रायपुर से प्रो. पीके पांडेय ने उपस्थित होकर सम्मेलन का प्रतिनिधित्व किया।

**भूगर्भ जलस्तर जा रहा नीचे, इसे सहेजने की है जरूरत, इसके लिए कठोर नियम बनाने होंगे, साथ लोगों को करना होगा जागरूक**

# सेंट्रल यूनिवर्सिटी में किया गया पौधरोपण, दिये संदेश

**रांची.** केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड में बुधवार क
पौधरोपण किया गया. इसमें श्रीलंका के वाटर रिसोर्स बोर्ड के
अध्यक्ष एसीएम जुलिकार सहित बैंकॉक से आये प्रो एमए
बाबेल, इंटरनेशनल वाटर मैनेजमेंट के डॉ भारत शर्मा तथ
विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो नंद कुमार
परिसर में पौधरोपण कि

सीयूजे में वाटर एंड वेस्ट वाटर मैनेजमेंट एंड मॉडलिंग पर दो दिनी कॉन्फ्रेंस का समापन

# पानी बचाने के लिए भूमिगत जल का सही प्रयोग करें : डॉ. फ्लेमिंग

एजुकेशन रिपोर्टर | रांची

सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड (सीयूजे) में चल रहे दो दिवसीय इंटरनेशनल सेमिनार इन वाटर एंड वेस्ट वाटर मैनेजमेंट एंड मॉडलिंग का समापन बुधवार को हुआ। अंतिम दिन तीन सेशन में अलग-अलग टॉपिक्स पर डेलीगेट्स ने विचार रखे।

ग्राउंड वाटर मैनेजमेंट एंड एन्वायर्नमेंट टॉपिक पर डीएचई (इंडिया) वाटर एंड एन्वायर्नमेंट के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. फ्लेमिंग जैकब्सन ने विचार रखे। उन्होंने तमिलनाडु के क्लाइमेट चेंज के मुख्य कारणों एवं इससे निजात के उपायों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि भूमिगत जल के सही तरीके से प्रयोग करने से ही जलस्तर नॉर्मल बना रहेगा। वातावरण की शुद्धता के लिए भी जलस्तर का बने रहना जरूरी है। दूसरे सेशन में मैनेजमेंट ऑफ वाटर रिसोर्सेज इन एग्रीकल्चर एवं वाटरशेड मैनेजमेंट एंड हाइड्रोलिक मॉडलिंग पर विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिए। कृषि में पानी के संरक्षण और प्रबंधन से जुड़ी ... जल प्रबंधन, खनन पानी ... जल के



सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड परिसर में कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन पौधरोपण के बाद सिंचाई करते वीसी डॉ. नंद कुमार यादव।

## उपभोक्तावादी संस्कृति ने प्राकृतिक जल को काफी नुकसान पहुंचाया है : अजय सिंह

सेंटर फॉर वाटर इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के विभागाध्यक्ष अजय सिंह ने दो दिनों तक चले सेमिनार की ब्रीफिंग की। उन्होंने कहा कि जनसंख्या वृद्धि, औद्योगिकीकरण, ... और उपभोक्तावादी संस्कृति ने प्राकृतिक ... है। जल संसाधनों का दुरुपयोग बढ़ा है, नतीजतन पानी की गुणवत्ता कमजोर हुई है। इससे निपटने के लिए पूरी दुनिया में शोध जारी है। केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड भी इसको लेकर गंभीर है। दो दिनों तक चली कॉन्फ्रेंस में अपशिष्ट जल प्रबंधन जल के स्रोतों की रक्षा पर मंथन किया गया।

... वीसी ... परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण ... की रक्षा का भी संदेश दिया।

दो दिनी अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में दुनियाभर से वैज्ञानिक पहुंचे राजधानी, जल समस्या पर जताई चिंता

# जल प्रबंधन के तरीके घर-घर तक पहुंचाएं

रांची | वरीय संवाददाता

झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय ब्रांबे (सीयूजे) में जल व दूषित जल प्रबंधन पर अंतरराष्ट्रीय दो दिवसीय कार्यशाला मंगलवार को शुरू हुई। उद्घाटन के मौके पर श्रीलंका के जल साधन परिषद के सभापति एसीएम जुल्फिकार मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे।

उन्होंने जल प्रबंधन पर कहा कि इस विषय को लेकर आज दुनिया भर के वैज्ञानिक शोध में जुटे हुए हैं। वे बेहतर विकल्प व जल प्रबंधन के तरीके को घर-घर तक पहुंचने के लिए प्रयास कर रहे हैं, जिससे पूरे विश्व में पानी को लेकर हो रही समस्या को खत्म किया जा सके। लोगों को भी समझना होगा कि वे पानी को दूषित व बर्बाद ना करें।

**विचार**

- जल प्रबंधन पर पूरी दुनिया के वैज्ञानिक शोध कर रहे हैं
- पानी की बर्बादी और जल प्रदूषण पर मंथन किया गया

इससे पहले कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए विवि के कुलपति प्रो नंद कुमार ने कहा कि आज जल संरक्षण व संचयन को लेकर विश्व में बहस छिड़ी हुई है। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन इस दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। कुछ दशकों से जनसंख्या वृद्धि, औद्योगिकीकरण और शहरीकरण से भू-गर्भ जल स्तर काफी नीचे चला गया है, जिससे निपटने के लिए शोध कार्य पूरी दुनिया में जारी है, केंद्रीय विवि इसेलेकर काफी गंभीर है।

सीयूजे में मंगलवार को कार्यशाला का उद्घाटन करते अतिथिगण। ● हिन्दुस्तान

**भू-गर्भ जल स्तर बढ़ाने के लिए हुई पहल :** कार्यशाला के विभिन्न सत्रों में ग्राउंड वॉटर रिचार्ज, वॉटर क्वालिटी मैनेजमेंट ऑफ सर्फेस, बाढ़ व खानों के भूतल जल प्रबंधन, सर्वश्रेष्ठ प्रबंधन प्रथाओं व जल के कुशल उपयोग पर चर्चा हुई। वाटर रिसोर्स बोर्ड श्रीलंका के चेयरमैन, इंस्टीट्यूट ऑफ रिवर मॉडलिंग बांग्लादेश के निदेशक, आईसीएआर के वैज्ञानिक, अमेरिका के कई वैज्ञानिक सेमिनार में अपनी बातों को रख अन्य देशों की स्थिति से रू-ब-रू कराया।

दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के भूगोल केंद्र से प्रो आरपी सिंह, फेयर ऑब्जर्वर (यूएस) के संपादक डॉ अतुल सिंह, सीटूएसटू के अध्यक्ष डॉ अजय प्रधान, थाईलैंड के जल अभियंत्रण प्रो मुकुंद एस बेबल, रायपुर से प्रो वीके पांडेय ने सम्मेलन में अपने विचार रखें।

सीयूजे में वाटर एंड वेस्ट वाटर मैनेजमेंट एंड मॉडलिंग पर दो दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस शुरू

# पानी का उचित प्रबंधन कर उसे दोबारा यूज में लाया जा सकता है : जुल्फिकार

सिटी रिपोर्टर | रांची

वाटर रिसोर्स बोर्ड श्रीलंका के चेयरमैन एसीएम जुल्फिकार ने कहा कि वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट से पानी को रीयूज में लाया जा सकता है। जिस तरह पानी की समस्या खड़ी हो रही है, उसका एकमात्र समाधान जल प्रबंधन है। जल प्रबंधन के माध्यम से पानी को बचाया तो जा ही सकता है, उसका दोबारा इस्तेमाल भी किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पानी का इस्तेमाल उतना ही करें, जितना जरूरी हो। वे मंगलवार को झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) में वाटर एंड वेस्ट वाटर मैनेजमेंट एंड मॉडलिंग पर दो दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे। सेमिनार का उद्देश्य पानी की उपयोगिता को समझकर उसके बचाव के लिए विभिन्न तरीकों के उपयोग को जानना है।

इससे पहले कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन करते हुए सीयूजे के वीसी नंद कुमार यादव इंदु ने कहा कि आज पूरी दुनिया में जल संरक्षण व संचयन को लेकर बहस हो रही है, अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन इस दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। अगले सेशन में फ्लड एंड सरफेस वाटर मैनजेमेंट विषय पर वाटर मॉडलिंग इंस्टीट्यूट ढाका के डायरेक्टर प्रो. डॉ. एम मोनोवर हुसैन ने बांग्लादेश में बाढ़ के लिए जो भी कदम उठाए जा रहे हैं, उसका जिक्र किया। साथ ही बाढ़ के पानी के उपयोग की जानकारी दी। पहले दिन जल पर शोध कर रहे दुनिया भर के वैज्ञानिकों ने कृषि में पानी के संरक्षण और प्रबंधन से जुड़ी समस्या, जल प्रबंधन, खनन पानी का प्रबंधन और अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग और पुनरावृत्ति समेत कई मुद्दों पर चर्चा की। विभिन्न सत्रों में एविफेर रिचार्ज और ग्राउंड वाटर मॉडलिंग स्टडीज, वाटर क्वालिटी मैनेजमेंट ऑफ सर्फेस, जल विज्ञान मॉडलिंग, बाढ़ और खानों के भूतल जल प्रबंधन, सर्वश्रेष्ठ प्रबंधन प्रथाओं और जल के कुशल उपयोग पर चर्चा हुई। सेमिनार की अध्यक्षता सीयूजे के वाटर इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट के हेड अजय कुमार सिंह ने किया।

वाटर एंड वेस्ट वाटर मैनेजमेंट एंड मॉडलिंग पर कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन करते सीयूजे के कुलपति नंद कुमार यादव इंदु और विभिन्न देशों के वैज्ञानिक।

### जल पर शोध करनेवाले वैज्ञानिक ले रहे हैं हिस्सा

सम्मेलन में जल पर शोध कर दुनिया भर के वैज्ञानिक हिस्स हैं। इसमें छह सत्र होंगे। दिल्ल ऑफ इकोनॉमिक्स के भूगोल से प्रो. आरपी सिंह, फेयर ऑ (यूएस) के संपादक डॉ. अतु सी टू एस टू प्रालि के अध्यक्ष अजय प्रधान, एआईटी थाईलैं जल अभियंत्रण एवं प्रबंधन वे मुकुंद एस बेबल, डीएचआई के एमडी डॉ. फ्लेमिंग जैकब आईआईटी रुड़की के प्रो. डॉ. राय, जीबी पंत यूनिवर्सिटी से सिंह, डॉ. भारत शर्मा और एस रायपुर से प्रो. वीके पांडेय स का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। अलावा इसमें अमेरिका, बांग्ल श्रीलंका के वैज्ञानिक भी शा बताते चलें कि सीयूजे भी जल पर गंभीर है। वाटर इंजीनियरि अपशिष्ट जल प्रबंधन समेत संबंधित विषयों को लेकर ही कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया

केंद्रीय विवि में जल एवं दूषित जल प्रबंधन पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

# औद्योगिकीकरण से प्राकृतिक जल के विज्ञान चक्र को क्षति : कुलपति

- पानी की गुणवत्ता और प्राकृतिक सफाई क्षमता कमजोर हुई है, इससे निबटने के लिए शोध कार्य पूरी दुनिया में जारी है

मुख्य संवाददाता @ रांची

झारखंड केंद्रीय विवि के कुलपति प्रो नंद कुमार यादव इंदु ने कहा है कि आज पूरी दुनिया में जल संरक्षण और इसके संचयन को लेकर बहस हो रही है. जल मानव अस्तित्व और विकास के लिए सबसे बड़ा आधार है. पिछले कुछ दशकों के दौरान जनसंख्या वृद्धि, औद्योगिकीकरण, शहरीकरण और संबद्ध उपभोक्तावादी संस्कृति ने प्राकृतिक जल के विज्ञान चक्र को काफी नुकसान पहुंचाया है, जिससे हमारे महत्वपूर्ण जल संसाधनों का अति प्रयोग व दुरुपयोग हुआ है. नतीजतन पानी की गुणवत्ता और प्राकृतिक सफाई क्षमता कमजोर हुई है. इससे निबटने के लिए शोध कार्य पूरी दुनिया में जारी है. झारखंड का केंद्रीय विवि भी इस विषय को लेकर काफी गंभीर है. कुलपति प्रो इंदु मंगलवार को झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के ब्रांबे परिसर स्थित प्रेक्षागृह में जल एवं दूषित जल प्रबंधन पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उदघाटन करने के बाद रहे थे. मौके पर श्रीलंका की जल साधन परिषद के सभापति एसीएम जुल्फीकार विशेष रूप से उपस्थित थे.

कार्यक्रम का उदघाटन करते कुलपति प्रो नंद कुमार यादव व अन्य अतिथि.

इस सम्मेलन में तकनीकी सत्र के दौरान वाटर इंजीनियरिंग, अपशिष्ट जल प्रबंधन समेत कई विषयों पर चर्चा हुई. इसके अलावा एविफेर रिचार्ज और ग्राउंड वाटर मॉडलिंग स्टडीज, वाटर क्वालिटी मैनेजमेंट ऑफ सर्फेस, जल विज्ञान मॉडलिंग, बाढ़ और खानों के भूतल जल प्रबंधन, सर्वश्रेष्ठ प्रबंधन प्रथाओं और जल के कुशल उपयोग पर चर्चा हुई. 17 जनवरी तक चलने वाले इस सम्मेलन में कृषि में पानी के संरक्षण और प्रबंधन से जुड़ी समस्या, जल प्रबंधन, खनन पानी का प्रबंधन और अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग और पुनरावृत्ति समेत कई मुद्दों पर चर्चा होगी. सम्मेलन में वाटर रिसोर्स बोर्ड श्रीलंका के चेयरमैन, इंस्टीट्यूट ऑफ रिवर मॉडलिंग बांग्लादेश के एग्जेक्यूटिव डायरेक्टर, आइसीएआर के वैज्ञानिक व अमेरिका के कई वैज्ञानिक शामिल हुए हैं. सेमिनार की अध्यक्षता सीयूजे के वाटर इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट के हेड अजय कुमार सिंह ने की. दो दिनों में कुल मिला कर छह सत्र होंगे. मौके पर दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के भूगोल केंद्र से आये प्रो आरपी सिंह, फेयर आब्जर्वर (यूएस) के संपादक डॉ अतुल सिंह, सीटूएसटू प्रा लि के अध्यक्ष डॉ अजय प्रधान, एआइटी, थाईलैंड के जल अभियंत्रण एवं प्रबंधन केंद्र से प्रो मुकुंद एस बेबल, डीएचआई, नयी दिल्ली के एमडी डॉ फ्लेमिंग जैकबसेन, आइआइटी रूड़की के डॉ एसएन राय, जीबी पंत विवि से प्रो पीके सिंह, डॉ भारत शर्मा और एसवी कॉलेज, रायपुर से प्रो वीके पांडेय आदि उपस्थित थे.

# सीयूजे की पूजा शकुंतला को झारखंड काव्य सम्मान

सीयूजे में बुधवार को अपने पुरस्कार के साथ पूजा शकुंतला। • हिन्दुस्तान

**रांची | प्रमुख संवाददाता**

झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय की सहायक प्राध्यापिका पूजा शकुंतला को 'स्वर्गीय फूलमणी झारखंड काव्य सम्मान' से सम्मानित किया गया।

देवघर में आयोजित राष्ट्रीय कवि संगम समारोह में उन्हें यह सम्मान दिया गया। पूजा की रचनाएं देशभर के विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में छपती रही हैं। उन्हें यह सम्मान मिलने पर सीयूजे के कुलपति प्रो नंद कुमार यादव, रजिस्ट्रार एसएल हरिकुमार व अन्य शिक्षकों ने खुशी जताई।

## केंद्रीय विवि

**रांची.** केंद्रीय विवि, झारखंड में शनिवार को सर्जिकल स्ट्राइक डे (पराक्रम दिवस) मनाया गया. शहीद संकल्प के पिता शैलेंद्र कुमार शुक्ल व माता सुषमा शुक्ल बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए. शहीद कर्नल संकल्प शक्ला को श्रद्धांजलि दी गयी. रजिस्ट्रार ने व आज ही के दिन भारतीय सेना ने परा पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों कर दिया था. उन्होंने कहा कि भारतीय सैनिक देश के वास्तविक हीरो हैं. विवि में शौर्य और पराक्रम विषय पर पेंटिंग प्रतियोगिता हुई. विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता डीएसडब्ल्यू डॉ मनोज कमार ने की.

# बदलाव लाने के लिए शैक्षिक उत्कृष्टता में निवेश जरूरी

पद्मश्री प्रोफेसर गणपति डी ने परिवर्तन, चुनौती और अवसर पर विचार दिये.

**लाइफ रिपोर्टर @ रांची**

सेंट्रल यूनिवर्सिटी में गेस्ट लेक्चर कार्यक्रम हुआ. इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, मुंबई के वीसी पद्मश्री प्रोफेसर गणपति डी ने परिवर्तन, चुनौती और अवसर पर अपने विचार रखे. उन्होंने देश की समृद्धि में शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया. कहा कि भारत में बदलाव लाने के लिए शैक्षिक उत्कृष्टता में निवेश करना चाहिए. राष्ट्र निर्माण के लिए उच्च अध्ययन में महिलाओं को मुफ्त शिक्षा के महत्व को और अधिक हाइलाइट किया. सीयूजे वीसी प्रो नंद कुमार यादव ने भी अपने विचार रखे.

# केंद्रीय विवि में चला जागरूकता अभियान, मंत्री ने कहा

# सरकार कमजोर वर्ग के छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए मदद देगी

**मुख्य संवाददाता ▷ रांची**

## छात्रों को सरकार के छात्रवृत्ति अनुदान की जानकारी दी गयी

- केंद्रीय विवि को राज्य सरकार के कल्याण विभाग से भी छात्र हित में मदद मिलेगी
- सभी स्कीम ऑनलाइन, छात्रवृत्ति अनुदान के लिए कहीं जाने की जरूरत नहीं
- एसटी छात्रावासों में विवि के छात्र-छात्राओं को भी जगह देने की मांग

कल्याण मंत्री लुईस मरांडी ने कहा कि मुख्यमंत्री छात्रवृत्ति कल्याण योजना समेत कई स्कीम राज्य सरकार चला रही है. इससे कमजोर वर्ग के छात्रों को उच्च शिक्षा में हर मुमकिन मदद मिलेगी. सरकार चाहती है कि किसी की भी शिक्षा बाधित नहीं हो. श्रीमती मरांडी मंगलवार को केंद्रीय विश्वविद्यालय, झारखंड के ब्रांबे स्थित सभागार में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं. इस कार्यक्रम में एसटी, एससी, ओबीसी और कमजोर वर्ग के छात्रों को सरकार द्वारा दिये जा रहे छात्रवृत्ति अनुदान की जानकारी दी गयी.

मंत्री ने भरोसा दिलाया कि केंद्रीय विवि को राज्य सरकार के कल्याण विभाग से भी छात्र हित में मदद मिलेगी. विवि के छात्र अपने-अपने क्षेत्र में काफी बेहतर कर रहे हैं. कल्याण विभाग के अपर सचिव हर्षमंगला ने राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं को विस्तार से बताया. उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा सभी स्कीम ऑनलाइन चलाये जा रहे हैं, जिससे छात्रों को छात्रवृत्ति अनुदान के लिए कहीं जाने की जरूरत नहीं है. विवि के कुलपति डॉ नंद कुमार यादव ने मंत्री से आग्रह किया कि कल्याण विभाग द्वारा एसटी छात्रावासों में केंद्रीय विवि के छात्र-छात्राओं को भी जगह दी जाये या फिर कोई नयी व्यवस्था की जाये. कुलपति ने कहा कि एससी/एसटी/ओबीसी मिला कर लगभग 14 सौ विद्यार्थी विवि में अध्ययनरत हैं. कार्यक्रम के अंत में सब ने कैंपस में वृक्षारोपण किया. इस अवसर पर विवि के डीएसडब्लू डॉ अर्जुन सिंह व मास कम्यूनिकेशन विभाग के डीन डॉ देवव्रत सिंह ने मंच संचालन किया. कार्यक्रम की अध्यक्षता विवि के एसटीएससी सेल की हेड सीमा ममता मिंज ने की. मौके पर कई शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित थे.

कार्यक्रम का उद्घाटन करतीं मंत्री लुईस मरांडी.

# सीयूजे में जागरूकता कार्यक्रम




**रांची |** केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड के सभागार में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें एसटी, एससी, ओबीसी और कमजोर वर्ग के छात्रों को सरकार द्वारा चलाए जा रहे छात्रवृति अनुदान की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में झारखंड कल्याण विभाग की मंत्री डॉ लुईस मरांडी,विश्वविद्यालय के कुलपति नंद कुमार यादव, कल्याण विभाग के अपर सचिव हर्ष मंगला शामिल हुए। इनके अलावा विश्वविद्यालय के डीएसडब्ल्यू अर्जुन सिंह व मास कम्युनिकेशन विभाग के डीन ... सिंह ने मंच साझा किया, वहीं ... यूनिवर्सिटी के ... ममता मिंज ने की। अपने संबोधन में मंत्री लुईस मरांडी ने कहा की मुखमंत्री छात्रवृति कल्याण योजना समेत कई ऐसी स्कीम राज्य सरकार चला रही है। कल्याण विभाग के अपर सचिव हर्ष मंगला ने राज्य सरकार के सारे स्कीम को विस्तार से बताया कि सरकार ऑनलाइन सारी स्कीम को चला रही है जिससे छात्रों को छात्रवृति अनुदान के लिए कहीं जाने की जरूरत नहीं है। वहीं कुलपति नंद कुमार यादव ने संबोधन में सरकार को सहयोग का भरोसा दिलाने के लिए धन्यवाद कहा साथ हीं मांग रखी कि कल्याण विभाग द्वारा एसटी छात्रावासों में केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों को भी जगह दी जाए। कार्यक्रम के अंत में सभी ने कैंपस में पौधरोपण किया।

# छात्रों को मिली छात्रवृत्ति की जानकारी

पौधरोपण करती मंत्री डा . लुईस मरांडी ● जागरण

**रांची :** केंद्रीयं विश्वविद्यालय झारखंड में मंगलवार को जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें छात्रों को सरकार द्वारा चलाए जा रही छात्रवृत्ति अनुदान की जानकारी दी गई। मौके पर मंत्री लुईस मरांडी ने कहा कि मुख्यमंत्री छात्रवृत्ति कल्याण योजना समेत कई ऐसी स्कीम राज्य सरकार चला रही है, जिससे कमजोर वर्ग के छात्रों को उच्च शिक्षा में मदद मिलेगी। सीयूजे को सरकार से पूरा सहयोग मिलेगा। विश्वविद्यालय के छात्र काफी बेहतर कर रहे हैं। सचिव हर्ष मंगला ने राज्य सरकार की सभी स्कीम को विस्तार से बताई। कुलपति नंद कुमार यादव ने कहा कि कल्याण विभाग द्वारा एसटी छात्रावासों में केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों को भी जगह दी जाए या कोई नई व्यवस्था की जाए। मौके पर डीएसडब्ल्यू अर्जुन सिंह सहित अन्य थे।

# केंद्रीय विवि में महिला दिवस

**रांची.** केंद्रीय विवि, झारखंड के ब्रांबे स्थित परिसर में महिला दिवस का आयोजन किया गया. रांची की एसडीओ अंजलि यादव व समाजसेवी वसंती गोप विशेष रूप से उपस्थित थीं. कुलपति प्रो नंद कुमार यादव ने अतिथियों का स्वागत किया. चाईबासा निवासी वसंती गोप ने अपने जीवन के संघर्षों को छात्र और शिक्षकों से साझा किया. एसडीओ अंजलि यादव ने विद्यार्थियों को सफलता के गुर सिखाये. उन्होंने कहा कि आगे बढ़ने का कोई शॉर्टकट नहीं है.

## महिला दिवस पर केंद्रीय विश्वविद्यालय में कार्यक्रम

जागरण संवाददाता, रांची : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर गुरुवार को केंद्रीय विश्वविद्यालय में कार्यक्रम आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि चाईबासा निवासी व जिला विधिक सेवा प्राधिकार की पैरा लीगल वोलेंटियर बासंती गोप व एसडीओ अंजली यादव मौजूद थीं। कुलपति प्रोफेसर नंद कुमार यादव ने सभी का स्वागत किया। एसडीओ अंजली यादव ने विद्यार्थियों को सफलता के गुर सिखाए। कहा कि शिक्षा में आगे बढ़ने का कोई शॉर्टकट नहीं होता। कम्यूनिकेशन को जितना बेहतर करेंगे वे उतना आगे बढ़ेंगे। महिलाएं हर क्षेत्र में सफलता का परचम लहरा रही हैं। इसलिए विश्वविद्यालय की छात्राएं हौसला बुलंद रखे तो सफलता जरुर मिलेगी। बासंती गोप ने अपने जीवन के संघर्षो के बारे में विद्यार्थियों और शिक्षकों को बताया। कहा कि अब तक सैकड़ों लावारिस शवों का अंतिम संस्कार कर चुकी हैं।

# सीयूजे में महिलाओं का सम्मान

**रांची | वरीय संवाददाता**

महिला दिवस पर केंद्रीय विवि में गुरुवार को महिलाओं को सम्मानित किया गया। ये सभी महिलाएं अपने-अपने क्षेत्रों में सराहनीय काम कर अपने व अपने देश का नाम रौशन की हैं।

कार्यक्रम में समाजसेवी बसंती गोप और रांची एसडीओ अंजलि यादव मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थीं। कुलपति प्रो नंद कुमार यादव ने कहा कि महिला सशक्तीकरण को लेकर अपने विचार रखे। बसंती गोप ने अपने जीवन के संघर्षों की कहानी छात्र-छात्राओं को बतायी।

उन्होंने बताया कि पारा लीगल वॉलेंटियर होते हुए उनहोंने महिला प्रताड़ना, डायन-बिसाही जैसे अंधविश्वास के खिलाफ मुहिम छोड़ी थी। इस बीच काफी संख्या में शिक्षक, छात्र-छात्राएं मौजूद थी।

सीयूजे में गुरुवार को महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में एसडीओ व अन्य।

**बीएयू में गोष्ठी आयोजित :** महिला दिवस पर बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में गोष्ठी हुई। इसमें महिलाओं की बढ़ती सफलता व उनके समाज में स्थान पर चर्चा की गई। साथ ही महिलाओं पर होने वाले अत्याचार के खिलाफ आवाज उठायी गई व इसके लिए बने कानून के बारे में जानकारी दी गई। कृषि संकाय के डॉ राघव ठाकुर ने कहा कि जब तक देश की आधी आबादी से भेद-भाव समाप्त नहीं होगा, तब तक कोई भी राष्ट्र आगे नहीं बढ़ सकता। गोष्ठी में डॉ सुप्रिया सिंह, डॉ वलेरिया लकड़ा, इस्टर टोप्पो सहित अन्य लोग मौजूद थे।

केंद्रीय विवि

## महिलाओं व बच्चों के स्वास्थ्य और अधिकार है थीम

# समाज की वास्तविकता को दिखाता है फोटो विज्ञान

मुख्य संवाददाता @ रांची

life.ranchi@prabhatkhabar.in

केंद्रीय विवि के कार्यकारी कुलपति प्रो सारंग मेधेकर ने कहा है कि समाज की समस्या को तस्वीर द्वारा प्रस्तुत करना यह एक चुनौतीपूर्ण कार्य है. इसलिए समाज की वास्तविकता को दिखानेवाला फोटो विज्ञान भी है और कला भी है. प्रो मेधेकर गुरुवार को खंड केंद्रीय विवि अंतर्गत जनसचार विभाग द्वारा आयोजित फोटो प्रदर्शनी का उदघाटन कर रहे थे. इस प्रदर्शनी का मूल विषय महिलाओं एवं बच्चों का स्वास्थ्य एवं अधिकार की जानकारी देना था. प्रदर्शनी में यूनिसेफ द्वारा आयोजित वर्कशॉप, फोटो-वॉक एवं फोटो स्टोरी के आधार पर ली गयी लगभग 110 तस्वीरों को लगाया गया. समापन के अवसर पर डीएसडब्ल्यू प्रो अर्जुन सिंह ने समाज और फोटो पत्रकारिता के रिश्ते से अवगत कराया. प्रो देवव्रत सिंह ने फोटो पत्रकारिता में रोजगार के अवसर के बारे में बताया. इस दौरान फोटोग्राफी प्रतियोगिता भी हुई. इसमें प्रथम स्वाति आनंद, द्वितीय निशांत कुमार तथा तृतीय ऋषभ कुमार रहे. संयोजन डॉ सुदर्शन यादव एवं डॉ विनय भूषण ने किया. मौके पर रश्मि र्मा, राजेश सिंह, डॉ सुनील घोडके, ॉ अमृत कुमार, ऋषिकांत कुमार, ीआरओ नरेंद्र कुमार मौजूद थे.

केंद्रीय विवि में 110 फोटो की प्रदर्शनी लगायी गयी.

# विद्यार्थियों ने जानी फोटो पत्रकारिता की बारीकियां

सीयूजे में गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में फोटो प्रदर्शनी का जायजा लेते अतिथि।

रांची | वरीय संवाददाता

सामाजिक समस्या को फोटो द्वारा प्रस्तुत करना चुनौतीपूर्ण कार्य है। यह बातें झारखंड केंद्रीय विवि के कार्यकारी कुलपति प्रो. सारंग मेधेकर ने गुरुवार को जनसंचर विभाग द्वारा आयोजित फोटो प्रदर्शनी कार्यक्रम में कहीं।

प्रदर्शनी का मूल विषय- महिलाओं एवं बच्चों का स्वास्थ्य व अधिकार की जानकारी देना था। प्रदर्शनी में यूनिसेफ द्वारा आयोजित वर्कशॉप, फोटो-वॉक और फोटो स्टोरी के आधार पर लिए गए लगभग 110 फोटो लगाए गए थे।

मौके पर प्रो अर्जुन कुमार सिंह ने विद्यार्थियों की फोटो कला को सराहा और फोटो पत्रकारिता के रिश्ते बताए। विभाग के प्रो देवव्रत सिंह ने भी संबोधित किया। छात्रों के बीच फोटोग्राफी प्रतियोगिता भी हुई। इसमें प्रथम स्वाति आनंद, द्वितीय निशांत कुमार और तृतीय स्थान ऋषभ कुमार को मिला। कार्यक्रम में डॉ सुदर्शन यादव, डॉ विनय भूषण, रश्मि वर्मा, राजेश सिंह आदि मौजूद थे।

गुवाहाटी में मंगलवार को युवा महोत्सव में पदक के साथ सीयूजे के प्रतिभागी।

## सीयूजे के विद्यार्थियों ने किया शानदार प्रदर्शन

मांडर। गुवाहाटी में आयोजित ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी युवा महोत्सव में सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया। थिएटर, मिमिक्री में प्रशांत कुमार मिश्र को प्रथम पुरस्कार मिला। वहीं मनीष कुमार को सुगम संगीत में तृतीय पुरस्कार मिला। फोटोग्राफी प्रतियोगिता में देशभर से आए फोटोग्राफरों को हराकर रजत राज और भाषण प्रतियोगिता में सिद्धार्थ कुमार ने क्रमशः तीसरा स्थान हासिल किया। सभी विजेताओं को सीयूजे के कुलपति नंद कुमार यादव ने बधाई दी है।

## केंद्रीय विवि ने जीते पुरस्कार

**रांची.** केंद्रीय विवि, झारखंड के विद्यार्थियों ने गुवाहाटी में आयोजित 33वें पूर्वी क्षेत्रीय अंतर विवि युवा महोत्सव में शानदार प्रदर्शन करते कई पुरस्कार जीते. थिएटर मिमिक्री में प्रशांत कुमार मिश्र को प्रथम पुरस्कार मिला. वहीं सुगम संगीत में मनीष कुमार, फोटोग्राफी में रजत राज व भाषण में सिद्धार्थ कुमार को तीसरा स्थान मिला. विजेताओं को विवि के कुलपति प्रो नंद कुमार यादव ने बधाई दी. उन्होंने आशा व्यक्त की है कि आनेवाले समय में कई बड़ी प्रतियोगिताओं में हमारे विद्यार्थी विजयी होंगे.

## अंतर विवि युवा महोत्सव में सेंट्रल यूनिवर्सिटी झारखंड के छात्रों ने जीते कई पुरस्कार

रांची | गुवाहाटी में आयोजित 33वें ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी युवा महोत्सव में सेंट्रल यूनिवर्सिटी झारखंड के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया। थिएटर मिमिक्री में प्रशांत कुमार मिश्रा को प्रथम पुरस्कार मिला। वहीं मनीष कुमार को सुगम संगीत में तृतीय पुरस्कार और फोटोग्राफी की प्रतियोगिता में रजत राज ने तीसरा स्थान हासिल किया। भाषण प्रतियोगिता में सिद्धार्थ कुमार को तीसरा स्थान मिला। सभी विजेताओं को सीयूजे के कुलपति प्रो. नंद कुमार यादव ने बधाई दी है।

## सीयूजे के छात्रों का बेहतर प्रदर्शन

गुवाहाटी में आयोजित 33 वें ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी युवा महोत्सव में सेंट्रल यूनिवर्सिटी झारखंड के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया। थिएटर मिमिक्री में प्रशांत कुमार मिश्रा को प्रथम पुरस्कार मिला। वही मनीष कुमार को सुगम संगीत में तृतीय पुरस्कार हासिल हुआ। सभी विजेताओं को सीयूजे के कुलपति प्रोफेसर नंद कुमार यादव ने बधाई दी और कहा कि यूनिवर्सिटी के छात्रों में बहुत प्रतिभाएं हैं ● जागरण

# डॉ एसएल हरि बने सीयूजे के रजिस्ट्रार

पद संभालने के बाद नए रजिस्ट्रार.

ranchi@inext.co.in

**RANCHI ( 7 May ) :** सेंट्रल यूनिवर्सिटी, झारखंड के नवनियुक्त कुलसचिव डा एस एल हरि कुमार ने सोमवार को पदभार संभाला. इस मौके पर यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो नंदकुमार यादव मौजूद थे. हरि कुमार ने खुशी जताते हुए कहा कि वे नई पारी की वो शुरूआत झारखंड स्थित सेंट्रल यूनिवर्सिटी से कर रहे हैं. सभी के सहयोग के यूनिवर्सिटी की बेहतरी के लिए हर संभव प्रयास करेंगे. गौरतलब है कि तमिलनाडू निवासी हरिकुमार ने प्रारंभिक शिक्षा तमिलनाडू से करने के बाद उच्च शिक्षा बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी से की . इससे पहले हरि कुमार मोहाली स्थित रयात यूनिवर्सिटी में 12 वर्षों से डायरेक्टर के पद पर कार्यरत थे. इसके अलावा इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में चार वर्ष तक कई महत्वपूर्ण पदों पर भी वे अपनी सेवा दे चुके हैं.

# सीयूजे के नए कुलसचिव ने पदभार ग्रहण किया

**रांची।** सेंट्रल यूनिवर्सिटी झारखंड के नवनियुक्त कुलसचिव डॉ एसएल हरि कुमार ने सोमवार को पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर विवि के कुलपति प्रो नंदकुमार यादव ने उनका स्वागत करते हुए उन्हें बधाई दी। हरि कुमार ने कहा कि नई पारी की वो शुरुआत झारखंड से कर रहे हैं। सभी के सहयोग की जरूरत है, ताकि विवि के लिए हरसंभव प्रयास कर सकें। मौके पर प्रो आरके डे , डॉ एसके पांडे, प्रो अर्जुन कुमार, डॉ देवव्रत सिंह, नरेंद्र कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

प्रभात खबर

# केंद्रीय विवि के छात्र श्रेष्ठ ने जीता स्वर्ण पदक

**रांची.** झारखंड केंद्रीय विवि के छात्र श्रेष्ठ प्रकाश शर्मा ने पटना में आयोजित 29वें बिहार स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है. नौ से 12 अगस्त तक बिहार रेजिमेंट में चले इस प्रतिस्पर्द्धा में श्रेष्ठ ने व्यक्तिगत स्तर पर प्रोन में दो स्वर्ण, थ्री पोजिशन में एक रजत और ग्रुप मुकाबले में एक कांस्य पदक जीता. श्रेष्ठ की इस कामयाबी से विवि में हर्षोल्लास का माहौल है. विवि के अन्य विद्यार्थियों ने ढोल बजाकर और माला पहनाकर उनका स्वागत किया. विवि के कुलपति प्रो नंद कुमार यादव इंदु और कुलसचिव डॉ एसएल.हरि कुमार ने श्रेष्ठ को इस जीत पर बधाई दी है. श्रेष्ठ आसनसोल में 18 अगस्त से होनेवाली प्री नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में भाग लेंगे.

# नेशनल यूथ फेस्ट में रजत को फर्स्ट प्राइज

रांची सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड के रजत राज को नेशनल यूथ फेस्ट में ऑन द स्पॉट फोटोग्राफी में फर्स्ट प्राइज मिला है। ग्रामीण सभ्यता विषय पर यह कंपीटिशन हुआ था, जिसमे देशभर से आए प्रतिभागियों में से इन्होंने फर्स्ट प्राइज जीता। वहीं परफॉर्मिंग आर्ट्स के मनीष कुमार ने सुगम संगीत में थर्ड प्राइज जीता है। इन दोनों विजेताओं को वीसी नंद कुमार यादव इंदु ने शुभकामनाएं दी और भविष्य के लिए और भी उम्दा प्रदर्शन करने की उम्मीद जताई।

# सीयूजे के श्रेष्ठ प्रकाश को शूटिंग में स्वर्ण

सीयूजे में सोमवार को कुलपति प्रो नंदकुमार यादव के साथ श्रेष्ठ प्रकाश। • हिन्दुस्तान

**कामयाबी**

रांची | प्रमुख संवाददाता

झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के श्रेष्ठ श शर्मा ने पटना में आयोजित 29वें बिहार स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।

9-12 अगस्त तक बिहार रेजीमेंट में चली इस प्रतिस्पर्धा में श्रेष्ठ ने 'व्यक्तिगत स्तर पर प्रोन में दो स्वर्ण, थ्री पोजिशन में एक रजत और ग्रुप मुकाबले में एक कांस्य पदक जीता।

श्रेष्ठ की इस कामयाबी का सीयूजे में जश्न मनाया गया। कुलपति प्रो नंद कुमार यादव इंदू और रजिस्ट्रार डॉ एसएल हरि कुमार ने श्रेष्ठ को इस जीत पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। श्रेष्ठ आसनसोल में 18 अगस्त से होने वाली प्री नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में भी भाग लेंगे।

**प्रतियोगिता**

- नौ से 12 अगस्त तक पटना में चली चैंपियनशिप
- श्रेष्ठ की सफलता पर सीयूजे में जश्न मनाया गया

# शपथ लेकर सीयूजे में शुरू हुआ सफाई अभियान

सीयूजे में मंगलवार को स्वच्छता का संकल्प लेते छात्र-छात्राएं।

**रांची।** हिन्दुस्तान स्वच्छता अभियान से मंगलवार को सेंट्रल यूनिवर्सिटी ब्रांबे भी जुड़ गया। विश्वविद्यालय की छात्र-छात्राओं ने स्वच्छता अपनाने की शपथ ली। विवि के कुलपति नंद कुमार यादव इंदु ने सभी छात्रों को 'मां कसम हिन्दुस्तान को स्वच्छ रखेंगे हम' की शपथ दिलाई। इस बीच छात्रों का उत्साह व उनकी उपस्थिति देखते ही बन रही थी। सभी ने इस अभियान की शुरुआत अपने क्लास रूम से करने का वादा किया। वहीं शिक्षकों ने भी इस अभियान से दूसरे को भी जोड़ने का संकल्प लिया। शपथ ग्रहण समारोह के बाद संवाद का आयोजन किया गया। संवाद में बच्चों ने कहा कि सफाई अपनाने के साथ-साथ अपने आस-पास के इलाकों को भी साफ रखेंगे।

## शपथ लेने से बढ़ा आत्मविश्वास

सीयूजे में स्वच्छता अभियान की शपथ लेनेवाले शिक्षकों और छात्र-छात्राओं ने कहा कि इस अभियान से सबसे पहले वे अपने घर के सदस्यों और मुहल्ले तथा दोस्तों को जोड़ेंगे। प्रो रंजीत ने कहा कि शपथ लेने के बाद आत्मविश्वास बढ़ा है। अपने कार्य स्थल को साफ रखूंगा। दूसरे को भी सफाई के लिए प्रेरित करूंगा। हिन्दुस्तान ने जो जिम्मेवारी का बोध कराया है। उसे ईमानदारी से निभाऊंगा। जबतक खुद से काम नहीं किया जाएगा, तब तक दूसरे को जागरूक नहीं किया जा सकता।

गांधी जी ने जो स्वच्छता अपनाने की बात कही थी, उसे आज देश के लोग सच साबित कर रहे हैं। मोदी जी ने जो शुरुआत की है उसे जिम्मेदारी के तौर पर हर लोगों को लेनी होगी।

-नंद कुमार यादव इंदु
वीसी, सीयूजे

पढ़ाई के साथ स्वच्छता भी अपनाएं। स्वच्छ भारत का सपना पूरा करना है तो इसकी शुरुआत जहां आप हैं वहीं से शुरू कर दें। हिन्दुस्तान अखबार का प्रयास सराहनीय है।

-नरेंद्र कुमार, पीआरओ

बच्चों के साथ बड़ों की भी जिम्मेदारी बनती है कि वो सफाई का ध्यान दें। घर से लेकर बाहर तक उन्हें सभी को प्रेरित करना होगा तब ही हम स्वच्छ भारत का सपना देख सकेंगे।

- देवव्रत सिंह, शिक्षक

हिन्दुस्तान ने जो जिम्मेवारी का बोध कराया है। उसे ईमानदारी के साथ निभाउंगा। जबतय खुद से काम नहीं किया जाएगा, तब तक दूसरे को जागरूक नहीं किया जा सकता।

-रजत, शिक्षक

स्वच्छता तो हमे हर समय अपनाना चाहिए। सफाई को लेकर जब तक हम अपनी जिम्मेवारी नहीं समझेंगे तब तक हमारा देश विकसित नहीं हो सकता।

नुपेंद्र अनमोल, शिक्षक

स्वच्छ भारत का सपने व जरूर पूरा किया जाएगा युवाओं को इससे जुड़ना होगा, तब ही आने वाली पीढ़ी भी स्वत जुड़ेगी। अभियान ने पूरे विश्व एक संदेश दिया है।

रीति प्रिया,

# सीयूजे के छात्र गरीब बच्चों को कर रहे शिक्षित

केंद्रीय विश्वविद्यालय में पौधरोपण करते कुलपति प्रो. नंद कुमार यादव और अन्य।

जागरण संवाददाता, **रांची** बाल दिवस पर केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड में उन्नयन द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उन्नयन का संचालन सीयूजे के विद्यार्थी करते हैं। इसका मकसद ब्रांबे क्षेत्र के पिछड़े बच्चों को शिक्षित करना है। छात्रों के संपूर्ण विकास के लिए योग, संगीत और नृत्य आदि भी सिखाया जाता है। कुलपति प्रो. नंद कुमार यादव इंदू ने छात्रों के बीच दो सौ स्कूल बैग, किताब, कलम और अन्य सामग्री का वितरण किया। उन्होंने कहा कि आज का भविष्य कल के भविष्य को संवार रहा है। सीयूजे के छात्र गरीब और जरूरतमंद बच्चों को शिक्षित कर रहे हैं और इससे बेहतर कार्य और कुछ नहीं हो सकता है। कुलपति ने परिसर में पौधरोपण भी किया। इस मौके पर उन्होंने पौधरोपण को लेकर भी प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि अगर सभी अपने-अपने इलाके पौधरोपण करें, तो हरियाली को वापस पाया जा सकता है। इसी से हमारी धरती भी बची रहेगी। मौके पर जनसंपर्क अधिकारी नरेंद्र कुमार व अंग्रेजी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर

# केंद्रीय विवि के छात्रों को मिला पुरस्कार

**रांची.** 33वें अंतर विवि राष्ट्रीय युवा महोत्सव में केंद्रीय विवि झारखंड रांची के रजत राज (सेंटर फॉर मास कम्यूनिकेशन) ने स्पॉट फोटोग्राफी में प्रथम स्थान प्राप्त किया. वहीं सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स के मनीष कुमार ने सुगम संगीत में तीसर स्थान प्राप्त किया: टीम का नेतृत्व सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स के असिस्टेंट शाकिर तसनीम एवं डॉ जया शाही ने किया. दोनों विजेताओं को कुलपति प्रो कुमार यादव इंदु ने बधाई दी. विवि पहुंचने पर छात्रों का स्वागत किया गया जान ... जनसंपर्क अधिकारी नरेंद्र कुमार ने दी.

## न्यूज ब्रीफ

### सेंट्रल यूनिवर्सिटी के पीआरओ बने नरेंद्र कुमार



रांची | सेंट्रल यूनिवर्सिटी झारखंड के पीआरओ पद पर नरेंद्र कुमार ने योगदान दिया है। उन्होंने माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल से पत्रकारिता में स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल की है। इसके बाद पिछले आठ साल से पत्रकारिता से जुड़े रहे हैं। नरेंद्र ने डॉ. देवव्रत सिंह से प्रभार लिया।

# नरेंद्र बने पीआरओ

**रांची.** केंद्रीय विवि, झारखंड के नये पब्लिक रिलेशन ऑफिसर (पीआरओ) नरेंद्र कुमार बनाये गये हैं. श्री कुमार इससे पूर्व इटीवी बिहार-झारखंड (रांची ब्यूरो) में बतौर सीनियर रिपोर्टर आठ साल कार्य कर चुके हैं. डॉ देवव्रत सिंह ने उन्हें मंगलवार को पदभार सौंप दिया. हालांकि डॉ सिंह जनसंचार विभाग के अध्यक्ष व डीन स्कूल ऑफ मास ... व मीडिया टेक्नोलॉजी के



# केंद्रीय विवि के छात्रों का शैक्षणिक भ्रमण

**रांची.** केंद्रीय विवि, झारखंड के जनसंचार केंद्र के विद्यार्थियों की एक टीम शुक्रवार को शैक्षणिक भ्रमण के लिए बिशुनपुर रवाना गयी. इस दो दिवसीय के शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य गांव की स्थिति और सरकारी योजनाओं का कार्यान्वयन का अध्ययन करना है. उसके साथ ही गांव के विकास के लिए काम कर रहे विकास भारती एनजीओ की कार्य प्रणाली का भी अध्ययन करना है. इस दौरान पद्मश्री अशोक भगत से मुलाकात होगी. इसमें 30 विद्यार्थी व शिक्षक शामिल हैं.

FUNDS FREEZE LIFTED AMID CBI PROBE, WORK LIKELY TO BEGIN IN MARCH NEXT YEAR

# Central varsity push for new campus at Kanke

The varsity's temporary campus in Brambe near Ranchi

A.S.R.P. MUKESH

**Ranchi:** Central University of Jharkhand (CUJ) has resumed efforts to set up a permanent campus at Kanke block along Ranchi Ring Road, nearly three years after work was abandoned owing to a CBI probe into alleged financial irregularities.

CUJ officials, said sources, were aiming to resume work across 319.28 acres at Cheri-Manatu from March 2018, the idea being to "start from scratch" to ensure transparency and avoid any further controversy.

Nand Kumar Yadav "Indu", the vice chancellor of the university that is now operating out of a temporary venue 15km from the Kanke site at Brambe, said resolving the stalemate holding up work to build the new campus was his priority.

On Monday, CUJ floated tenders on its website to formally announce the resumption of the stalled project.

"We have fixed a pre-bid meeting on our Brambe campus on December 20 for potential architectural designers, civil work contractors and so on. We shall undertake site visits on December 21 and 22. Model plans, along with other architectural designs, will be evaluated by special committees between December 29 and 31," he said, adding that the selected agencies would be announced on February 6, 2018," Nand Kumar said.

CBI began investigations into financial anomalies in CUJ in July 2014. The agency has questioned founding VC D.T. Khating and other officials, besides a host of contractors engaged in work on the permanent campus. Subsequently, the project was put on hold and CBI freezed CUJ's accounts.

Nand Kumar said he has been pursuing with University Grants Commission and the Union HRD ministry regularly to explore ways to ensure work continues without hampering ongoing investigations.

"Some of the issues have been sorted out. The biggest development to take place in the last year was that CBI has removed the [illegible] of six contractors from its char[illegible] CUJ officials an[illegible] trials in CBI courts. As a result, UGC has given us a go-ahead," he said.

Nand Kumar said around Rs 626 crore had been allocated for the permanent campus from 2016-17 to 2020-21 fiscal years. "Now that the freeze on funds has been lifted, we can clear old bills and commence work. But our priority is to first get the master plan and architectural and structural designs prepared once again," he said.

The VC said he was planning to start work in March 2018. "Everything depends on how soon we finalise detailed project reports. We also need to construct roads and a 7km boundary wall and gates, which we couldn't do as the government hadn't begun com[illegible] land losers," he added.

# कर्तव्यों को पहचानें: सिन्हा

रांची। वरीय संवाददाता

## सीयूजे में कार्यक्रम

- राष्ट्र निर्माण में मौलिक अधिकारों पर विचार-विमर्श किया गया
- सीयूजे के कुलपति सहित अन्य ने रखे विचार

केंद्रीय विश्वविद्यालय में मंगलवार को उत्साह के साथ संविधान दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि संत जेवियर कॉलेज के प्रो बीके सिन्हा ने मौलिक अधिकार व कर्तव्यों पर अपनी बात रखी।

उन्होंने कर्तव्यों को अधिक महत्व देते हुए कहा कि भारत जैसे उभरते राष्ट्र के लिए यह अधिकार महत्वपूर्ण है। राष्ट्र निर्माण में मौलिक अधिकार की अपनी ही महत्ता है।

सीयूजे के कुलपति प्रो नंद कुमार यादव ने संविधान दिवस पर अपने संविधान का मान रखते उसी दायरे में काम करने की बात कही।

प्रो सिन्हा ने कहा कि मूलभूत कर्तव्य एक तरह से स्वयं पर लगाए गए प्रतिबंधों की तरह है, जिन्हें नागरिकों के संचालन में प्रवाहित होने की आवश्यकता है।

सीयूजे के कुलपति ने बताया कि अंबेडकरवादी और बौद्ध लोग कई दशकों पूर्व से ही संविधान दिवस मनाते आ रहे हैं। भारत सरकार द्वारा पहली बार 2015 से 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाना शुरू किया। कार्यक्रम में आयोजन डॉ विभूति बां विश्वास, अर्धना राय आदि मौजूद थे।

कार्यक्रम में प्रो. बीके सिन्हा व अन्य।

## पांच नंबर ग्रेस देने की मांग

रांची। जनसाधारण छात्र मोर्चा की बैठक मंगलवार को हुई। केंद्रीय अध्यक्ष सबरे आलम की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में रांची विश्वविद्यालय के बीएं पार्ट-1 व पार्ट-2 के रिजल्ट की समीक्षा की गई। रिजल्ट पर असंतोष जताते हुए निर्णय लिया गया कि छात्रहित में कुलपति कार्यालय का घेराव किया जाएगा व रिजल्ट में संशोधन करवाया जाए। शब्बीर अहमद ने सब्सिडियरी पेपर में पांच नंबर ग्रेस दिलवाने के लिए आंदोलन करने का प्रस्ताव रखा, जिसे स्वीकृति दी गई। अगली बैठक तीन दिसंबर को होगी। बैठक में अनवर अहमद, साईमा परवीन, निजामुद्दीन खान, उमाशंकर नायक आदि मौजूद थे।

# सीयूजे मे दिया गया तकनीकी ज्ञान

रांची : झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय पुस्तकालय द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 27 एवं 28 को किया गया। इसका मुख्य विषय रिफ्रेंसिंग टूल था। मुख्य अतिथि के रूप में डीन छात्र कल्याण डॉ. अजय सिंह उपस्थित रहे व कार्यक्रम का उद्घाटन किया। पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. सुजीत कुमार पांडेय ने मुख्य वक्ता के रूप में रिफ्रेंसिंग टूल के महत्व पर प्रकाश डाला।

सीयूजे में नाटक का मंचन

# हम गोडोट का इंतजार कर रहे...

सिटी रिपोर्टर • रांची

सीयूजे ऑडिटोरियम स्टूडेंट्स से भरा था, स्टेज पर हल्की लाइट से माहौल खुशनुमा लग रहा था। इसी बीच स्पॉट लाइट कलाकारों पर पड़ती है, पहला डायलॉग ब्लादीमिर बने धनंजय ने 'चलो यहां से...' कहा, इसके साथ ही तालियों की गड़गड़ाहट से हॉल गूंज उठा। मौका था सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड (सीयूजे) में नाटक 'वेटिंग फॉर गोडोट' के मंचन का। इसका आयोजन सेंटर फॉर परफार्मिंग आर्ट्स के स्टूडेंट्स ने किया। समय-समय पर यूनिवर्सिटी में परफार्मिंग आर्ट्स के स्टूडेंट्स द्वारा किसी न किसी नाटक का मंचन किया जाता है। यह नाटक सेमुएल बेकेट ने लिखा था, जिसके मुख्य पात्र गोडोट का इंतजार करते हैं, जिसे न ही किसी ने देखा है और न ही उससे कोई मिला है। नाटक द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की पृष्ठभूमि पर आधारित है।

सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड में नाटक 'वेटिंग फॉर गोडोट' का मचन करते धनंजय, बालकृष्ण और इरफान।

नाटक में कलाकारों ने जिंदगी के हर मूड को प्रजेंट किया।

## दिखाया इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से प्रभावित हो रहा है हमारा जीवन

इसमें द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद लोगों के जीवन को दर्शाया गया है। इस नाटक में कुछ बदलाव करके आज के मानव जीवन की उलझन एवं जटिलताओं को दिखाया गया है। किस प्रकार इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का अधिक उपयोग मानवीय संवेदना को प्रभावित करता है। निर्देशक शाकिर तसनीम ने रैप एवं लेवल का इस तरह उपयोग किया कि दृश्य की सुंदरता एवं रोचकता और बढ़ गई। हालांकि, मुख्य नाटक में रैप एवं लेवल का वर्णन नहीं किया गया है। 'वेटिंग फॉर गोडोट' मे मुख्य किरदार के रूप में धनंजय कुमार, इरफान अहमद, बालकृष्ण मिश्रा, प्रतिमा कुमारी एवं सुजीत कुमार शर्मा थे। वहीं बैक स्टेज में लाइटिंग वैंकट नरेश बुरला एवं मोहम्मद इमरान ने किया और संगीत संयोजन मोहम्मद रब्बान ने किया। नाटक के दौरान यूनिवर्सिटी के सारे शिक्षक, छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

# सीयूजे दूर करेगा पेयजल की समस्या

## खनन पानी के प्रबंधन पर होगी खास चर्चा

रांची | वरीय संवाददाता

झारखंड में खनिज संपदा की भरमार है, आए दिन खनन हो रहा है लेकिन खनन पानी के प्रबंधन पर कोई ठोस पहल नहीं का जा रही है। इस विषय पर श्रीलंका के वाटर रिर्सोस बोर्ड, इंस्टीट्यूट ऑफ रिवर मॉडलिंग बांग्लादेश और आईसीएआर के वैज्ञानिक इन मुद्दों पर अपने मॉडल पेश करेंगे।

झारखंड में शुद्ध पेयजल की कमी और जल संसाधन में आ रही दिक्कतों को लेकर सेंट्रल यूनिवर्सिटी इसके समाधान के तरीके बताएगी। पिछले कुछ दशकों में जनसंख्या वृद्धि, औद्योगिकीकरण, व शहरीकरण ने जल स्त्रोतों को काफी नुकसान पहुंचाया है। खासकर भू-गर्भ जलस्तर में काफी गिरावट आयी है। आंकड़े बताते हैं कि पिछले पांच सालों में भू-गर्भस्तर काफी नीचे चला गया है, जिसे वाटर रिचार्ज के माध्यम से कभी ठीक नहीं किया जा सका। सीयूजे इन्हीं मुद्दों को लेकर अमेरिका से लेकर कनाडा तक के विशेषज्ञों की टीम रांची बुला रहा है। जो अपने अनुभव छात्रों को बताएंगे जिससे वे भविष्य में बेहतर मॉडल तैयार कर सकें।

विवि के वाटर इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट के हेड अजय कुमार सिंह बताते हैं कि जल संसाधनों का बहुत ही दुरुपयोग हुआ है, नतीजतन पानी की गुणवत्ता और प्राकृतिक सफाई क्षमता कमजोर हुई है। जिससे निपटने के लिए पूरी दुनिया में शोध कार्य जारी है। केंद्रीय विश्वविद्यालय भी इस विषय को लेकर काफी गंभीर है और 16-17 जनवरी को दुनिया भर से दुनिया भर के जल पर शोध कर रहे वैज्ञानिक अपने अनुभव साझा करेंगे।

# सीयूजे के छात्र गरीब बच्चों को कर रहे शिक्षित

केंद्रीय विश्वविद्यालय में पौधरोपण करते कुलपति प्रो. नंद कुमार यादव और अन्य।

जागरण संवाददाता, रांची बाल दिवस पर केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड में उन्नयन द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उन्नयन का संचालन सीयूजे के विद्यार्थी करते हैं। इसका मकसद ब्रांबे क्षेत्र के पिछड़े बच्चों को शिक्षित करना है। छात्रों के संपूर्ण विकास के लिए योग, संगीत और नृत्य आदि भी सिखाया जाता है। कुलपति प्रो. नंद कुमार यादव इंदू ने छात्रों के बीच दो सौ स्कूल बैग, किताब, कलम और अन्य सामग्री का वितरण किया। उन्होंने कहा कि आज का भविष्य कल के भविष्य को संवार रहा है। सीयूजे के छात्र गरीब और जरूरतमंद बच्चों को शिक्षित कर रहे हैं और इससे बेहतर कार्य और कुछ नहीं हो सकता है। कुलपति ने परिसर में पौधरोपण भी किया। इस मौके पर उन्होंने पौधरोपण को लेकर भी प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि अगर सभी अपने-अपने इलाके पौधरोपण करें, तो हरियाली को वापस पाया जा सकता है। इसी से हमारी धरती भी बची रहेगी। मौके पर जनसंपर्क अधिकारी नरेंद्र कुमार व अंग्रेजी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर मयंक रंजन सहित अन्य थे।

# सीयूजे : उन्नयन के छात्रों ने किया योग

एजुकेशन रिपोर्टर | रांची

बच्चों में पाठ्य सामग्री बांटते कुलपति प्रो. नंदकुमार यादव इंदु।

## बच्चों को शिक्षित करना उन्नयन का लक्ष्य

बाल दिवस पर मंगलवार को ब्रांबे स्थित सेंट्रल यूनिवर्सिटी झारखंड कैंपस में सीयूजे के छात्रों के संगठन उन्नयन की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें छात्रों ने मंच पर योग और नाटक की प्रस्तुति दी। वीसी प्रो. नंद कुमार यादव इंदु ने छात्रों के बीच 200 स्कूल बैग, किताब, कलम समेत कई सामग्री बांटी।

मौके पर कुलपति ने सीयूजे के छात्रों की सराहना करते हुए कहा कि आज का भविष्य कल के भविष्य को संवार रहा है। यूनिवर्सिटी के छात्र गरीब और जरूरतमंद बच्चों को तालीम दे रहे हैं इससे बेहतर कार्य हो ही नहीं सकता। उन्होंने उम्मीद जताई कि इन्हीं गरीब छात्रों में से कोई तालीम पाकर भविष्य में सीजूयें का प्रोफेसर बनेगा। कार्यक्रम के अंत में वीसी ने वृक्षारोपण किया। कार्यक्रम में जनसंपर्क अधिकारी नरेंद्र कुमार व अंग्रेजी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर मयंक रंजन मौजूद थे।

उन्नयन संगठन पिछले 9 वर्ष से ब्रांबे इलाके के पिछड़े बच्चों को शिक्षित कर रहा है। वे ऐसे गरीब छात्रों को हर रोज पढ़ाते हैं, जिनके पास पढ़ने के लिए पर्याप्त साधन मौजूद नहीं हैं। ये स्टूडेंट्स इन बच्चों को मुफ्त में न केवल औपचारिक शिक्षा दे रहे हैं, बल्कि उनके संपूर्ण विकास के लिए योग, संगीत, नृत्य आदि भी सिखाते हैं। उन्नयन की स्थापना 2009 में इंग्लिश अध्ययन विभाग के डॉ. जया प्रसाद ने की थी। 2012 में जिम्मेदारी गणित विभाग के डॉ. ऋषिकेश महतो ने संभाली। बाद में पर्यावरण अध्ययन विभाग के डॉ. कुलदीप भी इससे जुड़े।

## सीयूजे के खिलाड़ियों का उम्दा प्रदर्शन

रांची| केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों ने बिरसा इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में आयोजित खेलोत्सव वज्रा और नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी झारखंड के वार्षिक उत्सव उलगुलान में सीयूजे की टीम ने बेहतर प्रदर्शन किया। बास्केटबॉल में सीयूजे की टीम उपविजेता घोषित हुई। वहीं बैडमिंटन, टेबल-टेनिस में सेमीफइनल मुकाबलों में जगह बनाई। एथलेटिक्स टीम ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए कुल 19पदक जीत ओवरआल चैंपियन बने। सीयूजे के डीएसडब्लू अजय सिंह ,जनसंचार पदाधिकारी नरेंद्र कुमार व प्रभारी बीएम झा ने सारे खिलाड़ियों को बधाई दी।

## सीयूजे के स्टूडेंट्स ने 'कोर्टमार्शल' का मंचन नाट्य महोत्सव 'तरुणोत्सव 2017' में किया

सिटी रिपोर्टर • रांची

सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स के असिस्टेंट प्रोफेसर शाकिर तसनीम द्वारा निर्देशित एवं स्वदेश दीपक लिखित हिंदी नाटक 'कोर्टमार्शल' का मंचन नाट्य महोत्सव 'तरुणोत्सव 2017' में पटना के कालिदास रंगालय में किया गया। यह प्रस्तुति सीयूजे के सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स के छात्रों ने दी। यह नाटक भारतीय समाज की विषमता एवं जातिवाद की मानसिकता को मुख्य रूप से सामने लाता है। नाटक की कहानी भारतीय सेना में तैनात जवान रामचंदर एवं उसके साथ हुए जातीय भेदभाव पर आधारित है। कलाकारों के जीवंत अभिनय को दर्शकों ने सराहा। नाटक के कलाकार शाकिर तसनीम, धनंजय कुमार, आलोक कुमार, नीतीश कुमार, मो. इब्रान, ललित उरांव, मो. रब्बन, प्रतिमा कुमारी, सुजीत कुमार एवं आनंद केसरी थे। लेखक स्वदेश दीपक, परिकल्पना एवं निर्देशन शाकिर तसनीम ने किया और संगीत का संचालन मनीष कुमार ने किया।

# सीयूजे के विद्यार्थियों ने किया बेहतर प्रदर्शन

जागरण संवाददाता, रांची : केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने खेल के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बिरसा इंस्टीच्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में आयोजित खेलोत्सव वज्र- 2017 और नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी झारखंड के वार्षिक उत्सव उलगुलान में सीयूजे की टीम ने बेहतर प्रदर्शन किया। वज्र में सीयूजे की टीम बॉस्केटबॉल में उपविजेता घोषित हुई। वहीं बैडमिंटन, टेबल टेनिस में सेमीफाइनल मुकाबलों में जगह बनाई। टीम में ऋषभ राज, सुमित, राहुल, सुमित राज, राजन, नितीश, अंजनी, मुकेश, अमन, अभिषेक थे। टीम के कोच के रूप में एनके राय एवं प्रबंधक मुकेश जायसवाल थे। वहीं नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में सम्पन्न हुए वार्षिक उत्सव उलगुलान में भी सीयूजे के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन किया। एथलेटिक्स टीम ने प्रदर्शन करते हुए 19 मेडल अपने नाम किया। डीएसडब्ल्यू अजय सिंह, जनसंचार पदाधिकारी नरेंद्र कुमार व प्रभारी बीएम झा ने खिलाड़ियों को बधाई दी।

## लाइफअपडेट

### केंद्रीय विवि में सतर्कता जागरूकता सप्ताह

**रांची.** केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड परिसर में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत कर्मचारियों को भ्रष्टाचार मुक्त भारत की शपथ दिलायी गयी. कर्मचारियों ने विवि को भ्रष्टाचार मुक्त रखने, नीतिपरक कार्य पद्धतियों को बढ़ावा देने और ईमानदारी का भाव हमेशा रखने के साथ-साथ पारदर्शिता, जिम्मेदारी तथा निष्पक्षता पर आधारित सुशासन की प्रतिज्ञा ली. रजिस्ट्रार रतन कुमार डे ने सभी कर्मचारियों को प्रशासनिक भवन के सामने शपथ दिलायी. मौके पर सभी विभागाध्यक्ष के साथ-साथ कर्मचारी भी मौजूद थे. जागरूकता सप्ताह को लेकर विश्वविद्यालय में और भी कई कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे.

## केंद्रीय विवि में राष्ट्रीय एकता दिवस मना




**रांची.** केंद्रीय विवि, झारखंड में मंगलवार को सरकार पटेल की जयंती मनायी गयी. इस मौके पर मेयर आशा लकड़ा व कुलपति प्रो नंद कुमार यादव इंदु विशेष रूप से उपस्थित हुए. सरदार पटेल की तस्वीर पर माल्यार्पण करने के बाद कुलपति ने कहा कि भारतीय एकता को मजबूत करने में पटेल का महत्वपूर्ण योगदान रहा.

## सीयूजे में दिलाई गई शपथ

**रांची।** सीयूजे में सतर्कता जागरुकता सप्ताह मनाया गया। इसमें मेरा लक्ष्य-भ्रष्टाचार मुक्त भारत थीम के तहत कुलपति रतन कुमार डे कर्मचारियों को शपथ दिलाई, जिसमें सबने संकल्प लिया कि वे विवि परिसर को भ्रष्टाचारमुक्त रखेंगे।

## सीयूजे के शिक्षाकर्मियों ने कैंपस को भ्रष्टाचार से मुक्त रखने की शपथ ली

**रांची |** सीयूजे कैंपस में बुधवार को भ्रष्टाचार मुक्त भारत थीम पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह अभियान चला। सीयूजे की शिक्षाकर्मियों ने कैंपस को भ्रष्टाचार मुक्त रखने की शपथ ली। कहा कि भ्रष्टाचार को लेकर हमेशा सजग रहेंगे। नीतिपरक कार्य पद्धतियों को बढ़ावा देने को लेकर हमेशा ईमानदारी का भाव रखेंगे। साथ ही पारदर्शिता, जिम्मेवारी और निष्पक्षता से दी गई जिम्मेवारी का निर्वहन करेंगे। इस अवसर पर सीयूजे के फैकल्टी मौजूद थे।

## साहब की दिवाली फीकी ही बीत गई

**वा**णिज्यकर विभाग में इन दिनों सन्नाटा छाया हुआ है। इस बार तो दिवाली भी फीकी ही बीत गई। आलम यह है कि न मिठाईयां पहुंची और न ही इस बार पैसे। हर बार तो नोट गिनते गिनते समय बीत जाता था। इस बार सन्नाटा छाया रहा। हो भी क्यों न। जीएसटी ने सभी की हालत खराब कर दी है। अब आखिर चढ़ाव चढ़े तो क्यों। इसमें सबसे अधिक परेशान बड़े साहब हैं। आमदनी उनकी खत्म सी हो गई है। पिछले वर्ष दिवाली में नई गाड़ी खरीदी थी उन्होंने। इस बार तो मिठाई का डिब्बा ही खरीद कर संतोष करना पड़ा। एक बात तो साफ हो गया है। यह जीएसटी अब ऊपर की कमाई को बंद कर देगा। फिर आखिर करें तो क्या करें। समझ में कुछ आ नहीं रहा है। अब कुछ दिनों तक तो सैलरी पर ही काम चलाने का नौबत आ चुका है।

### शहरनामा

#### साहब गुर्राए, मैडम दहाड़ उठी

साहब मैडम से परेशान हैं। कुर्सी पर बैठने के बाद मैडम की हां में हां मिला रहे थे। लेकिन अचानक गुर्राए तो मैडम दहाड़ने लगी। बस क्या था? साहब उल्टे पांव मैडम के चेंबर से बाहर निकल आए। मरता क्या न करता। नेताजी ने भी कहीं का नहीं छोड़ा। अब साहब की स्थिति सांप-छछूंदर जैसी हो गई है। अपना गुस्सा किस पर उतारे। मुख्यालय गए तो बड़े साहब हड़काते हैं। वहां से जान बची तो नेताजी पीछे पड़ जाते हैं। अब तो खेर नहीं। जान बची तो लाखों पाए, जैसी स्थिति हो गई है साहब की।

#### पता नहीं किसका आ जाए नंबर

केंद्रीय विवि में इन दिनों कर्मचारियों की हालात खराब हैं। आयदिन नियुक्ति कागजात की जांच हो रही है। आखिर करें तो करें क्या, किसी को भी कुछ समझ में नहीं आ रहा है। हो भी क्यों ने 40 से भी अधिक शिक्षक और कर्मचारियों की नियुक्ति में घोटाला पाया गया है। कुलपति खुद जांच कर रहे हैं। मामला सीबीआइ तक पहुंच चुका है। जाहिर सी बात है नौकरी जाने वाली है। रणनीति भी तय हो गई है। नाम भी साफ है। ऐसे में कर्मचारी इन दिनों कुलपति के कार्यालय का चक्कर काटने में व्यस्त हैं। सभी अपनी नौकरी बचाना चाहते हैं। करें क्या यह तो किसी को भी नहीं समझ में आ रहा है। अगले महीने सीबीआई की रिपोर्ट भी आ जाएगी। उसके बाद कार्रवाई तो तय है।

# झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय
## CENTRAL UNIVERSITY OF JHARKHAND
(भारतीय संसद के अधिनियम, 2009 द्वारा स्थापित)
(Established by an act of Parliament of India, 2009)

### भर्ती विज्ञापन

झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय विभिन्न शिक्षक व शिक्षकेतर पदों पर भर्ती हेतु पात्रता रखने वाले भारत के नागरिकों से आवेदन आमंत्रित करता है.

इच्छुक अभ्यर्थी विस्तृत विज्ञापन, यथा रिक्तियों की संख्या, अनिवार्य योग्यता, आवेदन शुल्क एवं सामान्य अनुदेश के लिए विश्वविद्यालय वेबसाइट www.cuj.ac.in देखें.

ह./-
कुलसचिव

विज्ञापन सं.- सीयूजे/एडीबीटी/2017-18/12, दिनांक 19.10.17

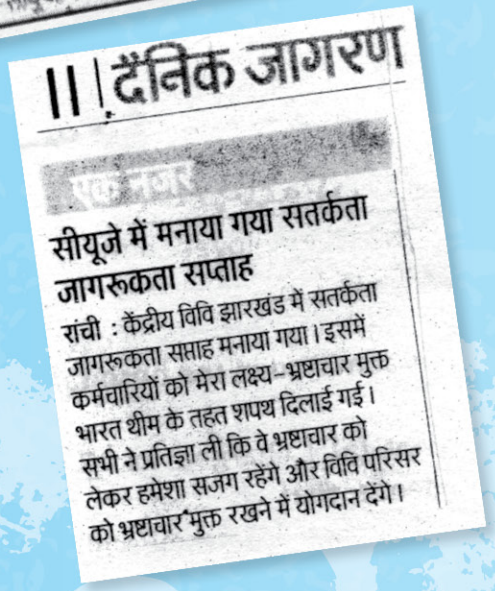

---

**दैनिक जागरण**

एक नजर

### सीयूजे में मनाया गया सतर्कता जागरूकता सप्ताह

रांची : केंद्रीय विवि झारखंड में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। इसमें कर्मचारियों को मेरा लक्ष्य-भ्रष्टाचार मुक्त भारत थीम के तहत शपथ दिलाई गई। सभी ने प्रतिज्ञा ली कि वे भ्रष्टाचार को लेकर हमेशा सजग रहेंगे और विवि परिसर को भ्रष्टाचार मुक्त रखने में योगदान देंगे।

---

# सीयूजे के छात्रों को मिली जीएसटी की जानकारी

**रांची।** जीएसटी की बारीकियों को समझने के लिए केंद्रीय विश्वविद्यालय ब्रांबे में जीएसटी विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें जीएसटी के विशेषज्ञ सीए कुणाल घुलानी व राजीव कमल बिट्टू ने छात्रों को जीएसटी संबंधी कई जानकारियां दी। साथ ही बच्चों के सवालों का भी जवाब दिया। फैकल्टी, पदाधिकारी, स्टाफ व छात्रों को प्रोजेक्टर व स्लाइड शो के जरिए जानकारी दी गई। इस दौरान घुलानी ने बताया कि उच्च शिक्षण संस्थान भी जीएसटी के दायरे में आते हैं। लेकिन उसमें कई जगहों पर छूट दी गई है जिसके सभी पहलुओं को समझने की जरूरत है। कुलपति नंद कुमार यादव इंदु ने दोनों जानकारों को धन्यवाद देते हुए कहा कि कार्यक्रम से विवि के फैकल्टी और छात्रों ने जीएसटी के बारे में काफी कुछ जाना।

हिन्दुस्तान • रांची • बुधवार • 13 सितंबर 2017 10

संक्षेप

## सीयूजे में योग की कक्षा में उमड़ी भीड़

मांडर। सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड में चल रहे सात दिनी योग शिविर के दूसरे दिन मंगलवार को सीयूजे के विद्यार्थियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। शिविर का आयोजन सीयूजे के खेल विभाग और पतंजलि योग समिति रांची द्वारा किया गया है। सीनियर योग प्रशिक्षक बीएयू के सेवानिवृत्त प्रो डॉ रामदेव प्रसाद लोगों को योग की शिक्षा दे रहे हैं। प्रतिदिन सुबह के छह बजे से योग की ... चलती है, जो 17 सितंबर को समाप्त होगी।

## केंद्रीय विवि

केंद्रीय विवि, झारखंड के ब्रांबे स्थित परिसर में भी युवा भारत, नया भारत कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री के भाषण का लाइव प्रसारण किया गया. विद्यार्थियों में काफी उत्साह दिखा. विवि के पांच विद्यार्थी चंद्रकांत सिंह, जागृति, नीपेंद्र, अनमोल व अंकिता नेनयी दिल्ली विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में भी शामिल हुए.

केंद्रीय विश्वविद्यालय में माइंडफुलनेस व मेडिटेशन पर क

## मेडिटेशन जीने की कला सिखाता है : कर्नल अमित

मुख्य संवाददाता @ रांची

केंद्रीय विवि, झारखंड में शुक्रवार को माइंडफुलनेस एंड मेडिटेशन विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया. इस अवसर पर कर्नल अमित डंगवाल और उनकी पत्नी ने विद्यार्थियों व शिक्षकों को मेडिटेशन के गुर बताये. आइएनए व एनडीए के छात्र रह चुके हैं तथा आइआइटी मद्रास से कंप्यूटर साइंस में एमटेक कर्नल अमित ने कहा कि जीवन में तनाव मुक्त रहने के लिए मेडिटेशन जरूरी है. मेडिटेशन जीने की कला सिखाता है. उन्होंने कहा कि वह एक ऐसी विधि है, जिसके करने से जीवन सरल लगने लगता है. ध्यान एक विश्राम है. ध्यान एकाग्रता के बारे में नहीं है बल्कि वास्तविकता में यह एकाग्रता से विमुख होने की प्रक्रिया है.

कार्यशाला में शामिल कर्नल अमित, शिक्षक और स्टूडेंट्स

### मेडिटेशन के पांच फायदे

अर्चना डंगवाल

इस दौरान कर्नल अमित ने कहा कि मेडिटेशन किसी वस्तु पर अपने विचारों का केंद्रीकरण नहीं है, बल्कि वह विचार रहित होने की प्रक्रिया है. कर्नल डंगवाल ने शिक्षकों और विद्यार्थियों को मेडिटेशन के पांच फायदे भी गिनाये. इसमें शांत चित्त, अच्छी एकाग्रता, बेहतर स्पष्टता, बेहतर संवाद मस्तिष्क और शरीर का कायाकल्प करता है. उन्होंने कहा कि मेडिटेशन के कारण शरीर की आंतरिक क्रियाओं में विशेष परिवर्तन होते हैं. शरीर की प्रत्येक कोशिका ऊर्जा से भर जाती है. शरीर में ऊर्जा के बढ़ने से प्रसन्नता, शांति और उत्साह का संचार भी बढ़ जाता है. वहीं अर्चना डंगवाल ने मेडिटेशन के कई मानसिक और व्यवहारिक लाभ बताये. विद्यार्थियों ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से काफी फायदे होते हैं. इस आयोजन में विवि के योग प्रभारी रवींद्रनाथ शर्मा आदि की अहम भूमिका रही.

## केंद्रीय विश्वविद्यालय में शुरू हुआ योग शिविर

रांची। झारखंड केन्द्रीय विश्वविद्यालय में शनिवार को सात दिवसीय योग शिविर शुरू हुआ। कन्याकुमारी स्थित विवेकानंद केंद्र से योग प्रशिक्षक मुकेश ने छात्र-छात्राओं को योग से निरोग रहने के बारे में बताया। साथ ही कई योगासन सिखाए। योग प्रभारी डॉ रविंद्रनाथ शर्मा ने बताया कि शिविर का आयोजन विवि के खेलकूद विभाग व कन्याकुमारी के विवेकानन्द केन्द्र ने मिलकर किया है।

## केंद्रीय विवि में हिंदी विभाग स्थापित होगा : कुलपति

रांची. केंद्रीय विवि, झारखंड के कुलपति प्रो नंद कुमार यादव ने कहा है कि अगले वर्ष से विवि में हिंदी विभाग पूरी तरह से स्थापित होगा. वह जब विवि से जुड़े थे, तब इसमें संवाद का माध्यम अंग्रेजी थी. इससे उन्हें काफी दुख पहुंचा कि हिंदी प्रदेश में हिंदी की उपेक्षा सही नहीं है. इसके बाद उन्होंने परिसर में हिंदी के प्रयोग पर ज्यादा जोर दिया. कुलपति गुरुवार को विवि में हिंदी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे. प्रतिकुलपति प्रो वीके दास ने कहा कि वह अंग्रेजी के प्रोफेसर जरूर है, लेकिन उन्हें भावनात्मक लगाव सिर्फ हिंदी से है. टीएनबी कॉलेज भागलपुर के सेवानिवृत्त प्राध्यापक प्रो नृपेंद्र प्रसाद वर्मा ने हिंदी के प्रसार पर विशेष जोर दिया. मौके पर प्रतियोगिताएं आयोजित की गयीं. हिंदी टंकण में जमशेद अंसारी, महेंद्र रजवार और नितिन कुमार, निबंध में रिमझिम सिंह, पूजा भारती व राजनंदनी तथा टिप्पणी लेखन में नफीस अहमद खान, संदीप, महेंद्र रजवार को पुरस्कृत किया गया.

**प्रमंडलीय**

रांची. विकास भवन सभागार में गुरुवार को हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया. आयुक्त रांची दिनेश चन्द्र मिश्र ने कार्यक्रम का उदघाटन किया. प्रमंडलीय आयुक्त श्री मिश्रा ने कहा

# कन्याकुमारी के मुकेश केंद्रीय विविं में सीखा रहे हैं योग

**रांची.** झारखंड केंद्रीय विवि के खेल परिसर में एक सितंबर से सात दिवसीय योग शिविर शुरू हुआ. विवेकानंद केंद्र, कन्याकुमारी के योग प्रशिक्षक मुकेश विवि के शिक्षकों, विद्यार्थियों व कर्मचारियों को योग सिखा रहे हैं. सुबह छह बजे योग कक्षा आरंभ हो रही है. इसमें प्रशिक्षक द्वारा सभी आसन सिखाये जा रहे हैं और इससे होनेवाले फायदे की जानकारी दे रहे हैं. शिविर सात सितंबर तक चलेगा. योग शिविर का आयोजन विवि के खेलकूद विभाग एवं कन्याकुमारी के विवेकानंद केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में हो रहा है. शिविर का समन्वय विवि के योग इंचार्ज डॉ रवींद्रनाथ सरमा कर रहे हैं. कार्यक्रम में कृष्ण कुमार मिश्र, प्रशांत, सुधांशु शेखर और डॉ अनिल भूमिका निभा रहे हैं.

# केंद्रीय विवि में विलुप्तप्राय भाषा पर अंतरराष्ट्रीय सेमिनार

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

केंद्रीय विश्वविद्यालय कम प्रचलित और विलुप्त प्राय हो रही भाषा पर अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन करेगा. यह अखिल भारतीय स्तर पांचवीं कांफ्रेंस है. इसका आयोजन विश्वविद्यालय के ट्राइबल फोकलोर लैंग्वेज और लिटरेचर विभाग द्वारा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन लैंग्वेज, मैसूर की मदद से किया जा रहा है. विभाग के सहायक प्रोफेसर सुधांशु शेखर ने बताया कि झारखंड जैसे राज्य के लिए यह अनूठा सेमिनार होगा. इसका आयोजन 24 से 26 फरवरी 2017 तक किया जायेगा. इसमें दुनियाभर के भाषा वैज्ञानिक व भाषा पर शोध करने वाले शोधार्थी भाग लेंगे.

## लगभग 50 शोधपत्र होंगे शामिल

प्रोफेसर सुधांशु शेखर ने बताया कि इस सम्मेलन में शामिल होने को इच्छुक 172 लोगों के शोध सार आये हैं. इनमें 50 शोध सार को शामिल किया जायेगा. सेमिनार में जर्मनी, इंगलैंड, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी व अमेरिका समेत कई अन्य देशों के भाषा वैज्ञानिक व शोधार्थी शामिल होंगे. आयोजन का उद्देश्य कम प्रचलित और विलुप्त प्राय हो रही भाषाओं को कैसे बचाया जाये और उन्हें ज्यादा से ज्यादा प्रचलन में लाना है.

## ये होंगे शामिल

- प्रो पीकेएस पांडेय, प्रोफेसर जेएनयू
- प्रो डिबयाड गिब्बन, बैलेफिल्ड विवि, जर्मनी
- प्रो पीटर के आस्ट्रिन, स्कूल ऑफ ओरिएंटल एंड अफ्रिकन स्टडीज, लंदन
- डॉ जेफ गूड, न्यूयॉर्क स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए
- प्रो जॉन पिटरसन, कील विश्वविद्यालय, जर्मनी
- प्रो डेविड नेथन, बीआइआइटीइ, ऑस्ट्रेलिया
- प्रो गर्ग एंड्रसन, निदेशक, लिविंग टंग इंस्टीट्यूट फोर इंडेनजर्ड लैंग्वेजज
- डॉ मोनजित चौधरी, माइक्रोसॉफ्ट रिसर्च लैब, बेंगलुरू
- डॉ कविता रस्तोगी, लखनऊ विवि

# सेंट्रल यूनिवर्सिटी पहुंचे नार्वे के छात्र

**रांची।** नार्वे के एक दर्जन छात्रों एवं शिक्षकों का दल गुरुवार को केन्द्रीय विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। यह छात्र नार्वे के प्रसिद्ध संगीत स्कूल वाइकेन फोक हाई स्कूल से हैं। सभी भारतीय संगीत परंपरा और संस्कृति को समझने के लिए रांची पिछले सप्ताह पहुंचे हैं। सीयूजे में सेंटर फॉर म्यूजिक एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स में उन्होंने एक स्किट की प्रस्तुति देखी। छात्रों संग नागपुरी एवं हिन्दी गीत गाए। वीसी प्रो. नंदकुमार यादव इंदु से भी मिले।

किया। जाशिका को लड़कियों के वर्ग में प्रथम स्थान हासिल हुआ।



सेंट्रल यूनिवर्सिटी में नार्वे के दर्जनभर विद्यार्थी व फैकल्टी शैक्षणिक भ्रमण के लिए पहुंचे हैं। उन्होंने शिक्षकों और छात्रों से विभिन्न कोर्सों के बारे में जानकारी ली। ये सभी विद्यार्थी व फैकल्टी नार्वे के जाने-माने संगीत स्कूल वाइकेन फोक हाई स्कूल में अध्ययन-अध्यापन कर रहे हैं। यहां आने का उद्देश्य भारतीय संगीत परंपरा और संस्कृति को समझना है।

# सेंट्रल यूनिवर्सिटी में नागपुरी और हिंदी संगीत भी सीखा

नार्वे के स्टूडेंट्स और फैकल्टी सेंट्रल यूनिवर्सिटी झारखंड(सीयूजे), ब्रांबे पहुंचे। इस क्रम में विभिन्न विभागों में जाकर शिक्षकों और छात्रों से यहां पढ़ाए जानेवाले कोर्स की जानकारी ली। भ्रमण पर पहुंचे स्टूडेंट्स और फैकल्टी नार्वे के जाने माने संगीत स्कूल वाइकेन फोक हाई स्कूल के हैं। स्टूडेंट्स ने पोप, जैज और रॉक संगीत सीखा। भारतीय संगीत परंपरा और संस्कृति को समझा। टीम के सदस्यों ने वीसी प्रो. नंदकुमार यादव इंदू से मिलकर उनके साथ अपना अनुभव साझा किया। सीयूजे में चल रहे एकेडमिक कार्यों की सराहना की। कुलपति ने भी विचार रखे।

# लाला लाजपत राय स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी, अर्थ स्क्रेपर बनानेवाले अतुल और असदुल्ला हुए फर्स्ट

सिटी रिपोर्टर | रांची

लाला लाजपत राय सीनियर सेकेंड्री स्कूल, पुंदाग में गुरुवार को साइंस एग्जीबिशन का आयोजन किया गया। इसमें जूनियर और सीनियर कक्षा के बच्चों ने कई तरह के मॉडल बनाए। सीनियर ग्रुप में अर्थ स्क्रैपर बनानेवाले अतुल कुमार और मोहम्मद असदुल्ला प्रथम, क्लाइटमेंट चेंज पर मॉडल बनाने पर नेहा कुमारी व संतोष कुमार को द्वितीय और स्काई ट्रेन बनानेवाले राज शेखर कुमार और गौरव कुमार ने तृतीय पुरस्कार मिला। वहीं जूनियर ग्रुप में ड्रोन को प्रथम, विंड मिल को द्वितीय और वाटर फाउंटेन को तृतीय स्थान मिला।

प्रदर्शनी में छोटे बच्चों ने पोस्टर बनाकर अपराध और भ्रष्टाचारमुक्त भारत बनाने का संदेश दिया। इससे पहले प्रदर्शनी का उद्घाटन सीयूजे के वीसी डॉ. नंद कुमार यादव इंदु ने लाला लाजपत राय की मूर्ति पर माल्यार्पण कर किया। इस मौके पर अभिभावकों के अलावा पंजाबी हिंदू बिरादरी के राजेश खन्ना, सुधरी उग्गल, अशोक माकन, राजेश ठाकुर, मिडल स्क मेहरा, अरुण चावला, प्रिंसिपल पीके पुष्पा शेराफिन मौ

लाला लाजपत राय स्कूल में मॉडल का निरीक्षण करते प्रो. इंदु, प्राचार्य और अ

## किसने क्या बनाया

जूनियर विंग के बच्चों ने लोटस टैंपल, वाटर फाउंटेन, ड्रोन, हेलीकॉप्टर डी होलोग्राम, जेएससीए क्रिकेट स्टेडियम, पॉपकॉर्न मशीन, पर्यावरण और इसके लिए जिम्मेवार व्यक्ति के क्रिया-कलाप, जल एवं वायु प्र आदि दर्शाया। वहीं सीनियर क्लास के स्टूडेंट्स ने इलेक्ट्रिक रेलवे क्र स्लाइड वे, क्लाइमेट चेंज, हाइड्रोलिक ब्रिज, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट रैंज, ग्रीन हाउस इफेक्ट, ऑटोमेटिक स्ट्रीट लाइट, थर्मल पावर प दुर्घटना से बचाव, जियो थर्मल एनर्जी, बेकार प्लास्टिक बैग एवं सड़क बनाने की तकनीक, स्मार्ट सिटी, जनजाति आदि मॉडल

### छात्रों ने जीवंत प्रस्तुति देकर अफसरों की सोच व सिस्टम के दोष को

# सीयूजे में 'कोर्ट मार्शल

रांची | प्रमुख संवाददाता

रामचंद्र आर्मी में जवान है। पूरी ईमानदारी के साथ अपनी ड्यूटी करता है। अधिकारी अपने घर का काम भी उससे कराते हैं, बदले में गालियां देते हैं, जब तब बेइज्जत करते रहते हैं। कारण, वह छोटे पद पर है, पिछड़ी जाति से है। हद तो यह हो गई कि कैप्टन वर्मा और कैप्टन बीडी कपूर उसे अनावश्यक भी प्रताड़ित करते रहते हैं। जब वह गार्ड ड्यूटी पर होता तो इन दोनों अफसरों को रोकने से भी डरता था। रोकता भी नहीं था, जबकि गार्ड ड्यूटी पर तैनात जवान हर आने जाने वाले से कोड पूछता है। बावजूद इसके ये दोनों कैप्टन गाड़ी रोककर उसकी बेइज्जती करने से नहीं चूकते थे। लेकिन रामचंद्र का यह दर्द बढ़ते-बढ़ते इतना बढ़ गया कि उसने इन दोनों को गोली मार दी। वर्मा तो वहीं ढेर हो गए। रामचंद्र का निशाना चूक गया। गोली कपूर के कंधे में जा लगी, वह बच गए। लेकिन सिस्टम का दोष देखिए रामचंद्र पर किए गए वर्षों का अत्याचार तो साबित न हुआ, उसके अपराध साबित हो गए, कोर्ट मार्शल हो गया। जहां से उसे फांसी दे दी गई। हालांकि, बीडी कपूर रामचंद्र के हाथों तो बच गए लेकिन अपने खोखले साम्राज्य के शिकार हो गए। स्थिति ऐसी बन गई कि खुद को गोली मारनी पड़ी। ये कोई घटना या दुर्घटना नहीं बल्कि सीयूजे में सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स द्वारा आयोजित नाटक कोर्ट मार्शल की कहानी छात्रों ने दोष को द्वारा प्र सहायक किया

सीयूजे में नाटक की जीवंत प्रस्तुति देते विद्यार्थी। इस मौके पर उपस्थित लोगों ने अभिनय और नि

# दो कंपनियों से किया एक्सचेंज आफ एग्रीमेंट

जागरण संवाददाता, रांची : सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड ने बुधवार को दो कंपनियों सी-टू एस-टू प्रालि. कटक तथा ईको वाटर सोल्यूशन टेक्नोलॉजी प्रालि. के साथ एक्सचेंज आफ एग्रीमेंट किया। सीयूजे के वीसी डॉ.नंद कुमार यादव.इंदू ने दिल्ली से फोन पर बताया कि दोनों कंपनियों के साथ राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी के समक्ष एग्रीमेंट हुआ है। राष्ट्रपति भवन में 16 से 18 नवंबर तक विजिटर कांफ्रेंस-2016 चल रही है। इसमें देशभर के 40 सेंट्रल यूनिवर्सिटी सहित कुल 126 आइआइटी, एनआइटी, इंस्टीच्यूट ऑफ साइंस एंड रिसर्च सेंटर के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। बुधवार को 32 संस्थानों ने 67 कंपनियों के साथ एग्रीमेंट किया।

**विद्यार्थी करेंगे रिसर्च, होगा प्लेसमेंट** : वीसी डॉ.यादव ने बताया कि एग्रीमेंट का बड़ा फायदा सीयूजे व दोनों कंपनियों को होगा। हमारे विद्यार्थी कंपनियों में रिसर्च करेंगे। वे इंटर्नशिप के लिए जाएंगे। इसके बाद कंपनियां विद्यार्थियों प्लेसमेंट भी करेंगी। वीसी ने कहा कि हम अपने विद्यार्थियों को कंपनियों की डिमांड के अनुसार तैयार करेंगे। उनकी जरूरत के हिसाब से रि... में वाटर इंजीनियरिंग की मास्... होती है।

# ...र्ण निर्णय ले सरकार

...ों की बैठक में की गई मांग



...व और गिलुवा।

## विपक्ष को जवाब दें

अधिकतर विधायकों ने कहा सीएनटी और एसपीटी एक्ट पर विपक्ष के आक्रमण का रणनीतिक जवाब दिया जाना चाहिए। राव ने कहा कि विधायक भी इस बारे में सुझाव दें। संगठन की बैठक में पाया गया कि पिछली कार्यसमिति की बैठक के बाद कितने मंडलों में बैठक हुई, यह भी स्पष्ट नहीं है।

...रांव ने कहा कि ...ी में संशोधन से ...स नहीं पहुंचे, ...ा जाना चाहिए। ...इसका समर्थन ...ी भी कहा कि ...सेवा करनेवाले ...र्टी को गंभीरता से सोचने की जरूरत है। प्रदीप सिन्हा ने कहा कि पार्टी की सेवा में जीवन खपा देनेवालों का ध्यान रखा जाना चाहिए। लेकिन सोकॉल्ड लीडर जो पेंशनधारी होने के बाद संगठन में आकर भी प्रमुख पद पा रहे हैं। अपने प्रोफाइल की बदौलत वे टिकट भी हासिल कर लेते हैं। यह दुखद है।

# राम मंदिर मुसलमानों के पूर्वजों के इष्ट का भी मंदिर : इंद्रेश कुमार

## फोरम फोर अवेयरनेस ऑफ नेशनल सिक्यूरिटी की संगोष्ठी

कल्चरल रिपोर्टर | रांची

आरएसएस के कार्यकारिणी सदस्य इंद्रेश कुमार ने कहा है कि अयोध्या का राममंदिर सिर्फ हिंदुओं का ही नहीं है। यह मुसलमानों के पूर्वजों के इष्ट का भी मंदिर है। इस देश में रहने वालों का धर्म, भाषा, संस्कृति और भाषाएं अलग-अलग हो सकती हैं। लेकिन देश की संस्कृति और इतिहास-परंपरा अलग नहीं है। इंद्रेश बुधवार को एक देश, एक स्वर विषय पर हुई संगोष्ठी में बोल रहे थे। फोरम फोर अवेयरनेस ऑफ नेशनल सिक्यूरिटी (फैंस) ने आयोजन मोरहाबादी में किया था। संस्था के मुख्य संरक्षक इंद्रेश ने बतौर मुख्य वक्ता कहा कि देश में हम अलग-अलग धार्मिक व जातीय पहचान से भले जाने जाते हों, पर विश्व में पहचान कहीं इंडियन, कहीं आर्य, कहीं हिंदी, कहीं हिंदुस्तानी और कहीं भारतीय के रूप में की जाती है। मुसलमानों-ईसाइयों का बिना नाम लिए कहा कि अगर वे देश की संस्कृति को मानेंगे, तो मुख्यधारा में रहेंगे। मौके पर छत्तीसगढ़ सुन्नी वक्फ बोर्ड के चेयरमेन मो. सलीम अशरफी, डॉ. शाहिद अख्तर, गोलक बिहारी, पूनम आनंद, फरहाना खातून, प्रो. राकेश समेत अन्य थे।

## ज्वलंत समस्याओं के लिए भी हों एकजुट : डॉ. इंदु

स्वागत वक्तव्य में पवन बजाज बोले, महज भौगोलिक सीमा से ही देश नहीं बनता, बल्कि परंपरा, संस्कृति और यहां के रहनेवालों से बनता है। पत्रकार अनुज कुमार सिन्हा ने हर विपरीत परिस्थितियों में एकजुट रहने की चर्चा की। सेंट्रल यूनिवर्सिटी ब्रांबे के वीसी डॉ. नंद कुमार यादव इंदु ने कहा कि हम ज्वलंत समस्याओं पर एकजुट नहीं हो पाते।

विफल सिद्ध हो रही है।

कॉलेज को विश्वविद्यालय में अपग्रेड

ही मिला।

का विकल्प चुनने के लिए कहा जाएगा।

# हिंसा फैलाना चाहता है मुसलिम पर्सनल लॉ बोर्ड

**व्याख्यान**

रांची | हिन्दुस्तान ब्यूरो

फोरम फॉर अवेयरनेस ऑफ नेशनल सिक्योरिटी के मुख्य संरक्षक इंद्रेश कुमार ने कहा है कि कुरान में तलाक का कोई स्थान नहीं है। कुरान में तलाक को सबसे खराब बताया गया है। देश का संविधान एक है। यहां रहने वाले सभी के लिए संविधान सर्वोपरि है। एक देश, एक संविधान और एक समान सभी लोग यही अवधारणा है। वह बुधवार को मोरहाबादी के मान्या पैलेस में एक देश एक स्वर विषय पर व्याख्यान दे रहे थे।



रांची में बुधवार को एक व्याख्यान में बोलते इंद्रेश कुमार।

उन्होंने कहा कि मुसलिम पर्सनल लॉ बोर्ड तलाक के नाम पर मुसलमानों को भड़का रहा है। वह हिंसा फैलाना चाहता है। यह एक एनजीओ है और सिर्फ 15 प्रतिशत मुसलमानों का ही उसे विश्वास हासिल है। मौके पर सीयूजे के कुलपति एनके यादव, छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सलीम अशर्फी समेत अन्य उपस्थित थे।

## धर्म के नाम पर अधर्म नहीं हो: सलीम अशर्फी

छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सलीम अशर्फी ने कहा कि कुछ लोग धर्म के नाम परअधर्म कर रहे हैं। इंसानियत को बचाने का नाम जेहाद है। आज इसकी परिभाषा बदल दी गई है। अपने हित के लिए ऐसा किया जा रहा है। मानवता का अर्थ किसी का अहित नहीं करना होता है। हिंसा से लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान खैरात से बना देश है।

## देश हित में बुद्धिजीवियों को एकमत होना होगा: यादव

केंद्रीय विद्यालय झारखंड के कुलपति एनके यादव ने कहा कि देशहित के मुद्दे पर बुद्धिजीवियों को एकमत होना होगा। इस पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। समानता और स्वतंत्रता के अधिकार पर कुठाराघात होगा तो लोग अपना अधिकार मांगेंगे।

# सीयूजे में कर्मियों ने ली शपथ

**रांची।** सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड में गुरुवार को विजिलेंस वीक के तहत शपथ ली गई। इस दौरान विवि के सभी अधिकारी और कर्मचारी जमा हुए। शपथ ली कि अपने काम में पारदर्शिता और ईमानदारी बनाए रखेंगे। देशभर के संस्थानों में 31 अक्तूबर से पांच नवंबर तक विजिलेंस वीक मनाया जा रहा है। भ्रष्चार उन्मूलन के प्रति जागरुकता लाने लिए यह प्रयास किया जाता रहा है।

THE TELEGRAPH CALCUTTA
THURSDAY 13 OCTOBER 2016

8 JHARKHAND XXRE

## Minister Javadekar assures VC he'll look into campus, finance issues

# CUJ can hope for better days

A.S.R.P. MUKESH

**Ranchi, Oct. 12:** Central Uni- versity of Jharkhand's long- pending troubles of a finan- cial crisis and the lack of a permanent campus may find redressal soon, vice chancel- lor Nand Kumar Yadav Indu indicated after a meeting he had with Union HRD minister Prakash Javadekar in Vara- nasi last week.

"I made three basic dema- nds: allow us to restart con- struction of a new campus that has been halted in view of a CBI inquiry, defreeze disbur- sal of funds and form an 11- member executive council at the earliest. Without resolu- tion of these issues, CUJ func- tioning is being impeded," Yadav told The Telegraph.

Yadav said 41 vice chancel- lors had attended a review meeting in Benaras held as a precursor to a VCs' conference at Rashtrapati Bhavan in New Delhi in November under the aegis of the President.

Terming his meeting with the HRD minister as positive, Yadav said he was first asked to make a PowerPoint presen- tation on the Jharkhand uni- versity's achievements and problems. Later, he met the minister for around three minutes for a one-on-one.

Work on a permanent cam- pus at Cheri-Manatu in Kanke block of Ranchi district c... to a halt two years ago w...



The CUJ campus in Ranchi

CBI began investigations into allegations of financial irreg- ularities. As a result, the uni- versity has been operating out of a temporary campus at Bra- mbe ever since its inception six years back.

During his presentation, Yadav said he sought the ...

impasse over the university's campus and financial trou- bles. "I have inherited a bad le- gacy but it's time to move ahead. So, I requested that ar- eas that are not under the CBI's inquiry be taken up. Bu- ilding construction is just one part of a permanent campus. There are other aspects like laying out campus roads, wa- ter connections, development of grounds and so on. Let th- ese works not suffer," he said.

On the financial crisis, Yadav said under the 12th Five Year Plan (2012-2017), Rs 298 crore was initially sanctioned under capital grant. However, that allocation was subsequ- ently slashed to Rs 278 crore.

spent in various works, but the remaining amount is current- ly frozen. I requested the min- istry to release these funds," he explained.

The absence of an execu- tive council was another ma- jor deterrent to CUJ develop- ing its own academic calendar. "In May last year, the tenure of four representatives nominat- ed by the President expired. As a result, the executive council is today virtually de- funct in the absence of fresh nominations," Yadav said, adding that he had, therefore, requested the minister's inter- vention on this.

The VC said Javadekar as- sured him that he would sort ...

मंथन : विशेषज्ञों ने झारखंड में शोध की संभावनाओं पर दिया जोर

# न्यूक्लियर फिजिक्स कैंसर के निदान में सहायक

**जागरण संवाददाता, रांची :** न्यूक्लियर फिजिक्स व पार्टिकल्स केवल न्यूक्लियर पावर प्लांट और एटम बम बनाने में ही सहायक नहीं होते हैं, इससे हम डार्क मैटर, डार्क एनर्जी जैसी घटनाओं को भी समझ रहे हैं। ऐसी घटनाएं बहुत महत्वपूर्ण हैं, जिन्हें मानव हित के लिए समझना जरूरी है। न्यूक्लियर फिजिक्स ने साइक्लोट्रॉन, बेलट्रॉन जैसे कई इंस्ट्रूमेंट दिए हैं, जो कैंसर के निदान में सहायक है। यह बातें आईयूएसी (इंटर यूनिवर्सिटी एक्सीलरेटर सेंटर) दिल्ली के निदेशक डॉ.डी कंजीलाल ने कही। वह सेंट्रल यूनिवर्सिटी झारखंड में न्यूक्लियर एंड एक्सीलरेटर फिजिक्स विषय पर आयोजित सेमिनार के दूसरे दिन बुधवार को विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे। मौके पर सीयूजे के कुलपति डॉ.नंदकुमार यादव इंदू, कांफ्रेंस के चेयरमैन प्रो.सारंग मेधकर, संयोजक डॉ.धर्मेंद्र सिंह, रजिस्ट्रार प्रो.आरके डे सहित सभी शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि न्यूक्लियर फिजिक्स रेडियोएक्टिव पॉल्यूशन को डिटेक्ट करने में भी सहायक है। इसका उपयोग मानव जाति को रेडियोधर्मी प्रदूषण से बचाने के लिए कर सकते हैं।

सीयूजे के सेमिनार में बोलते वक्ता।

**सीयूजे में न्यूक्लियर एंड एक्सीलरेटर फिजिक्स विषय पर सेमिनार का आयोजन**

**न्यूक्लियर फिजिक्स में कई कार्य :** प्रो.एसके महापात्रा ने कहा कि हमने न्यूक्लियर फिजिक्स पर आधारित कई कार्य किया है। इसमें उच्च इंटेंसिटी के प्रोटॉन बीम, प्लाज्मा बेस्ट एक्सीलरेटर, पूर्ण व अपूर्ण संलयन व विखंडन रिएक्टर, गैसियस फोटॉन डिटेक्टर, नए प्रकार के न्यूक्लियर समावयवी आदि शामिल हैं।

**झारखंड में यूरेनियम की प्राकृतिक उपलब्धता :** टाटा इंस्टीच्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च सेंटर, मुंबई के निदेशक डॉ.वीएम दातार ने कहा कि नाभिकीय शोध के लिए जरूरी तत्व यूरेनियम की प्राकृतिक उपलब्धता झारखंड में है। देश में सबसे पहले यूरेनियम झारखंड में ही पाया गया था। ऐसे में इस दिशा में झारखंड में शोध की भरपूर संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि विज्ञान के इस क्षेत्र में रोजगार की भी असीम संभावनाएं हैं।

दैनिक जागरण रांची, 29 अक्टूबर 2016

जागरण सिटी

# गुरुओं ने कहा : धन्यवाद जागरण

दैनिक जागरण के गुरु सम्मान समारोह में सम्मानित होने के बाद शहर के शिक्षकों ने दैनिक जागरण को धन्यवाद दिया है। गुरुओं ने एक स्वर से कहा कि जागरण ने गुरुओं की महत्ता समझी है और लगातार सामाजिक सरोकारों के तहत खबरों से इतर जाकर भी काम किया है। जागरण के इस अभियान को आगे बढ़ाने में हम सभी साथ हैं। सम्मान की महफिल में अपने सुरों से चार चांद लगाने वाले शास्त्रीय गायक सतीश शर्मा ने भी इस मौके पर दैनिक जागरण की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि कला और संस्कृति के कार्यक्रम आयोजित कर दैनिक जागरण कलाकारों के बीच भी अपनी गहरी पैठ और धमक रखता है। हम तहे दिल से जागरण के इस तरह के आयोजनों की सराहना करते हैं।

### कर्म को मिला सम्मान

गुरुवार को दैनिक जागरण के गुरु सम्मान समारोह में रांची महिला कॉलेज की प्राचार्या डॉ. मंजू सिन्हा को सम्मानित करते विस अध्यक्ष डॉ. दिनेश उरांव।

### हमेशा मिलता रहे आपका मार्गदर्शन

सीसीएल दिवार मंच सभागार में हुए गुरु सम्मान समारोह में सीआइटी के प्रो. अमिताभ भट्टाचार्या को सम्मानित करते एसजीएम मनोज गुप्ता।

### गुरु के आशीर्वाद से मिलेगी कामयाबी

समारोह में डीएवी बरियातू के प्राचार्य बीके सिंह को सम्मानित करते रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. रमेश पांडे।

### हर पीढ़ी के लिए बनेंगे मार्गदर्शक



गुरु सम्मान समारोह में राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी संस्थान के क्षेत्रीय निदेशक अनिल कुमार सिंह को सम्मानित करते सीयूजे के वीसी डॉ. नंद कुमार यादव।

## गुरु ही रहे हैं समाज के आदर्श : एके सिंह

जासं, रांची : नेशनल ओपन स्कूल के क्षेत्रीय निदेशक एके सिंह ने कहा कि गुरु समाज को गढ़ते हैं। गुरुओं का चरित्र, मान-सम्मान, व्यवहार और कार्यप्रणाली हमेशा समाज के लोगों के लिए आदर्श रही है। यह परंपरा बनी रहे। हम सभी दैनिक जागरण के प्रति आभारी हैं कि गुरुओं पर केंद्रित इस तरह के कार्यक्रम के बारे में सोचा गया। हम स्कूल-कॉलेजों में विद्यार्थियों को पढ़ाते हैं तो अखबार भी अलग तरीके से लोगों को जागरूक करता है। हमारा काम लगभग एक जैसा ही है।





## गुरु के सामने मिला गुरु सम्मान

जासं, रांची : गुरु सम्मान मिलने के बाद संत माइकल स्कूल की प्राचार्य किरण द्विवेदी ने कहा कि आज मैं अपने गुरु के सामने सम्मानित होकर गर्व महसूस कर रही हूं। उन्होंने बताया कि रांची विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमेश पांडेय ने उन्हें 1983 में पढ़ाया था। उन्होंने कहा कि वह इस समारोह में भी अपने गुरु के ही हाथों सम्मानित हुईं, यह और भी गर्व की बात है। इसके बाद उन्होंने अपने गुरु प्रो. रमेश पांडेय व सेंट्रल यूनिवर्सिटी के कुलपति एनके यादव के साथ तस्वीर...

---

# परफॉर्मिंग आर्ट विषय में प्रतिमा देश में अव्वल

**रांची.** राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) के तहत परफॉर्मिंग आर्ट (थिएटर) विषय में केंद्रीय विवि, झारखंड की छात्रा प्रतिमा कुमारी ने ओबीसी कोटे में देश में एक मात्र सफल अभ्यर्थी होने का गौरव हासिल किया है. इसके अलावा धनंजय कुमार और सुजीत कुमार शर्मा ने थिएटर में नेट क्वालिफाइ किया. विद्यार्थियों की सफलता पर कुलपति प्रो नंद कुमार यादव इंदु ने बधाई दी है. प्रतिमा ने अपनी सफलता के लिए अपने गुरु शाकिर तस्नीम और वेंटर नरेश बुरला को धन्यवाद दिया, जिन्होंने विवि में थिएटर की बेहतर तालीम दी. यह जानकारी नरेंद्र कुमार ने दी.

■ **धनंजय व सुजीत कुमार शर्मा ने थिएटर में नेट क्वालिफाइ किया**

---

रांची LIVE सिटी

सीयूजे में न्यूक्लीयर व एक्सलेटर फिजिक्स विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन की शुरुआत

# देश के लिए जरूरी है नाभिकीय ऊर्जा

रांची | संवाददाता

दुनियाभर में नाभिकीय विज्ञान का जिक्र आते ही परमाणु बम की बात जेहन में आ जाती है। मानो इस विज्ञान का उपयोग केवल बम बनाने के लिए ही किया जाता है। दरअसल नाभिकीय ऊर्जा देश के विकास के लिए आवश्यक है। नाभिकीय भौतिकी का उपयोग मनुष्यता के लिए होना चाहिए।

यह कहना है सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड के वीसी प्रो नंद कुमार यादव 'इंदु' का। वह मंगलवार को न्यूक्लीयर व एक्सलेटर फिजिक्स विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कांग्रेस के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। इसका आयोजन सीयूजे के भौतिकी विज्ञान केन्द्र की ओर से आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा कि देश में ऊर्जा की प्रचुरता, स्वास्थ्य सुरक्षा, खाद्यान सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा ये सब नाभिकीय भौतिकी के बिना असंभव है।

**गिने-चुने देशों में भारत का नाम शामिलः** तीन दिन तक चलने वाली इस कांफ्रेंस में देशभर के जाने-माने वैज्ञानिक हिस्सा ले रहे हैं। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि आईयूएसी दिल्ली के निदेशक डॉ डी कांजीलाल मौजूद थे। उन्होंने कहा कि विश्व के कुछ गिने-चुने नाभिकीय शोध केन्द्रों में भारत का भी नाम आता है। यही नहीं भारतीय वैज्ञानिकों के बनाए एक्सलेटरों की मदद से अनेक देशों ने नाभिकीय सुविधाओं का विस्तार किया है।





मंगलवार को राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ कांजीलाल का स्वागत करते सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड के वीसी प्रो नंद कुमार यादव।

**सेमिनार**

- सीयूजे के भौतिकी विज्ञान केन्द्र की ओर से हो रहा आयोजन.
- नाभिकीय भौतिकी का उपयोग मनुष्यता के लिए हो: वीसी

**शोध की अपार संभावनाएं**

जाने-माने पार्टिकल विशेषज्ञ व टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च, मुंबई के निदेशक डा. वीएम दातार ने कहा, झारखंड में नाभिकीय शोध में जरूरी पदार्थ प्राकृतिक रूप से मौजूद हैं। इस दिशा में शोध के साथ रोजगार की भरपूर संभावनाएं हैं। कांफ्रेंस के चेयरमैन और केन्द्र के अध्यक्ष प्रो. सारंग मेधेकर ने स्वागत किया। मौके पर डॉ धर्मेंद्र सिंह, डा. विनीत अगोतिया, डा. आशीष मिश्र, रजिस्ट्रार प्रो. आरके डे मौजूद रहे।

विद्या विकास के बच्चों ने देखा हिन्दुस्तान

पिंटू को स्कूल ने किया सम्मानित

एनसीसी नेशन...

# देश में ऊर्जा की प्रचुरता न्यूक्लियर फिजिक्स के बिना असंभव : प्रो. इंदु

सीयूजे में न्यूक्लियर ऐंड एक्सलेटर फिजिक्स पर नेशनल वर्कशॉप में अतिथि।

एजुकेशन रिपोर्टर | रांची

सीयूजे के वीसी प्रो. नंद कुमार यादव इंदु ने कहा कि देश में ऊर्जा की प्रचुरता न्यूक्लियर फिजिक्स के बिना असंभव है। न्यूक्लियर एंड एक्सलेटर फिजिक्स देश के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। यह स्वास्थ्य, खाद्यान्न व राष्ट्रीय सुरक्षा में कारगर साबित हो सकता है। वे मंगलवार को न्यूक्लियर एंड एक्सलेटर फिजिक्स विषय पर आयोजित तीन दिनी नेशनल वर्कशॉप के उद्घाटन मौके पर बोल रहे थे।

प्रो. इंदु ने कहा कि विश्व में नाभिकीय विज्ञान का जिक्र आते ही परमाणु बम का नाम आता है। ऐसा लगता है कि इस विज्ञान का उपयोग केवल परमाणु बम बनाने के लिए ही किया जाता है। इससे पहले अतिथियों का स्वागत प्रो. सारंग मेधकर ने किया। वर्कशॉप के संयोजक डॉ. धर्मेंद्र सिंह ने विषय प्रवेश कराया। संचालन डॉ. आशीष कुमार मिश्र और धन्यवाद ज्ञापन विनीत कुमार अगोतिया ने किया। वर्कशॉप में विभिन्न राज्यों के प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं।

## मानव कल्याण के लिए हो उपयोग : डॉ. कंजीलाल

आईयूसीएए दिल्ली के डायरेक्टर डॉ. डी. कंजीलाल ने कहा विश्व के गिने-चुने नाभिकीय शोध केंद्रों में भारत के शोध केंद्रों का भी नाम आता है। इतना ही नहीं भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा निर्मित एक्सलेटरों की मदद से अनेक देशों ने नाभिकीय सुविधाओं का विस्तार किया है। यदि हम इस ऊर्जा का उपयोग सोच-समझकर करें तो मानव कल्याण में यह बड़ा कारगर साबित होगा।

## राज्य में रिसर्च की काफी संभावनाएं : डॉ. दातार

टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च सेंटर, मुंबई के डायरेक्टर डॉ. वीएम दातार ने कहा कि नाभिकीय रिसर्च के लिए जरूरी यूरेनियम (प्राकृतिक) झारखंड में है। देश में सबसे पहले यूरेनियम झारखंड में ही पाया गया था। ऐसे में इस दिशा में झारखंड में रिसर्च की काफी संभावनाएं हैं। विज्ञान के क्षेत्र में रोजगार की भी यहां असीम संभावनाएं हैं। हमें इसे विस्तार देना होगा।

## बीआईटी : शिक्षकों को रोचक तरीके से पढ़ाने के टिप्स

रांची | ग्रामीण व आदिवासी स्कूलों के स्टूडेंट्स को साइंस विज्ञान से जोड़ने

# एक ही सर्वर में होगा देशभर की सेंट्रल यूनिवर्सिटी का डेटा

## क्लाउड कंप्यूटिंग से होगा संभव, यूजीसी ने शैक्षणिक संस्थाओं के लिए जारी किया सर्कुलर

संजय मिश्रा | बिलासपुर

देश भर की सेंट्रल यूनिवर्सिटी का डेटा अब एक ही सर्वर पर सुरक्षित होगा। क्लाउडिंग कंप्यूटिंग के जरिए यह संभव होगा। यूजीसी ने सभी सेंट्रल यूनिवर्सिटी के एप्लीकेशंस को क्लाउडिंग कंप्यूटिंग के जरिए डेटा सुरक्षित रखने के लिए सर्कुलर जारी किया है। इसके लिए यूनिवर्सिटी को आवेदन करना होगा।

अब तक सभी सेंट्रल यूनिवर्सिटी खुद की सहुलियत के हिसाब से ऑनलाइन सॉफ्टवेयर बनाती रही हैं। सभी का उद्देश्य यही रहता है कि काम ऑनलाइन होने के साथ डेटा भी सुरक्षित रहे। सीयू में यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट सिस्टम बनाया गया है। अब यूजीसी यह चाहती है कि देश भर की सेंट्रल यूनिवर्सिटी अपने एप्लीकेशंस को कंबाइन कर उसे क्लाउडिंग कंप्यूटिंग के जरिए जोड़े। इससे डेटा कहीं से भी एक्सेस किया जा सकेगा। इसके लिए संस्थानों के पास इंटरनेट की सुविधा होना अनिवार्य है। अब यह सारी सुविधा वेब सेवाओं के जरिए मिलेगी। यही नहीं, गूगल गियर के जरिए आपको इस तरह की बहुत सारी सुविधाएं ऑफ-लाइन भी मिला करेंगी।

### ये लाभ होंगे

- इसे चलाने का खर्च भी कम है क्योंकि इसमें उपभोग के अनुसार भुगतान की सुविधा है।
- यह अमेजन डॉट कॉम जैसी बड़ी विश्वसनीय कंपनियों की ओर से दी जाने वाली सेवा है।
- कम या ज्यादा क्षमता में इसे खरीदा जा सकता है। यह बदलाव एक घंटे से भी कम समय में है।
- क्लाउड ऊर्जा की बचत करने के साथ ही कार्बन उत्सर्जन कम कर पर्यावरण को बचाने में सहायक है।

## नेट एग्जाम में शामिल हुआ योग, सिलेबस में गीता और वेदों के अंश

भारतीय संस्कृति में गीता-उपनिषद को आत्मिक शांति और सांसारिक जीवन में मुक्ति का मार्ग दिखाने वाले ग्रंथ के रूप में देखा जाता है, परंतु अब ग्रंथ पढ़कर योग टीचर बना जा सकता है। नेट एग्जाम के लिए तैयार किए गए योग के सिलेबस में भागवत गीता और वेदों के अंशों को लिया गया है। बिलासपुर यूनिवर्सिटी के प्रो सौमित्र तिवारी ने बताया कि वर्तमान में 94 विषयों को नेट एग्जाम में शामिल किया गया है। नेट एग्जाम के सिलेबस में दस बिंदु बनाए गए हैं, जिनमें योग के सभी पहलुओं को शामिल किया गया है।

### यह है कारण

नेट में योग विषय को शामिल करने का उद्देश्य यही है कि यूजी और पीजी लेवल पर कोर्स तो चल रहे हैं, लेकिन योग शिक्षकों की बेहद कमी है। नेट में यह विषय नहीं होने के कारण योग शिक्षक की नियुक्ति नहीं हो पा रही थी। यूजीसी ने सभी यूनिवर्सिटी को सर्कुलर जारी कर योग पर सिलेबस की जानकारी दी है, ताकि स्टूडेंट नेट की तैयारी इसके अनुसार कर सकें।

# सीयूजे में अब योग और हिंदी की भी पढ़ाई

रांची। सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड (सीयूजे) में अगले सत्र से हिंदी और योग की पढ़ाई शुरू होगी। इसके लिए सेंटर फॉर योगा एंड स्पोर्ट्स एवं सेंटर फॉर हिंदी खोला जाएगा। यह निर्णय सीयूजे एकेडमिक काउंसिल की बुधवार को आयोजित बैठक में लिया गया।

**ढाई साल बाद हुई बैठकः** सीयूजे एकेडमिक काउंसिल की बैठक ढाई साल बाद आयोजित किया गया था। सीयूजे के पीआरओ देवव्रत सिंह ने बताया कि पांच साल के इंटीग्रेटेड कोर्स को दो साल का पीजी कोर्स किया जाएगा। पीएचडी के लिए यूजीसी की ओर से लागू नए नियमों के अनुसार आर्डिनेंस पास किए गए। बैठक में नियुक्ति व प्रोन्नति के नए मापदंड तय करने के साथ साथ कई लंबित मामलों में निर्णय लिए गए।

## सेंट्रल यूनिवर्सिटी झारखंड के पूर्व ओएसडी को राहत

रांची | सेंट्रल यूनिवर्सिटी झारखंड के पूर्व ओएसडी नरेंद्र पाल गर्ग की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने उन्हें गुरुवार को राहत दी। उनके विरुद्ध पीड़क कार्रवाई पर रोक लगा दी। सीबीआई को जबाव दाखिल करने का आदेश दिया। मामले की अगली सुनवाई 24 अक्टूबर को होगी। गर्ग पर आरोप है कि उन्होंने भवन निर्माण में टेंडर प्रक्रिया का पालन नहीं किया। इस संबंध में उन पर प्राथमिकी दर्ज है।

# केंद्रीय शिक्षा मंत्री से मिले सीयूजे के कुलपति



नई दिल्ली में गुरुवार केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर से मिले नंदकुमार यादव।

रांची | संवाददाता

सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड (सीयूजे) के कुलपति नंदकुमार यादव इंदु गुरुवार की शाम केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रकाश जावड़ेकर से मिले। उन्होंने केंद्रीय मंत्री को सेंट्रल यूनिवर्सिटी के हालातों से अवगत कराया। कहा कि झारखंड में सेंट्रल यूनिवर्सिटी किराए के कैंपस में चल रहा है। इसके चलते यूजीसी ने यूनिवर्सिटी का ग्रांट (मिलनेवाले अनुदान) को रोक दिया है। वीसी की बातों को गंभीरता से सुनने के बाद केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वह इस मामले को निजी स्तर पर देखेंगे। अनुदान क्यों रोका गया है? इसे लेकर यूजीसी के अधिकारियों से बात करेंगे। जल्द ही समस्या का समाधान निकालने का प्रयास करेंगे। बताते चलें कि सीयूजे के वीसी इंदु इससे पहले झारखंड के मुख्यमंत्री रघुवर दास और मुख्य सचिव राजबाला वर्मा से मिल चुके हैं।

केंद्रीय विवि के विद्यार्थियों से राष्ट्रपति ने कहा

# अक्षमता और खराब गुणवत्ता के काम को बरदाश्त न करें युवा

राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देश के सभी केंद्रीय विवि के विद्यार्थियों (नया सत्र) को संबोधित किया.

मुख्य संवाददाता @ रांची

राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने देश के सभी केंद्रीय विवि के विद्यार्थियों से कहा कि समस्याओं के साथ जीने से अच्छा है कि उसके निदान की खोज कर जीयें. युवाओं को लगातार इस दिशा में कोशिश करने की आवश्यकता है. हमें अपने अंदर इस भावना को तत्परता से विकसित करना होगा. समय किसी और का इंतजार कर रहा है. ऐसे में कड़ी प्रतिस्पर्द्धा के इस माहौल में अपने-आपको तैयार रखना होगा. राष्ट्रपति ने कहा कि युवा शक्ति देश में अक्षमता, खराब गुणवत्ता काम को बर्दाश्त नहीं करें. अपनी मानसिकता बदलें, जड़ता समाप्त करें और विकास की राह में अपना योगदान दें. राष्ट्रपति गुरुवार दोपहर 12.30 बजे सभी केंद्रीय विश्वविद्यालय के नये सत्र के विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षकों के साथ राष्ट्रपति भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रू-ब-रू हुए. केंद्रीय विवि, झारखंड में भी इसकी समुचित व्यवस्था की गयी थी.

झारखंड केंद्रीय विवि

## अपना दृष्टिकोण बदलना होगा

राष्ट्रपति ने कहा कि वे अपने जीवन में विकसित भारत देखने की उम्मीद रखते हैं. हमें विकास की प्रक्रिया में सभी लोगों को शामिल करना होगा. अपना दृष्टिकोण बदलना होगा. हमारा विकास मॉडल लोगों की आकांक्षाओं से जुड़ा हुआ है. वैश्विक मॉडल को अपनाना होगा. उन्होंने नये सत्र के विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि वे अपने सामूहिक प्रयास से विकसित भारत बनाने की दिशा में कार्य करें. कलाकारों, मूर्तिकारों को प्रोत्साहित करें. युवा पीढ़ी को सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था की दिशा में योगदान करने के लिए रुचि पैदा करानी होगी. रोजगार गारंटी योजना, कौशल विकास को बढ़ावा देना होगा. श्री मुखर्जी ने कहा कि समयबद्ध तरीके से समस्याओं का निदान करना होगा. देश में अन्य संस्थानों के अलावा अच्छे अनुसंधान संस्थानों की स्थापना होनी चाहिए.

## कुछ नया करने की इच्छा को बनायें जीवन का हिस्सा

राष्ट्रपति ने कहा कि जनवरी 2014 के बाद से छठी बार वे इस तरह विद्यार्थियों के साथ रू-ब-रू हो रहे हैं. भारत की कुल आबादी 1.28 अरब में 600 मीलियन से अधिक युवा हैं. महत्वाकांक्षी भारत की पूरी क्षमता का अहसास करने के लिए युवाओं की शक्ति की जरूरत है. इसके लिए रचनात्मक सोच और कुछ नया करने की इच्छा हमारे दिन-प्रतिदिन के जीवन का एक हिस्सा बन जानी चाहिए. राष्ट्रपति ने कहा कि तीन दशकों में भारत का आर्थिक प्रदर्शन बेहतर रहा है. फिर भी हमें गरीबी, असमानता, बेरोजगारी, संसाधन की कमी से जूझना पड़ रहा है. जब वे गांव जाते हैं, तो देखते हैं कि महिलाएं घंटों पानी में अपने पैर डाले हुए पीठ झुका कर धान का बिचड़ा रोपने जैसा कष्टप्रद काम करती हैं. क्या हम इसमें सुधार नहीं ला सकते हैं? नयी तकनीक क्यों नहीं इजाद कर सकते? युवा इस ओर भी सोचें. जमीनी स्तर पर नवीनता लाने की दिशा में काम करने की आवश्यकता है. सामाजिक जरूरतों और अपर्याप्त वितरण प्रणाली के बीच के अंतर को बंद करना होगा. साथ ही इनोवेशन करने की दिशा में लगातार कोशिशें करनी होंगी.

# स्थानीय भाषा लुप्त होने के जिम्मेवार हम: नितिन

रांची | संवाददाता

झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के जनसंचार केंद्र में राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से नवाजे गए युवा निर्माता नितिन चन्द्रा मंगलवार को पहुंचे। यहां उन्होंने फिल्म निर्माण और भाषा पर व्याख्यान दिया। कहा कि बिहार और झारखंड की स्थानीय भाषाएं लुप्त हो रही हैं। इसके लिए हम खुद ही जिम्मेदार हैं। यहां लोगों ने अपनी घरेलू भाषाओं को छोड़कर या तो हिन्दी या फिर अंग्रेजी अपना लिया है।

**नहीं बन रही स्तरीय फिल्में**

झारखंड की सिनेमा का हवाला देते हुए कहा कि आज भोजपुरी, मैथिली, अंगिका, नागपुरी, खोरठा और संथाली भाषाओं में स्तरीय फिल्में नगण्य हैं। जो फिल्में बन भी रही हैं, वो फूहड़ हैं और उन्हें परिवार के साथ बैठकर नहीं देखा जा सकता। यहां का समाज पूरी तरह से हिन्दी फिल्मों की चपेट में आ चुका है। ऐसे में स्थानीय भाषाओं को सहेजना काफी मुश्किल हो गया है।

**बांग्ला, मराठी, तेलुगू सिनेमा से सीखने की जरूरत**

मिथिला मखान और देसवा जैसी चर्चित फिल्म के निर्माता ने बताया कि बांग्ला, मराठी, तमिल, तेलुगू, कन्नड़, गुजराती और असमिया फिल्मों से सीखने की जरूरत है। उनकी फिल्मों ने देश-विदेश में अपनी पहचान बनाई है। उन्हें अपनी भाषाओं पर गर्व है। यही कारण है कि वे बेहतरीन फिल्मों का निर्माण कर रहे हैं।

इस अवसर जनसंचार केंद्र के अध्यक्ष डॉ देवव्रत सिंह, जनजातीय लोककथा, भाषा और साहित्य के अध्यक्ष डॉ रवींद्रनाथ शर्मा, शिक्षक सुधांशु शेखर, राजेश कुमार, डॉ परमवीर सिंह, डॉ रजनेश पांडे और कुणाल आनंद सहित विभिन्न केंद्रों के काफी विद्यार्थी मौजूद थे।

सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड के विद्यार्थियों के साथ निर्माता नितिन चंद्रा। नितिन ने छात्रों को फिल्म निर्माण के टिप्स दिए।

# 150 विद्यार्थियों ने किया रक्तदान

रांची। सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड में शुक्रवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह रिम्स और एनएसएस के सहयोग से किया गया। लगभग 150 से अधिक छात्रों ने इसमें हिस्सा लिया। मौके पर वीसी नंद कुमार यादव इंदू ने कहा कि छात्रों ने बड़ा ही नेक काम किया है। मौके डॉ वाल्टर बेक, डॉ रंजीत कुमार, केवी झा, डॉ मयंक रंजन, अमन चौरसिया, अमन गुप्ता, विवेक राय सहित कई अन्य शामिल रहे।

# दीप्ति बनी सीयूजे की पहली डिग्रीधारी

रांची। सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड में पहली बार आधिकारिक रूप से किसी विद्यार्थी को डिग्री दी गई है। ऐसा सात साल में पहली बार हुआ है। मंगलवार को फिजिक्स विभाग की छात्रा दीप्ति को वीसी नंद कुमार यादव इंदू ने डिग्री दी। विवि बनने के सात साल बाद भी दीक्षांत समारोह नहीं हुआ है। ऐसे में पिछली एकेडेमिक काउंसिल की बैठक में फैसला लिया गया कि जिन छात्रों को डिग्री की जरूरत है, उन्हें सौंप दिया जाए। अभी तक फैसला नहीं हुआ है कि डिग्री समारोह कब होगा।

# प्रभात खबर

## सिटीअपडेट

### केंद्रीय विवि में पीएचडी काउंसलिंग 22 अगस्त को

**रांची.** केंद्रीय विवि झारखंड में 20 विषयों में पीएचडी में नामांकन के लिए काउंसलिंग सह साक्षात्कार अब 22 अगस्त को होगा. पूर्व में यह 19 अगस्त को होना था. पीएचडी में नामांकन के समय विद्यार्थियों को 21,200 रुपये जमा करने होंगे. इसमें 600 रुपये मेडिकल व पांच हजार सिक्यूरिटी मनी भी शामिल हैं. इधर, विवि में स्नातक स्तर पर नामांकन के लिए तीसरी काउंसलिंग समाप्त हो गयी है.

**शिक्षा विभाग ने**

# सीयूजे में जल्द दिखेगा बदलाव

## वीसी का एक साल

- सीयूजे में कई गड़बड़ियों को ठीक करने का किया वीसी का दावा
- कहा- कम संसाधन के बावजूद चल रहे 22 कोर्स

रांची | आनंद दत्त

सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड (सीयूजे) के वीसी नंदकुमार यादव ने एक अगस्त को अपने कार्यकाल का एक साल पूरा किया। उन्होंने आने के बाद कई गड़बड़ियों को ठीक करने का काम शुरू किया। फिर भी अभी कई काम होने बाकी हैं, जिनमें प्लेसमेंट की स्थिति सामान्य से भी नीचे होना, कैंपस में पानी और शौचालय सफाई की समस्या बरकरार है। स्थाई शिक्षकों की भारी कमी है। संसाधन कम रहने के बाद भी 22 कोर्स चलाए जा रहे हैं। इस मौके पर उनसे खास बातचीत।

नंदकुमार यादव, वीसी सीयूजे

**इस वर्ष की बड़ी उपलब्धि क्या रही?**

छात्रावास की समस्या को हल किया है। ढ़ाई साल के बाद तीन अगस्त को एकेडेमिक काउंसिल की बैठक बुलाई गई है। विवि संचालन और कोर्स संचालन के लिए नियम बनाए गए हैं। जगह की कमी को दूर किया जा रहा है। बड़े हॉल को टुकड़ों में बांटा जा रहा हैं, ताकि बच्चे ठीक से बैठ सके। यह सब पांच दस दिन में हो जाएगा। इसके बाद सभी शिक्षकों की बैठक बुलाएंगे कि यह फिक्स कीजिए कि क्लास लगातार चलती रहे।

**कितनी बाधाएं आ नजर रही है?**

जगह की कमी की वजह से नए विभाग नहीं खोल पा रहे हैं। हर साल लीज बढ़ाने के लिए सरकार को अनुरोध करना पड़ता है।

**पुराने कोर्स ठीक से चल नहीं रहे हैं?**

उसके लिए कोर्स संचालन निमय बनाए गए हैं। फाइव ईयर इंटीग्रेटेड कोर्स को तीन साल का करने पर विचार चल रहा है। इस बीच भारत सरकार ने हाई लेवल कमेटी बनाई है। यूजीसी, इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट इंडिया लिमिटेड, सीयूजे के सदस्य यह तय करेंगे कि रास्ता कैसे निकालें।

**एमएचआरडी और झारखंड सरकार से क्या उम्मीदें हैं?**

अभी जो बिल्डिंग बनकर तैयार है, वह सीयूजे के नाम तो है भी नहीं। वह तो एमएचआरडी के नाम ही है। हमको तो म्यूटेशन भी करना बाकी है। ऐसे में सबकुछ उन्हीं के हाथ में है। भवन दिलाने में मदद की उम्मीद करते हैं। वहीं राज्य सरकार को वहां सड़क, पानी सप्लाई, पावर ग्रिड आदि बनाने हैं। सीबीआई की सुनवाई के बीच इन निर्माण को कैसे पूरा किया जाए, इसपर राज्य सरकार से मदद की जरूरत है। या फिर सरकार कहीं हमको सौ एकड़ जमीन देदे, हम नया निर्माण कर लेंगे। नहीं तो जहां अभी चल रहा है, वही पूर्ण रूप से दे दें।

**कौन सा निर्णय गलत लिया?**

कोई भी निर्णय वीसी अकेले नहीं लेता। मैंने जब भी कोई फैसला लिया है, वह सभी विभागों के प्रोफेसरों, संबंधित अधिकारियों के मशविरा के बाद ही लिया है। यदि कुछ सही हुआ है तो या फिर गलत हुआ है तो, सबके हिस्से में क्रेडिट जाता है। तैयार भवन में शिफ्ट होने की संभावना फिलहाल नजर नहीं आ रही है। ब्रांबे कैंपस में जगह की कमी है। हाल ही में सहायक प्रोफेसर नियुक्ति में विभागाध्यक्षों के बीच आपसी खींचतान भी खुलकर सामने आई है।

# प्रभात खबर

## न्यूजअपडेट

### केंद्रीय विवि में प्रो संतोष तिवारी को विदाई दी गयी

रांची. झारखंड केंद्रीय विवि के जनसंचार केंद्र के पूर्व अध्यक्ष प्रो संतोष कुमार तिवारी के सेवानिवृत्ति के अवसर पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर कुलपति प्रो नंद कुमार यादव इंदु ने उन्हें सम्मानित किया. प्रो तिवारी ने लगभग साढ़े पांच साल तक विवि में सेवा दी. अब वे लखनऊ विवि में एमिरेटस प्रोफेसर के रूप में जुड़े रहेंगे. इस अवसर पर केंद्र के अध्यक्ष डॉ देवव्रत सिंह ने प्रो तिवारी के कार्यों की सराहना की. प्रो तिवारी ने कहा कि यह विवि पूर्वी भारत में शिक्षा का प्रमुख केंद्र बनेगा. समारोह में उप कुलसचिव हरीश मोहन सहित विवि के सभी प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी व शिक्षक उपस्थित थे.

# सीयूजे के प्रोफेसर को दी विदाई

रांची। झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) के जनसंचार केंद्र के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर संतोष कुमार तिवारी सेवानिवृति हो गए। इस अवसर पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वीसी प्रोफेसर नंद कुमार यादव इंदु ने उन्हें शॉल देकर सम्मानित किया और भविष्य में उनके बेहतर स्वास्थ्य की कामना की। सेवानिवृति के बाद भी वह लखनऊ विश्वविद्यालय में एमिरेटस प्रोफेसर के रूप में जुड़े रहेंगे। प्रो संतोष तिवारी ने बताया कि वह पूरे पांच साल सीयूजे में रहे। इस दौरान सबसे खास बात यहां का मौसम और आदिवासियों की ईमानदारी लगी। वाकई ये लोग बहुत ही सरल हैं।

# सेंट्रल यूनिवर्सिटी की मेरिट लिस्ट जारी

रांची | संवाददाता

देश भर के केंद्रीय विश्वविद्यालयों के लिए आयोजित परीक्षा सीयूसीईटी का परिणाम जारी कर दिया गया है।

साथ ही काउंसिलिंग की तारीख भी घोषित कर दी गई है। देशभर के कुल आठ सीयू के लिए यह काउंसिलिंग होने जा रही है। सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड (सीयूजे) में कुल 18 कोर्स में दाखिला होना है। यह परीक्षा 21-22 मई को आयोजित की गई थी। झारखंड में कुल चार जगहों पर इसके सेंटर बनाए गए थे।

## जो साथ में ले जाएं

- सीयूसीईटी का स्कोर कार्ड, चार पासपोर्ट साइज फोटो, दो स्टांप साइज फोटो
- 10वीं, 12वीं, ग्रेजुएशन के सभी कागजात
- ट्रांसफर या माइग्रेशन प्रमाण पत्र (अगर है तो)
- जिन छात्र का डिग्री या मार्क्सशीट नहीं मिला है, प्रोविजनल लेकर आएं
- ओरिजनल प्रमाणपत्र नहीं रहने पर सेल्फ अटेस्टेड कॉपी लेकर आएं
- 16 अगस्त से पहले ओरिजनल जमा करना होगा, जाति सहित सभी प्रमाणपत्र का फोटोकॉपी जरूर ले जाए
- स्पोर्ट्स कोटा वाले छात्र भी प्रमाण पत्र लेकर जाएं (राज्य, राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय)
- एडमिशन फीस भी लेकर जाएं

## प्रमुख तिथि

- 27 जुलाई को पहली मेरिट लिस्ट जारी
- 4 जुलाई को काउंसलिंग-एडमिशन शुरू
- 5 जुलाई को पहली लिस्ट की खाली सीटें भरी जाएगी
- 6 जुलाई दूसरी मेरिट लिस्ट जारी
- 12 जुलाई दूसरी लिस्ट की काउंसिलिंग-एडमिशन शुरु
- 13 जुलाई खाली भरे हुए सीटों को भरा जाएगा
- 26-27 जुलाई पीएचडी कोर्स के लिए काउंसिलिंग

सीयूजे केन्द्रीय विश्वविद्यालय झारखंड (सीयूजे) में छात्रों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने योगाभ्यास किया। इस अवसर पर वीसी प्रो नंद कुमार यादव इंदु ने कहा कि योग मात्र कुछ आसन नहीं हैं, बल्कि पूरा विज्ञान है। कार्यक्रम में झारखंड स्टेट योग एसोसिएशन की छात्राओं ने ने प्रस्तुति दी। मौके पर राजेश कुमार, कुलसचिव डॉ मनोज कुमार, प्रो एस मेधेकर, प्रो एसी पांडे, डॉ अजय सिंह समेत कई अन्य मौजूद थे।

# सेंट्रल यूनिवर्सिटी में राष्ट्रवाद पर सेमिनार

रांची | सीयूजे में राष्ट्रवाद और युवा सेना, सरहद व शैक्षणिक संस्थान विषय पर सेमिनार हुआ। इसमें रिटायर्ड कर्नल डॉ. संजय सिंह ने कहा कि सेना सरहद पर पहरा देती है। तभी यहां अभिव्यक्ति की आजादी पर बहस होती है। वामपंथी विचारधारा के रहनुमाओं को पांच दिन सियाचिन में रहना चाहिए, इनकी देशद्रोही गतिविधियां स्वतः समाप्त हो जाएंगी। एबीवीपी के याज्ञवल्क्य शुक्ल ने बौद्धिक आतंकवाद को जड़ से समाप्त करने के लिए युवाओं को आगे आने का आह्वान किया। मौके पर सनातन धर्म कॉलेज के डॉ. अमित सिंह, सीयूजे के शिक्षक मयंक रंजन समेत अन्य ने भी विचार रखे।

# सेंट्रल यूनिवर्सिटी की टीम अध्ययन के लिए जाएगी चीन

रांची | सांगसी यूनिवर्सिटी के न्योते पर सेंट्रल यूनिवर्सिटी झारखंड (सीयूजे) की टीम चीन जा रही है। टीम के सदस्य 13 से 19 जून तक वहां शैक्षणिक विकास का अध्ययन करेंगे। नेतृत्व वीसी डॉ. नंद कुमार यादव इंदु करेंगे। सदस्यों में रजिस्ट्रार आरके डे, परीक्षा नियंत्रक प्रो. मेधेकर, डीन डॉ. अजय सिंह और उप कुलसचिव हरीश मोहन शामिल हैं। सांगसी यूनिवर्सिटी के साथ संगीत, कला, कानून समेत अन्य मुद्दों पर द्विपक्षीय सहयोग की उम्मीद है। टीम के सदस्य बीजिंग यूनिवर्सिटी भी जाएंगे। वीसी ने बताया कि चीन के विश्वविद्यालयों साथ सालों से सीयूजे का शैक्षणिक स्तर पर द्विपक्षीय सहयोग रहा है। इसी साल 29 फरवरी को वहां के कन्फ्यूशियस इंस्टीट्यूट हेडक्वार्टर, हानबानद्ध के साथ चीनी भाषा के आदान-प्रदान पर समझौता हुआ था।

निखारने में भी मदद मिलती है. लोगों ने विश्व योग दिवस पर वि

## झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय

रांची. झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास का प्रशिक्षण दिया गया. यहां विवि के कुलपति व बिहार स्कूल आफ योग के शिक्षक आचार्य धर्मेंद्र सिंह ने योग की महत्ता पर प्रकाश डाला. मौके पर शिक्षक व छात्र मौजूद थे.

केंद्रीय विद्यालय नंबर एक

# खत्म होगा ऊंच-नीच का भेदभाव

## आरएसएस के उत्तर-पूर्व क्षेत्र संघ के प्रशिक्षण को भैया जी जोशी ने किया संबोधित

भास्कर न्यूज | कांके

भारत माता की जय-जयकारा केवल नारा नहीं बल्कि भाव है। इससे ही हिंदू समाज में जाति और ऊंच-नीच का भेदभाव खत्म होगा। ये बातें आरएसएस के सरकार्यवाह भैयाजी जोशी ने शनिवार को आरएसएस के उत्तर-पूर्व क्षेत्र संघ शिक्षा वर्ग के 20 दिनी प्रशिक्षण के समापन के अवसर पर कही। प्रशिक्षण का आयोजन शारदा ग्लोबल स्कूल बुकरु कांके में हुआ। उन्होंने कहा कि समता के लिए बंधुत्व का भाव आवश्यक है। भारत माता की जय बोलने में उनको ही संकोच होता है, जो स्वयं को बुलबला मानते हैं। इसमें पूजा पद्धति का कोई मतलब नहीं है। कहा कि भारत पूरी शक्ति के साथ खड़ा हो जाए और इसका विकास हो यही आरएसएस का एकमात्र उद्देश्य है।

कहा कि महिलाओं के प्रति अपराध हो रहे हैं, यह चिंता का विषय है। भैया जी ने कहा कि सरकार सर्वेसर्वा नहीं है। उसकी जिम्मेवारी व्यवस्था देने की है। लेकिन संचालन में हस्तक्षेप करने से गड़बड़ी आती है।

ध्वज प्रणाम के दौरान मंच सरकार्यवाह भैयाजी जोशी, डॉ. नंद कुमार इंदू व अन्य।

### राष्ट्र निर्माण का लें संकल्प : डॉ. इंदू

सीयूजे के वीसी डॉ. नंद कुमार इंदू ने कहा कि आज देश को एक रखना सबसे बड़ी चुनौती है। समरसता और सर्वांगीण विकास बड़ी चुनौती है। संघ में वैचारिक एकता है। इस कारण 91 वर्ष बाद भी यह और मजबूती से कार्य कर रहा है। कहा कि संघ राष्ट्र निर्माण की बात करता है। जिस तरह व्यक्ति निर्माण के लिए अनुशासन और कठोर संकल्प की आवश्यकता होती है, उसी तरह राष्ट्र निर्माण के लिए भी हर नागरिक में कठोर अनुशासन और संकल्प जरूरी है।

### स्वयंसेवकों ने लिया प्रशिक्षण

22 मई से शुरू हुए प्रशिक्षण शिविर में प्रथम और द्वितीय वर्ष सामान्य के कुल 359 स्वयंसेवक शामिल हुए। इसमें प्रथम वर्ष के झारखंड से 208 और द्वितीय वर्ष के बिहार के 151 स्वयंसेवक शामिल थे। सभी को सेवा और प्रचार के साथ ही वैदिक गणित, संस्कृत, प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण दिया गया। समापन समारोह में स्वास्थ्य मंत्री रामचंद्र चंद्रवंशी, खेल मंत्री अमर बाउरी, शिक्षा मंत्री नीरा यादव, सांसद रवींद्र राय, रामटहल चौधरी, विधायक डॉ. जीतू चरण राम आदि शामिल हुए।

# सर्कुलेशन के बाद सीयूजे में फहरने लगा तिरंगा

रांची | संवाददाता

सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड (सीयूजे) में अब हर दिन तिरंगा फहर रहा है। ऐसा केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सर्कुलेशन जारी होने के बाद हुआ है। पिछले 19 मार्च से इसकी शुरुआत की गई। एडमिन ब्लॉक के सामने तिरंगा फहराने के लिए पहले से ही जगह तय था। यहां 15 अगस्त और 26 जनवरी को तिरंगा फहराया जाता रहा है, लेकिन यहां अब हर दिन तिरंगे को सलामी दी जा रही है।

पिछले माह केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय की तरफ से एक दिशा निर्देश जारी किया गया था। इसमें कहा गया था कि हर केंद्रीय विद्यालयों, विश्वविद्यालयों में तिरंगा लगे। उसे हर दिन पूरे नियमानुसार फहराया जाए। इसके बाद यहां ऐसा किया गया है। सीयूजे के वीसी प्रो नंद कुमार यादव इंदू ने बताया कि यह किसी भी नागरिक के लिए सम्मान की बात है कि वह हर दिन तिरंगे को सलामी दे। देशप्रेम की भावना का हर छात्र में होना जरूरी है। यह देश के विकास के लिए जरूरी है।

## छात्रों की राय



अंशु कुमार - पहले केवल 26 जनवरी और 15 अगस्त के दिन तिरंगे को हम याद करते थे। लेकिन अब हर दिन यह हमारे दिमाग पर असर करता रहेगा।

आलोक कुमार - किसी भी देश की सबसे बड़ी पूंजी होती है उसके देशभक्त नागरिक। तिरंगा देशभक्ति की निशानी है। इसे तो हर कैंपस में होना ही चाहिए था।

सोनाली सिंह - इसके लिए सर्कुलेशन लाने की जरूरत क्यों पड़ी। यह तो हर संस्थान को खुद कर लेना चाहिए था। राष्ट्रीय ध्वज को सलामी देना, हर भारतीय के लिए गर्व की बात है।

---

...शाखा कार्यक्रम स्कूल के प्राचार्य साइकोग्राफिक विकास कुमार ने ... कैंपस का महत्व ... ने विद्यार्थियों को ... जानकारी दी। अंजु ... च्चों को एकाग्रता ... गुर सिखाए। साथ ... त एकाग्रता तथा ... ी कार्यशाला में ... साथ मस्ती की। साइकोग्राफिक ... व्यक्त करते हुए ... स्वार्थ सहयोग के ... या। मौके पर ... मा सेनगुप्ता, ... शर्मा, शिक्षिका ... व अन्य शिक्षक- ... ।

...बुधवार को कुलपति डॉ रमेश कुमार पांडेय की अध्यक्षता में एफिलिएशन कमेटी की बैठक हुई। इसमें प्रोवीसी प्रो एम रजिउद्दीन, डीन सोशल साइंस डॉ ...

...को मंजूरीः साआइटी में बीटेक/एमटेक व एमबीएम कोर्स की पढ़ाई व एफिलिएशन विस्तार को मंजूरी दी गई। साथ ही, आरटीसी इंजीनियरिंग कॉलेज ...

# सीयूजे में सरदार पटेल जयंती महोत्सव आज से

रांची। सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड (सीयूजे) में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती वर्ष को सेलिब्रेट किया जा रहा है। इसके लिए गुरुवार से तीन दिनी कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। पीआरओ और मास कॉम विभाग के डीन देवब्रत सिंह ने बताया कि समारोह के अंतिम दिन राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू बतौर मुख्य अतिथि आ रही हैं। इससे पहले गुरुवार को पोस्टर मेकिंग, लेख और भाषण प्रतियोगिता होने जा रहा है। शुक्रवार को सुबह आठ बजे वाक फॉर यूनिटी, डॉक्यूमेंट्री फिल्म स्क्रीनिंग और सरदार वल्लभ भाई पटेल फोटो एग्जिबिशन लगाया जाना है। अंतिम दिन यानी शनिवार को जेएनयू के प्रोफेसर एमएन पाणिनी का विशेष व्याख्यान देंगे। शाम को पुरस्कार वितरण समारोह होगा।

---

# सीयूजे में धर्म, धर्मनिरपेक्षता विषय पर गोष्ठी

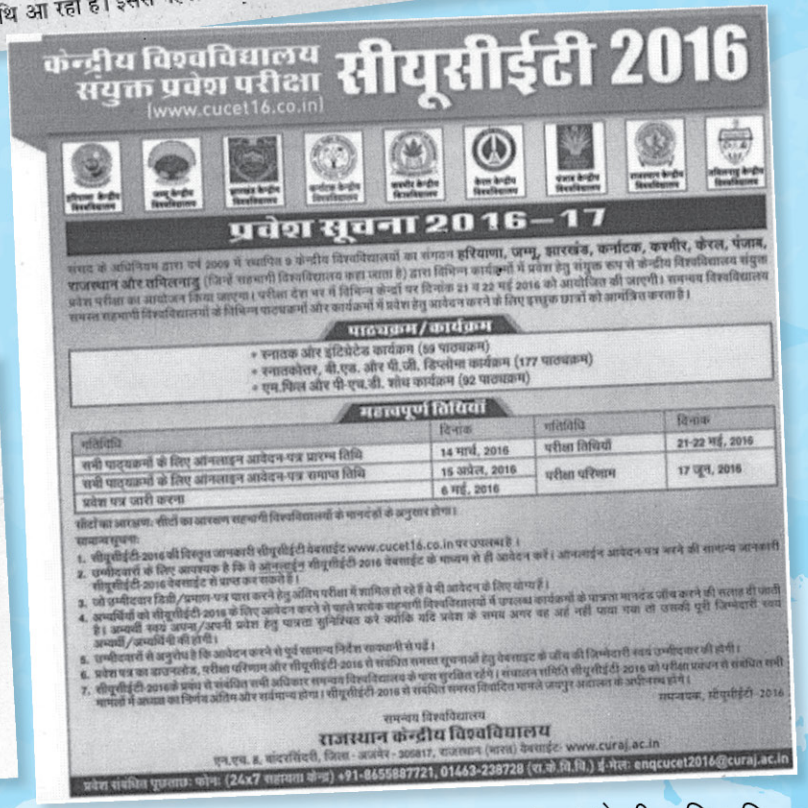

मांडर| ब्राम्बे स्थित सीयूजे में शुक्रवार को धर्मनिरपेक्षता, धर्म और धर्मांतरण विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया। झारखंड चैतन्य परिषद की ओर से आयोजित इस संगोष्ठी में कई विद्वानों ने अपने विचार रखें। मुख्य वक्ता प्रज्ञा प्रवाह केन्द्र काशी के क्षेत्रीय संगठन मंत्री रामाशीष ने कहा कि सनातन धर्म से ही सभी धर्मों की उत्पति हुई है। सनातन अभी भी धर्मों को अपने में समावेषित कर सकता है। वैसे तो विश्व में कई धर्म हैं, और उन्हें मानने वाले लोग भी हैं, लेकिन देखा जाए तो सनातन धर्म सभी धर्मों की जननी है। उन्होंने कहा कि धर्म को धर्म की तरह नहीं ले बल्कि धर्म को कर्तव्य की तरह लेना चाहिए।

---

# केन्द्रीय विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा सीयूसीईटी 2016

(www.cucet16.co.in)

## प्रवेश सूचना 2016–17

संसद के अधिनियम द्वारा वर्ष 2009 में स्थापित 9 केन्द्रीय विश्वविद्यालयों का संगठन **हरियाणा, जम्मू, झारखंड, कर्नाटक, कश्मीर, केरल, पंजाब, राजस्थान और तमिलनाडु** (जिन्हें सहभागी विश्वविद्यालय कहा जाता है) द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु संयुक्त रूप से केन्द्रीय विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। परीक्षा देश भर में विभिन्न केन्द्रों पर दिनांक 21 व 22 मई 2016 को आयोजित की जाएगी। समन्वय विश्वविद्यालय समस्त सहभागी विश्वविद्यालयों के विभिन्न पाठ्यक्रमों और कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु आवेदन करने के लिए इच्छुक छात्रों को आमंत्रित करता है।

### पाठ्यक्रम / कार्यक्रम

- स्नातक और इंटिग्रेटेड कार्यक्रम (59 पाठ्यक्रम)
- स्नातकोत्तर, बी.एड. और पी.जी. डिप्लोमा कार्यक्रम (177 पाठ्यक्रम)
- एम.फिल और पी-एच.डी. शोध कार्यक्रम (92 पाठ्यक्रम)

### महत्वपूर्ण तिथियां

| गतिविधि | दिनांक | गतिविधि | दिनांक |
|---|---|---|---|
| सभी पाठ्यक्रमों के लिए ऑनलाइन आवेदन-पत्र प्रारम्भ तिथि | 14 मार्च, 2016 | परीक्षा तिथियाँ | 21-22 मई, 2016 |
| सभी पाठ्यक्रमों के लिए ऑनलाइन आवेदन-पत्र समाप्त तिथि | 15 अप्रेल, 2016 | परीक्षा परिणाम | 17 जून, 2016 |
| प्रवेश पत्र जारी करना | 6 मई, 2016 | | |

सीटों का आरक्षण: सीटों का आरक्षण सहभागी विश्वविद्यालयों के मानदंडों के अनुसार होगा।

सामान्य सूचना:

1. सीयूसीईटी-2016 की विस्तृत जानकारी सीयूसीईटी वेबसाइट www.cucet16.co.in पर उपलब्ध है।
2. उम्मीदवारों के लिए आवश्यक है कि वे ऑनलाइन सीयूसीईटी 2016 वेबसाइट के माध्यम से ही आवेदन करें। ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की सामान्य जानकारी सीयूसीईटी-2016 वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।
3. जो उम्मीदवार डिग्री/प्रमाण-पत्र प्राप्त करने हेतु अंतिम परीक्षा में शामिल हो रहे हैं वे भी आवेदन के लिए योग्य हैं।
4. अभ्यर्थियों को सीयूसीईटी-2016 के लिए आवेदन करने से पहले प्रत्येक सहभागी विश्वविद्यालयों में उपलब्ध कार्यक्रमों के पात्रता मानदंड जाँच करने की सलाह दी जाती है। अभ्यर्थी स्वयं अपना/अपनी प्रवेश हेतु पात्रता सुनिश्चित करें क्योंकि यदि प्रवेश के समय अगर वह अर्ह नहीं पाया गया तो उसकी पूरी जिम्मेदारी स्वयं अभ्यर्थी/अभ्यर्थिनी की होगी।
5. उम्मीदवारों से अनुरोध है कि आवेदन करने से पूर्व सामान्य निर्देश सावधानी से पढ़ें।
6. प्रवेश पत्र का डाउनलोड, परीक्षा परिणाम और सीयूसीईटी-2016 से संबंधित समस्त सूचनाओं हेतु वेबसाइट के जाँच की जिम्मेदारी स्वयं उम्मीदवार की होगी।
7. सीयूसीईटी-2016 के प्रबंध से संबंधित सभी अधिकार समन्वय विश्वविद्यालय के पास सुरक्षित रहेंगे। संचालन समिति सीयूसीईटी 2016 को परीक्षा प्रबंधन से संबंधित सभी मामलों में अध्यक्ष का निर्णय अंतिम और सर्वमान्य होगा। सीयूसीईटी-2016 से संबंधित समस्त विवादित मामले जयपुर अदालत के अधीनस्थ होंगे।

समन्वयक, सीयूसीईटी-2016

समन्वय विश्वविद्यालय

**राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय**

एन.एच. 8, बांदरसिंदरी, जिला - अजमेर - 305817, राजस्थान (भारत) वेबसाइट: www.curaj.ac.in

प्रवेश संबंधित पूछताछ: फोन: (24x7 सहायता केन्द्र) +91-8655887721, 01463-238728 (रा.के.वि.वि.) ई-मेल: enqcucet2016@curaj.ac.in

हिन्दुस्तान

# रांची LIVE

युवा

फिरायालाल स्कूल में पुस्तिका सृजनम् का विमोचन किया गया। ...पेज 20

करियर

पिछले कुछ भारतीय अ... में काफी ब... आया है। ...

सातवें स्थापना दिवस पर कई कार्यक्रमों का किया गया आयोजन, पूर्ववर्ती छात्र हुए सम्मानित, मैराथन दौड़ में उमड़ी यूनिवर्सिटी

## देशज अंदाज पर झूमा सीयूजे

सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड (सीयूजे) ने छह साल पूरे कर लिए हैं। मंगलवार को संस्थान का सातवां स्थापना दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए दोपहर तीन बजते-बजते ऑडिटोरियम दर्शकों से खचाखच भर गया। स्वागत गान और दीप प्रज्वलन के बाद मंच पर देसी संस्कृति इठला उठी। नाटकों और शास्त्रीय नृत्य-संगीत की मनमोहक प्रस्तुतियों के साथ ही नागपुरी गीतों व मांदर नृत्य से दर्शकों को देर तक बांधे रखा। नाटकों में देश के समकालीन मुद्दे उठाए गए। देशभर में सीयूजे का नाम रोशन कर लौटे छात्रों को सम्मानित भी किया गया। इससे पूर्व सुबह हुई मैराथन में सैकड़ों छात्रों ने हिस्सा लिया।







अभी हमें और आगे जाना है : वीसी

इन छात्र-छात्राओं का किया गया सम्मान





# ऊर्जा के बदलते स्रोत पर रखे विचार

रांची | संवाददाता

ऊर्जा के पारंपरिक स्रोत पर निर्भरता हर दिन कम हो रही है। ऐसे में वैकल्पिक स्रोत पर गंभीरता से विचार और उसका प्रचार जरूरी है। इसी थीम के साथ गुरुवार को सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड में दी एनर्जिया का आयोजन किया गया। इस दो दिन के कार्यक्रम में कई तरह की प्रतियोगिताएं हो रही है, कई रिसर्च पेपर प्रस्तुत किए जा रहे हैं। इसका आयोजन सीयूजे के एनर्जी सोसाइटी के तरफ से किया गया है।

इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि पूर्व एंबेसडर एचपी हरन ने कहा कि सौर ऊर्जा में दुनिया भर में काम हो रहा है। लोग इस्तेमाल भी कर रहे हैं। कोशिश यह होनी चाहिए कि इसमें अधिक से अधिक इनोवेशन कर, आम जन के लिए सुलभ बनाया जाए।

वहीं पद्मश्री सिमोन उरांव ने कहा कि विदेशी तकनीकी के बदले देसी जुगाड़ पर अधिक फोकस करना चाहिए, ताकि कम खर्च में अधिक संसाधान मुहैया कराया जा सके। मौके पर केदार नाथ लाल दास, एचएस गुप्ता, डॉ पीआर ठाकुर, शादाब हसन ने ऊर्जा के इकॉनोमी पर अपनी बात रखी।

इससे पहले दिनभर कई तरह की प्रतियोगिताओं में छात्रों ने हिस्सा लिया। यहां पोस्टर मेकिंग, ग्रीन क्विज, बेस्ट ऑफ वेस्ट, पेपर प्रजेंटेशन आदि शामिल हैं। परिणाम आज प्रकाशित किया जाएगा। कार्यक्रम का समापन भी इसी दिन होना है।



गुरुवार को सीयूजे में आयोजित सेमिनार का उद्घाटन करते अतिथि।

# 'सनातन धर्म से हुई है सभी धर्मों की उत्पति'

सीयूजे में संगोष्ठी

मांडर | प्रतिनिधि

सनातन धर्म से ही सभी धर्मों की उत्पति हुई है। सभी धर्मों का मूल इसी में छिपा है। आज भी सनातन धर्म सभी धर्मों को अपने में समावेशित कर सकता है। उक्त बातें प्रज्ञा प्रवाह केंद्र काशी के क्षेत्रीय संगठन मंत्री रामाशीष जी ने सीयूजे सभागार में शुक्रवार को कही।

वे यहां झारखंड चैतन्य परिषद के तत्वावधान में आयोजित धर्मनिरपेक्षता, धर्म और धर्मांतरण विषय पर आयोजित एक दिवसिय गोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोग धर्म को धर्म की तरह नहीं बल्कि कर्तव्य की तरह समझें। यदि आप अपने कर्तव्यों का निर्वाह सही ढंग से कर रहे हैं तो निश्चित ही लोग आपको-अपने धर्म के पुजारी समझेंगे। भारतीय संविधान के मूल में तो धर्मनिरपेक्षता शब्द था ही नहीं। जब पहली बार इसे संविधान में जोड़ने की बात पर चर्चा हुई, तो लगातार दो दिनों तक संसद में बहस चली। इसके बाद भी इसे नहीं जोड़ा गया था। बाद में इमरजेंसी के समय इसे जोड़ा गया।

धर्मनिपरेक्षता का मूल अर्थ तो पंथनिरपेक्ष है, लेकिन आज लोगों ने इस शब्द को गलत समझ लिया है। यही कारण है कि आज विश्व सांप्रदायिकता के आग में झुलस रहा है। गोष्ठी में रांची विश्वविद्यालय के कुलसचिव अमर कुमार चौधरी, सीयूजे के सतीष कुमार और मयंकर रंजन ने भी अपने-अपने विचार रखे। इससे पहले कार्यक्रम का उद्घाटन अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया।



शुक्रवार को सीयूजे में दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि।

# डिजिटल इंडिया से देश में आएगी सामाजिक समरसता : कुठियाला

सीयूजे में डिजिटल इंडिया व समरस भारत पर व्याख्यान



डिजिटल इंडिया और समरस भारत विषय पर व्याख्यान का उद्घाटन करते वीसी।

सिटी रिपोर्टर | रांची

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के वीसी प्रो. बृज किशोर कुठियाला ने कहा कि डिजिटल इंडिया देश में न सिर्फ आर्थिक विभाजन कम करेगा, बल्कि यह गरीब-अमीर, शहर-गांव और महिला-पुरुष के बीच की असमानता को भी कम करेगा। डिजिटल इंडिया की सफलता भारत की मजबूती के लिए जरूरी है। प्रो. कुठियाला गुरुवार को सीयूजे में जनसंचार केंद्र की ओर से डिजिटल इंडिया और समरस भारत विषय पर व्याख्यान दे रहे थे।

उद्घाटन करते हुए सीयूजे के वीसी प्रो. नंद कुमार यादव इंदु ने कहा कि यदि डिजिटल क्रांति का सही उपयोग किया जाए, तो यह देश के विकास में सहायक साबित होगा। हमें भी एक नए युग की ओर ले जाएगा। कार्यक्रम में प्रो एसके समदर्शी, प्रो. एनसी पांडेय, डॉ. सुचिता सेन चौधरी, डॉ. सतीश कुमार, डॉ. अशोक सरकार, डॉ. रवींद्रनाथ शर्मा, प्रो. संतोष तिवारी, डॉ. परमवीर सिंह, सुदर्शन यादव, राजेश कुमार, डॉ. आर पांडेय, कुणाल आनंद, डॉ. राहुल, अमीन नाजिश, हेना खान, रूपा कुमारी, मधुरिमा, नेहा पांडेय, डॉ. देवव्रत सिंह मौजूद थे।

# जनगणना के आंकड़ों का उपयोग शोध में करें छात्र

जनगणना विभाग की कार्यशाला में विचार रखते अतिथि।

एजुकेशन रिपोर्टर | रांची

जनगणना विभाग द्वारा एकत्रित आंकड़ों का उपयोग शोध के विकास के लिए किया जाना चाहिए। अभी छात्रों में इन आंकड़ों के बारे में जानकारी का अभाव है। ये बातें झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नंद कुमार यादव ने कहीं। वे जनगणना विभाग द्वारा जनसंचार केंद्र के साथ मिलकर गुरुवार को आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

**जनगणना के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित हुई कार्यशाला**

कार्यशाला में जनगणना विभाग उपनिदेशक प्रियतोष अमिष्ट ने झारखंड की जनगणना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जनगणना साल भर चलने वाली गतिविधि है। इसमें उच्च तकनीक का उपयोग किया जाता है। अधिक आबादी वाला देश होने के कारण भारत में जनगणना का कार्य चुनौतीपूर्ण है। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों में भारत सरकार द्वारा आयोजित जनगणना के बारे में जागरूकता फैलाना था, ताकि वे मीडिया एवं प्रबंधन में काम करने के दौरान आंकड़ों का सही उपयोग कर सकें। कार्यशाला के दौरान जनगणना के बारे में 15 मिनट का एक वृत्तचित्र भी दिखाया गया। कार्यशाला में जनसंचार एवं प्रबंधन विषयों के लगभग 100 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

# सीयूजे वीसी ने किया वुशु चैंपियन को सम्मानित

रांची | संवाददाता

सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड की छात्रा ज्योति कुमारी ने हाल ही में शिलॉन्ग में आयोजित फेडरेशन कप इवेंट में गोल्ड मेडल हासिल किया है। इससे पहले उसने दिसंबर में चंडीगढ़ में आयोजित 24वीं सीनियर नेशनल वुशु चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल पाया।

मंगलवार को उसे वीसी प्रो. नंद कुमार यादव इंदू ने सम्मानित किया। इस मौके पर सपोर्ट्स इंचार्ज राजेश कुमार, डॉ रवींद्रनाथ शर्मा, डॉ कलासंग वांग्मो, उज्ज्वल चक्रवर्ती सहित कई अन्य मौजूद रहे।

# सीयूजे की छात्रा ने वुशु में जीता गोल्ड

रांची | सीयूजे की छात्रा ज्योति कुमारी ने शिलांग में आयोजित फेडरेशन कप वुशु में गोल्ड जीता है। उसकी इस कामयाबी पर मंगलवार को सीयूजे के वीसी प्रो. नंद कुमार इंदू ने उसे सम्मानित किया। मौके पर स्पोर्ट्स इंचार्ज राजेश कुमार, डॉ. रवींद्रनाथ शर्मा, डॉ. केलसांग वांग्मो और उज्ज्वल चक्रवर्ती उपस्थित थे।

# चरित्र निर्माण हो शिक्षा का उद्देश्य : भवेशानंद

रांची | संवाददाता

शिक्षा का मूल उद्देश्य चरित्र निर्माण होना चाहिए। शिक्षा से ही समस्याओं का समाधान संभव है। यह बातें रामकृष्ण मिशन के स्वामी भवेशानंद ने सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड में कहीं। यहां वह स्वामी विवेकानंद की जयंती पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जिन नतीजों पर पश्चिम के विद्वान पहुंचरहे हैं, विवेकानंद यह पहले ही बता चुके हैं।

**खुद पर विश्वास नहीं रखने वाले नास्तिक:** सीयूजे के वीसी प्रो. नंद कुमार यादव इंदू ने कहा कि भारत की आत्मा को समझना है तो विवेकानंद को समझना होगा। स्वामीजी ने नास्तिक का मतलब समझाया था। उनके अनुसार नास्तिक वह नहीं जो भगवान पर विश्वास नहीं रखते, बल्कि वह है जो खुद पर विश्वास नहीं रखते। इस मौके पर 40 मिनट की डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई।

यहां प्रतियोगिताएं भी हुईं। प्रस्तावलेखन में संचयन महतो पहले स्थान पर, बिरजू कुमार दूसरे और नीतीश कुमार और सुधांशु शेखर तीसरे स्थान पर रहे। मौके पर प्रो एएन मिश्रा, डॉ सुचेता सेन चौधरी, मास कॉम के डीन-प्रो देव व्रत सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

# सीयूजे के छात्र स्किट में बने ओवरऑल चैंपियन

रांची | संवाददाता

सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड के छात्रों ने शानदार सफलता हासिल की है। इसके स्किट की टीम को ओवलऑल चैंपियन घोषित किया गया।

टीम के सदस्य आलोक कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में कुल 22 यूनिवर्सिटी की टीम हिस्सा ले रही थी। उनकी टीम ने दस मिनट में शिक्षा, असहिष्णुता, जुवेनाईल बोर्ड, हिट एंड रन केस, बिहार - झारखंड के मजदूरों की देश के अन्य भागों में स्थिति को दर्शाया। अब 18 से 22 फरवरी तक होनेवाले नेशनल यूथ फेस्टिवल में टीम हिस्सा लेगी। वह ईस्ट जोन के कुल 56 यूनिवर्सिटियों का प्रतिनिधित्व करने जा रही है। यह प्रतियोगिता मैसूर में होगी। सीयूजे के तरफ से कुल 40 छात्रों का दल तेजपुर गया हुआ था। वहां तेजपुर यूनिवर्सिटी में चल रहे ब्रह्मपुत्रा महोत्सव 31वें इंटर यूनिवर्सिटी ईस्ट जोन यूथ फेस्टिवल में हिस्सा लिया। टीम थियेटर, माइम, फोटोग्राफी, म्यूजिक, ट्राइबल डांस, क्लासिकल म्यूजिक - डांस, वन एक्ट प्ले, मिमिक्री आदि प्रतियोगिता में भागीदारी निभा रही थी। यह फेस्ट पांच से सात जनवरी तक चला।

## ...र सेमिनार की शुरुआत

...लवार को सीयूजे में सेमिनार का उदघाटन करते वीसी डॉ नंद कुमार यादव।

...डर | संवाददाता

...ाओं में कौशल विकास को बढ़ावा देने उद्देश्य से सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ ...रखंड में मंगलवार से दो दिवसीय ...मनार की शुरुआत हुई। इसका ...योजन ऊर्जा एवं संसाधन संस्थान, ...

कहा- इस सेमिनार के माध्यम से युव... को अपने अंदर छिपी प्रतिभा को निख... का मौका मिलेगा तथा समाज के ... अपने दायित्वों से भी वह रूबरू ह... इसमें कई एनजीओ, नेहरु युवा ... राष्ट्रीय सेवा योजना, रांची यूनिवर्सि... सेंट जेवियर कॉलेज, संजय ...

---

**समारोह** | सीयूजे में विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य में हुए कई कार्यक्रम, स्वामी भवेशानंद ने कहा

# शिक्षा का मूल उद्देश्य है छात्रों का आत्मबल विकसित करना

एजुकेशन रिपोर्टर | रांची

रामकृष्ण मिशन आश्रम, रांची के सचिव स्वामी भवेशानंद ने कहा कि शिक्षा का मूल उद्देश्य छात्रों का चरित्र निर्माण और उनमें आत्मबल विकसित करना है। शिक्षा ग्रहण करने का मतलब केवल सूचनाएं याद करना नहीं, बल्कि जीवन को इसके माध्यम से सही रूप में समझना है। वे गुरुवार को सेंट्रल यूनिवर्सिटी झारखंड (सीयूजे) में विवेकानंद जयंती समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

भवेशानंद ने शिक्षा के बारे में विवेकानंद के दर्शन पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि जिन नतीजों पर पश्चिम के विद्वान अब विचार कर रहे हैं, दरअसल वे विचार एक सदी पहले स्वामी विवेकानंद ने बहुत स्पष्टता से रख दिया था। ... में एएन मिश्रा समेत कई लोग ... सचेता ...




सेंट्रल यूनिवर्सिटी झारखंड में स्वामी विवेकानंद जयंती पर आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि।

### 40 मिनट की डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई

इस मौके पर स्वामी विवेकानंद के जीवन पर आधारित 40 मिनट की एक डॉक्यूमेंट्री भी ... गई। रामकृष्ण मिशन ने इस मौके पर ... संपूर्ण वांग्मय ...

### कई प्रतियोगिताएं आयोजित

स्वामी विवेकानंद जयंती पर सीयूजे में पोस्टर मेकिंग, प्रस्ताव लेखन व वाद-विवाद प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। प्रस्ताव लेखन में प्रथम स्थान संचयन मेहता, द्वितीय बिरजू कुमार और तृतीय स्थान ... और सुधांशु शेखर को मिला। इस अवसर ...

---

# यूथ फेस्टिवल में सीयूजे की टीम छायी

रांची | संवाददाता

सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड (...) के 40 छात्रों का दल तेजपुर ...ा है। टीम वहां चल रहे ब्रह्मपुत्रा ...व 31वें इंटर यूनिवर्सिटी ईस्ट ... फेस्टिवल में हिस्सा ले रही है। ... थियेटर, माइम, फोटोग्राफी, ..., ट्राइबल डांस, क्लासिकल ... - डांस, वन एक्ट प्ले, मिमिक्री ...तियोगिता में भाग लिया। सदस्य ...काश ने बताया कि यह तीन दिनों ...ट है। हमारे लिए बड़ा अवसर है ... ने राज्य और विश्वविद्यालय का ...शन करें। उम्मीद है अधिकतर ...ताओं में अवार्ड मिलेगा। यह प्रतियोगिता 3 जनवरी से 7 जनवरी तक चलेगा। टीम के सदस्यों में विपुल कपूर, सोमनाथ हजारे, रोहित पाठक, मनीष कुमार, सुषमा प्रिया गुप्ता, सोमी मंडल, रितिका दास, प्रिया, राजेश, सेवियो मोहित तिर्की, रब्बान, इबरान, आशा कुंकल, सुष्मिता सिंह, ललित उरांव, रौशन कुमार, मोहित मोहन, ऋषभ राज, आलोक कुमार पांडे सहित कई अन्य सदस्य शामिल हैं।



सोमवार को तेजपुर में आयोजित यूथ फेस्टिवल में भाग लेती सीयूजे की टीम।

---

# सेंट्रल यूनिवर्सिटी में तीन दिवसीय आदिवासी महोत्सव 8 से

मांडर (रांची)। प्रखंड के सेन्टल यूनिवर्सिटी आफ झारखंडमें 8 से 10 नवंबर के बीच अंतरराश्टीय आदिवासी महोत्सव कार्यकम का आयोजन किया जाना है। इस कार्यकम में गुजरात, दिल्ली, मध्य प्रदेश , उतर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, बंगाल आदि जगहों से तथा इसके साथ–साथ भुटान से वहां के जनजातीय कलाकार तथा वहां से बुद्धिजीवी लोगों का लगभग 800 लोगों का प्रति. निधिमंडल भी आने वाले हैं। इस क्रार्यकम में विभिन्न जगहों से आये कलाकार अपने जगहों के नृत्य पेश करेगें। इस कार्यकम में उनके वेश–भुशा, उनकी जीवन शैली, उनकें परंपराओं को ब्यक्त करने वाली पुस्तकें, उनके द्वारा निर्मित कलाकृतियां आदि की प्रदर्शनी की जाएगीं। इस कार्यकम की तैयारी विश्वविद्यालय में जोरदार तरिके से चल रही है। यहां एक अखरा का भी निर्माण कराया जा रहा है जहां आये कलाकर नृत्य पेश करेगें। इस कार्यकम का शुभारंभ 8 नवंबर को 10 बजे से किया जाएगा।

कॉन्फ्रेंस | सीयूजे में पानी और संपोषित विकास पर प्रो. फिलिप क्लेट ने कहा

# दोहन नहीं रुका तो पानी के लिए तरसेंगे

- सेंटर फॉर वाटर इंजी. एंड मैनेजमेंट ने किया आयोजन

भास्कर न्यूज़ | मांडर

सीयूजे में आयोजित कॉन्फ्रेंस में सोविनियर का विमोचन करते अतिथि।

लंदन के एसओएस यूनिवर्सिटी के इंटरनेशनल एंड इन्वायरमेंटल लॉ के प्रो. फिलिप क्लेट ने कहा कि पानी एक महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन है, लेकिन इसके दोहन और बढ़ती मांग के कारण यह हमसे दूर होता जा रहा है। वे शुक्रवार सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड (सीयूजे), ब्रांबे में पानी और संपोषित विकास विषय पर दो दिनी कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे।

भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय तथा नाबार्ड एवं पीएचडी चेंबर के सहयोग से सीयूजे के सेंटर फॉर वाटर इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट द्वारा आयोजित दो दिवसीय नेशनल कॉन्फ्रेंस में प्रो. क्लेट ने कहा कि बदलते पर्यावरण के कारण बीते 15-20 सालों में वैश्विक जलचक्र प्रभावित हुआ है। इसका प्रभाव जमीन पर दिखने भी लगा है। ऐसे में यदि समय रहते जल का संरक्षण नहीं किया गया, तो हमें भविष्य में पानी के लिए तरसना पड़ सकता है। इससे पहले कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन सीयूजे के कुलपति प्रो. नंद कुमार यादव इंदु समेत अन्य अतिथियों ने किया। कॉन्फ्रेंस का संचालन प्रतिभा और धन्यवाद ज्ञापन प्रोवीसी वीके त्रिपाठी ने किया। मौके पर अतिथियों ने कॉन्फ्रेंस की सोविनियर की भी विमोचन किया।

### मिलकर काम करने से ही बचेगा जल : प्रो. सुब्रमन्यम

आईआइटी, कानपुर के पूर्व प्रोफेसर के. सुब्रमन्यम ने कहा कि हमारे पास जितनी भी मुलभूत सुविधाएं हैं, उनमें पानी के साथ सबसे ज्यादा समस्या है। इस क्षेत्र में कई संस्थाएं काम कर रही हैं, लेकिन उनमें तालमेल का अभाव है। यदि सभी साथ मिलकर काम करें तो जल का संरक्षण हो सकता है। कई स्थानों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम जैसे उपाय किए गए हैं, हम उनमें सफल भी हुए हैं, लेकिन इसके साथ-साथ हमें भूमिगत जल पर भी ध्यान देना होगा। क्योंकि पीने के लिए 80 प्रतिशत आबादी भूमिगत जल पर ही निर्भर है। जबकि 60 प्रतिशत आबादी सिंचाई के लिए भी भूमिगत जल पर निर्भर है।

### कई देश पानी खरीद कर पीते हैं : प्रो. इंदु

सीयूजे के वीसी ने कहा कि बहुत कम समय में सीयूजे ने शोध के क्षेत्र में अलग पहचान बनाई है। संस्थान भले ही नया है, पर शोध के परिणाम बेजोड़ हैं। उन्होंने कहा कि पानी का यदि संपोषित विकास नहीं हुआ, तो 2025 तक दो तिहाई आबादी को काफी परेशानी हो सकती है। उन्होंने कहा कि सिंगापुर एक छोटा देश है, उसके पास पानी का अपना कोई संसाधन नहीं है। उसे पानी के लिए आयात पर निर्भर रहना पड़ता है। अरब देशों की हालत तो इससे भी बदतर है।

### प्लेसमेंट के लिए पीजी एचआर में आवेदन आमंत्रित

रांची | रांची यूनिवर्सिटी की पीजी सोशियोलॉजी डिपार्टमेंट में पीजी ह्यूमन राइट की पढ़ाई होती है। हेल्पलाइन इंडिया में प्लेसमेंट के लिए स्टूडेंट्स से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक स्टूडेंट्स 11 जनवरी तक बायोडाटा जमा कर सकते हैं। यह जानकारी कोर्स को-ऑर्डिनेटर डॉ. पीके सिंह ने दी। विशेष जानकारी के लिए 9204794944 पर संपर्क कर सकते हैं।

# सीयूजे के नए वीसी के रूप में प्रो. इंदु ने संभाला पदभार

कार्यवाहक वीसी प्रो. एएन मिश्र से पदभार ग्रहण करते प्रो. एनके यादव इंदु।

एजुकेशन रिपोर्टर | रांची

सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड (सीयूजे) के नए कुलपति प्रो. नंद कुमार यादव इंदु ने शनिवार को कुलपति का पदभार ग्रहण कर लिया। उल्लेखनीय है कि सीयूजे में स्थायी वीसी का पद करीब सालभर से रिक्त था। जबकि स्थायी वीसी के नियुक्ति की प्रक्रिया एमएचआरडी ने अप्रैल 2015 में शुरू की थी।

इस मौके पर विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति प्रो. एएन मिश्र, प्रभारी कुलसचिव प्रो. एसी पांडेय और शैक्षणिक-गैर शैक्षणिक कर्मचारियों ने नए वीसी का स्वागत किया। प्रो. इंदु को 37 वर्षों से भी अधिक अध्यापन का अनुभव है।

### समस्याएं सुलझाएंगे

पदभार ग्रहण करने के बाद वीसी ने शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक कर्मचारियों से कहा कि हमें साथ बैठकर, साथ सोचकर और साथ चलकर भविष्य में आने वाली चुनौतियों का सामना करना है। छात्रों समेत विवि की समस्याओं का हल निकालना हमारी प्राथमिकता होगी। आश्वस्त किया कि विश्वविद्यालय से जुड़ी सारी समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाएगा।

### वीसी के समक्ष चुनौती

- चेरी (मनातू) में तैयार हो रहे सीयूजे के नए कैंपस में 125 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं, लेकिन विगत एक वर्ष से यहां काम बंद है, उसमें काम शुरू कराना और यूनिवर्सिटी को शिफ्ट कराना।
- परमानेंट फैकल्टी की कमी से सीयूजे जूझ रहा है, फैकल्टी की शीघ्र नियुक्ति भी बड़ी चुनौती होगी।
- छात्रों के हॉस्टल की समस्या सबसे गंभीर है, जिसमें मेस और पानी की समस्या आम है, उसे दूर करना।

### बंद समाप्त किया जाएगा

उन्होंने यह भी कहा कि यूनिवर्सिटी में जो अनिश्चितकालीन बंद हुआ है, उसे शीघ्र समाप्त किया जाएगा। पूर्व की तरह नियमित कक्षाएं शीघ्र शुरू की जाएंगी। उन्होंने छात्रों से भी यूनिवर्सिटी वापस लौटने की अपील की। प्रो. इंदू ने कहा कि मेरी भूमिका एक अभिभावक की तरह है और मैं छात्रों और समस्त विश्वविद्यालय परिवार की उम्मीदों को पूरा करने का प्रयास करूंगा।

राष्ट्रीय मु...

क्षेत्रीय केन्द्र रांची, ईमेल rcranch...

(सीबीएसई / सीआईएससीई ...

24x7 एनआईओएस | माध्यमिक ... खुला है स्त्री...

प्रवेश

योग्यता मानदंड: *31 जुलाई, 2015 ... *31 जुलाई, 2015 ...

मुख्य विशेषताएं: • प्रवेश पाँच वर्षों तक वैध... स्थानांतरण (टीओसी) : पिछले पांच वर्षों में (अ... तक अंक और पिछले 10 वर्षों (अर्थात यदि ... • जब चाहो तब परीक्षा, इत्यादि

| प्रवेश शुल्क | माध्यमिक (कक्षा X) | उच्चतर मा... (कक्षा ...) |
|---|---|---|
| पुरुष | ₹ 1350 | ₹ 150... |
| महिलाएं | ₹ 1100 | ₹ 125... |
| छूट प्राप्त श्रेणी | ₹ 900 | ₹ 97... |

उपर्युक्त के अतिरिक्त, ऑनलाइन आवेदन फा... तक 200/–रुपए विलम्ब शुल्क के साथ। 16.0... तक 700/–रुपए विलम्ब शुल्क के साथ। विस्तृत विवरण, जैसे विषय, योग्यताएँ, एनआ... विवरणिका तथा आवेदन फॉर्म इत्यादि के लिए... नंबर 1800–180–9393, ईमेल: isc@nios.ac...

- एनआईओएस, वर्चुअल ओपन स्कूलिंग (V...
- स्ट्रीम 3 एवं 4 के अंतर्गत ऑनलाइन प्रवेश... चाहो तब परीक्षा प्रणाली के द्वारा परीक्षा दे...
- एनआईओएस के सीधे ऑडियो प्रसारण क...

विश्व क...


# सीयू में उतरा भारत

...ट्रल यूनिवर्सिटी में अंतरराष्ट्रीय ...सी महोत्सव शुरू

...देश के 700 कलाकार ...शिक्षाविद ले रहे हिस्सा

भास्कर न्यूज़ | रांची



सेंट्रल यूनिवर्सिटी में कलाकारों के साथ नृत्य करते प्रो. डीटी खटिंग।

...यूनिवर्सिटी, ब्रांबे में गुरुवार को ...वासी लोक का बहुरंग दिखा। ...भारतीय संस्कृति की विविधता ... शबाब पर थी। सबसे पहले ...म के बोडो नृत्य ने दर्शकों में ...कन पैदा की, तो झारखंड के उरांव ... ओड़िशा के बोंडा नृत्य ने मौसम ... और गुलाबी बनाया। इसके बाद ...पन एयर में झारखंड के झूमर, ...ाल के पाटा, असम के बारात और ...जस्थान के ग्वारी नृत्य का दर्शकों ... आनंद लिया। सेंट्रल यूनिवर्सिटी ...मजोरम के छात्रों ने मिजो डांस और ...सेंट्रल यूनिवर्सिटी मणिपुर ने शिमलम डांस को रंगाकार किया। मौका था तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय आदिवासी महोत्सव अखरा की शुरुआत का।

महोत्सव का उद्घाटन नार्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी नेहू के पूर्व वीसी बीडी शर्मा ने किया। इस मौके पर मणिपुर के गुरु रियूबेन मासंगबा, डॉ. सुचेता सेन चौधरी और डॉ. करमा उरांव आदि उपस्थित थे।

### सिकुड़ रहा है अखरा

मुख्य अतिथि बीडी शर्मा ने कहा कि आदिवासी संस्कृति की विविधता और अखरा की जीवंतता देखकर यहां अच्छा लगा। जबकि अखरा अब सिकुड़ता जा रहा है। उसे असली रूप में लाने के लिए जागरूकता जरूरी है। आदिवासियों का शोषण बंद होगा, तभी उनकी संस्कृति बचेगी।

### सेंटर फॉर म्यूजिक अगले साल से : प्रो. डीटी खटिंग

वीसी प्रो .डीटी खटिंग ने कहा कि सेंटर फॉर म्यूजिक की पढाई अगले सत्र से शुरू की जाएगी। आदिवासी महोत्सव के माध्यम से झारखंड वासी एक मंच पर विभिन्न संस्कृतियों को देख पाएंगे। नृत्य और संगीत के साथ-साथ यहां आदिवासियों के विकास पर भी चर्चा की जाएगी।

### सेंट्रल यूनिवर्सिटी में आज होने वाले कार्यक्रम

शुक्रवार को सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर का ट्राइब्स डांस, भूटान कॉलेज का ओलो झेम डांस, राजस्थान का कलबेलिया, लेह लद्दाख का जबरो, ट्रेडिशनल ड्रेस शो आदि होगा। कार्यक्रम दिन के 2.30 बजे से शुरू होगा।

सीयूजे | चेरी मनातू में नए कैंपस के पहले फेज का काम पूरा, शिफ्टिंग के लिए निदेश का है इतजार

# एक ही कैंपस में पढ़ेंगे 20 हजार छात्र

राजीव गोस्वामी | रांची

कांके के चेरी मनातू में 319 एकड़ में बन रहे है सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड के नए कैंपस के प्रथम चरण का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो गया है। इस पर अब तक करीब 125 करोड़ रुपए खर्च हो चुके है। नए कैंपस में शिफ्टिंग की तैयारी है। लेकिन सीबीआई जांच की वजह से यह नहीं हो पा रहा है। वर्तमान में पीजी के 208 ब्वॉयज और 208 गर्ल्स हॉस्टल को अंतिम रूप दिया जा चुका है। यूनिवर्सिटी का प्रयास है कि शीघ्र ही नए कैंपस में पीजी स्टूडेंट्स को शिफ्ट कर दिया जाए। इसके साथ ही स्कूल स्टाइल बिल्डिंग भी लगभग तैयार हो चुकी है। इसी बिल्डिंग में कक्षाएं संचालित करने की तैयारी है। एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है। नए कैंपस के सभी चरणों का कार्य पूरा होने पर सीयूजे की क्षमता 20 हजार स्टूडेंट्स की हो जाएगी। सेंट्रल यूनिवर्सिटी के कैंपस तक सड़क और बिजली की व्यवस्था राज्य सरकार ने कर दी है।

## मछली के आकार का बना है पीजी हॉस्टल

सीयूजे का पीजी हॉस्टल चार फ्लोर का है। ब्वॉयज और गर्ल्स के लिए अलग-अलग ब्लॉक है। दोनों यूनिट में प्रत्येक स्टूडेंट के लिए अलग कमरा बनाया गया है। जिसमें एक बेड, एक टेबल और एक वार्डरोब की व्यवस्था है। इसके अलावा ब्लॉक में कॉमन रूम, किचन, डाइनिंग हॉल, विजिटर्स हॉल बनाया गया है। फिजिकली चैलेंज स्टूडेंट्स के लिए ग्राउंड फ्लोर में रूम बनाए गए हैं। उनके बाथरूम में भी विशेष व्यवस्था की गई है। प्रत्येक फ्लोर पर 52 रूम हैं। साथ में 20 टॉयलेट और इतने ही बाथरूम।

## एकेडमिक बिल्डिंग में 47 लैब

एकेडमिक बिल्डिंग जी प्लस थ्री फ्लोर का बनाया जा रहा है। यह पूरी तरह से साउंड प्रूफ होगा। बिल्डिंग की बाहरी दीवारें स्टोन से बनी हैं। उसके बीच में पिलर और अंदर की दीवार ईंट की है। बाहर से खास डिजाइन स्टोन से दिया जा रहा है। इसमें कुल 32 लेक्चर थियेटर और 47 लैब हैं। इसके अलावा एक कांफ्रेंस हॉल और 80 फैकल्टी के लिए रूम बनाए गए हैं।

## 5000 के लिए है स्कूल स्टाइल बिल्डिंग

फिलहाल स्कूल स्टाइल बिल्डिंग में पीजी स्टूडेंट्स की कक्षाएं संचालित करने की तैयारी है। इसमें कुल 100 कमरे हैं। इसमें क्लास रूम और लैब शामिल हैं। भविष्य में इसमें प्लस टू स्कूल संचालित होगा। इस स्कूल की क्षमता 5000 बच्चों की होगी। जी प्लस थ्री इस बिल्डिंग में खास तौर से फिजिकली चैलेंज स्टूडेंट्स के लिए सभी फ्लोर में चढने के लिए रैंप बनाया गया है।

## बिना पहाड़ तोड़े बन रहा है कैंपस

सीयूजे के कैंपस की खासियत है कि यह गैरमजरूआ पहाड़ी जमीन पर बनाया जा रहा है। 319 एकड़ में चारों ओर पहाड़ ही पहाड़ है, लेकिन बिना पहाड़ को तोड़े कैंपस का निर्माण किया जा रहा है। पिछले तीन साल से निर्माण कार्य चल रहा है।

**20,000**
स्टूडेंट्स की क्षमता का हो जाएगा सभी चरण पूरा होने पर कैंपस

**2012**
से चल रहा है नए कैंपस का निमार्ण कार्य

## निर्देश मिलते ही शुरू होगी शिफ्टिंग

मुझे पदभार लिए अभी दो माह हुए हैं। नए कैंपस में शिफ्टिंग शीघ्र हो, इसके लिए पूरा प्रयास है। ताकि स्टूडेंट्स को इसका लाभ मिल सके। नए कैंपस में करोड़ों रुपए खर्च हो चुके हैं। लेकिन सीबीआई जांच की वजह से शिफ्टिंग का कार्य नहीं हो पा रहा है। अगर सीबीआई या सरकार की ओर से निर्देश मिल जाए तो जल्दी ही कैंपस चेरी मनातू में शिफ्ट हो जाएगा।

**प्रो. नंद कुमार यादव इंदु, वीसी, सीयूजे**

# केंद्रीय विश्वविद्यालय में अब चीनी भाषा की भी होगी पढ़ाई

## सीयूजे पहुंचा चीनी कॉन्सुलेट का प्रतिनिधिमंडल

चीनी कॉन्सुलेट प्रतिनिधिमंडल से विभिन्न मुद्दों पर वार्ता करते सीयूजे के कुलपति।

एजुकेशन रिपोर्टर | रांची

झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) में अब चीनी भाषा की भी पढ़ाई होगी। इसमें यहां के स्टूडेंट्स, फैकल्टी और रिसर्च स्कॉलर भी शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। ये बातें सोमवार को कोलकाता स्थित चाईनीज कॉन्सुलेट के जनरल मा चान वू ने सीयूजे में कहीं। वे अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ सीयूजे पहुंचे थे। इस मौके पर उन्होंने सुदूर-पूर्व भाषा अध्ययन केंद्र के छात्रों और अध्यापकों से भारत-चीन के बीच प्रगाढ़ होते आर्थिक-सांस्कृतिक संबंधों पर भी प्रकाश डाला।

कॉन्सुलेट जनरल ने अगले वर्ष से विश्वविद्यालय में दो नेटिव चाइनीज अध्यापकों को भेजने का भी आश्वासन दिया। इससे पहले विभाग के छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम से प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया।

### फैकल्टी व स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम पर दिया खासा जोर

सीयूजे और चाइनीज प्रतिनिधिमंडल के साथ कई मुद्दों पर वार्ता हुई। इसमें झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय और पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के विभिन्न विश्वविद्यालयों के बीच फैकल्टी और स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम पर खासा जोर दिया गया। साथ ही नेटिव चाइनीज अध्यापकों को विश्वविद्यालय में आमंत्रित करने और भारत-चीन के सांस्कृतिक संवाद पर भी चर्चा हुई।

वीसी प्रो. नंद कुमार यादव इंदु ने कॉन्सुलेट जनरल के आगमन की सराहना की। मौके पर भाषा-साहित्य अध्ययन केंद्र की डीन डॉ. श्रेया भट्टाचार्जी, सुदूर-पूर्व भाषा अध्ययन केंद्र के कोंचोक ताशीए और चाइनीज विभाग के अध्यापक अर्पणा राज, संदीप विश्वास, खना वैद्य मौजूद थे।

# यादें छोड़ गया 'अखरा' महोत्सव

PICS: PINTU

'अखरा' में नंदलाल नायक के साथ मांदर बजाते सीयू के वीसी.

रैंप पर इस अंदाज में दिखा ट्राइबल फैशन.

## सेंट्रल यूनिवर्सिटी में तीन दिनी ट्राइबल अखरा फेस्टिवल का रंगारंग समापन

**i next reporter**

**RANCHI (10 Nov):** सेंट्रल यूनिवर्सिटी, ब्रांबे में तीन दिनों तक चले अखरा महोत्सव का सैटरडे को समापन हो गया. माटी का रंग बिखेरने के लिए अलग-अलग स्टेट्स से पहुंचे ट्राइबल आर्टिस्ट्स ने भले ही एक-दूसरे को अलविदा कहा हो, लेकिन अपने परफॉर्मेंस की कई यादें वे छोड़ गए. गौरतलब है कि ट्राइबल कल्चर पर बेस्ड अखरा महोत्सव में 15 स्टेट्स के आर्टिस्टों ने अपने परफॉर्मेंस से लोगों का दिल जीत लिया.स्टूडेंट्स ने भी महोत्सव के अनुभव को एकदम नया बताया.

### अलग-अलग कल्चर का दिखा रंग

भले ही यह महोत्सव तीन दिनों के लिए आयोजित किया गया था, लेकिन इन तीन दिनों में ही ऐसा लगा जैसे पूरी इंडिया यहां सिमट आई हो. इस दौरान सीयू कैंपस मिनी इंडिया की तरह नजर आ रहा था. नॉर्थ ईस्ट से लेकर जम्मू-कश्मीर तक के कल्चर से यहां लोग रू-ब-रु हुए. इन स्टेट्स ने आए आर्टिस्टों ने अपने परफॉर्मेंस से दर्शकों का मन मोह लिया. मणिपुर के फेमस सिंगर गुरु रयूबेन मसंगवा ने अपने डांस और म्यूजिक से लोगों को झूमने पर विवश कर दिया, वहीं मेघालय के ना-रिमपाई बैंड ने भी खूब एंटरटेन किया. इसके अलावे भूटान का ओलो झेम, ओड़िशा का कांधबाड़ा, झारखंड का पायका, तमिलनाडु का मुलकुरूबा और मिजोरम के बैम्बू डांस का भी जलवा अखरा महोत्सव में छाया रहा.

### मिले अलग पहचान

ट्राइबल्स को कैसे अलग पहचान मिले. इनके लाइफ स्टाइल और रहन-सहन को कैसे बेहतर बनाया जाए, इस पर भी अखरा महोत्सव में चर्चा हुई. इस मौके पर बीडी शर्मा सरीखे कई एक्सपर्ट्स ने अपने विचार रखे. महोत्सव में ट्राइबल्स पर बेस्ड डॉक्यूमेंटरी मूवी भी लोगों को दिखाया गया.

### झारखंडी संस्कृति की दिखी झलक

अखरा महोत्सव में झारखंडी कल्चर की छटा भी देखने को मिली. तीन दिनों तक चले इस महोत्सव में उरांव, संथाली, छऊ और पायका डांस पेश कर झारखंडी कलाकारों ने लोगों का दिल जीत लिया. इस दौरान फैशन शो में भी झारखंडी कलाकारों की धूम रही. पूरे प्रोग्राम में ये आकर्षण का केंद्र बने रहे.

Models turn up in Garasia, Bodo and Santhal tribal costumes

# TRIBAL FASHION

Colourful dresses, innovative handicrafts — all this and more is on display at the Tribal India International Festival, Akhra, a three-day festival organized by Central University of Jharkhand (CUJ), which began on Thursday.

Tribal teams from various parts of India, right from Kargil in Kashmir to Nagas from North East and Jharkhand's own Santhalis, have made the university their home for these three days. "It's an attempt for us to meet, share and learn the tribal characteristics," says **DT Khathing**, vice chancellor, CUJ.

Along with some superb music, various tribal dance forms were presented, followed by a tribal fashion show, which was a crowd-puller. "I have never seen a more beautiful dress than what she was wearing," Aastha, a mass communication student said, referring to a girl wearing traditional Sikkim Bhutia tribe dress. However, it was a performance by renowned musician **Guru Rewben Mashangva**, which bowled the audience over. Rewben's rendition of *Winning peace together* saw the maximum claps and cheers.

**Manmohan Singh**

A model displays the attire of Lisei tribe from Mizoram



Traditional attire of Sikkim's Bhutia tribe

Costumes of the Mara tribe of Mizoram

# Three-day mega tribal fest begins at CUJ

**SUMEDHA CHAUDHURY**
RANCHI

To preserve tribal dignity worldwide, Central University of Jharkhand (CUJ) inaugurated three day Tribal India International Festival 'Akhra' on Thursday. The day one programmes highlighted on the concept of 'Jal, Jungle aur Zamin' (Water, forest and land) for which tribal society has been quite passionate with.

Former Commissioner of National Scheduled Caste and Scheduled tribes Dr. BD Sharma was the chief guest on this occasion. "48 tribal troops for cultural performance and 780 guests including professors, poets, film makers, sculptures, government officials and 9 Central Universities faculties along students across the nation and few from abroad are participating in this fest", informed Sucheta Sen Choudhury, the Organizing Secretary of this fest.

Speaking on the occasion Sharma who first coined 'Jal, Jungle aur Zamin' which had become signature tune of many contemporary tribal movements across the country was at pain to describe deplorable situation of tribal society.

"Today, Akhra (the religious land of tribals) has shrunken because of the rapid land acquisition by corporate houses while successive governments have remained insensitive towards feelings of tribal people towards Akhra," Sharma said. He further added "Indian tribal people are often termed as poor by the government which is no where justified." 'Mawa Mathi, Mawa Raj' (My land, my rule) stands for the tribal lands said Sharma.

Artists belonging to different tribal groups such as Bodo of Assam, Oraon of Jharkhand, Paniyas of Tamil Nadu and Bonda of Orissa presented their traditional dances. Kashmir's Landisha (a singing form) was presented depicting mobile culture's destructive impact on social life. Jharkhand's folk singer Mukund Nayak and his team presented mesmerizing Nagpuri welcome song which forced CUJ VC DT Khating and his wife to dance on the tunes of the song with others.

Food fest including traditional food item stalls from Arunachal Pradesh, Leh, Bhutan, Kerala and Jharkhand were put up.

Paintings from Jharkhand, Odisha and Madhya Pradesh were displayed during exhibition. Tribal photo gallery was organized along a display of various musical instruments and herbal jewelleries used in the tribal communities.

Tribal women from Lohardaga were seen making dolls out of discarded torn clothes while other local artisans were seen preparing earrings and animal show pieces with terracotta.

Academic seminar on 'Indigenous People in the Age of Corporate Social Responsibility (CSR)' was also held on first day wherein speakers focussed that nothing can compensate in land taken away by the tribal people.

Vice-Chancellor of Central University of Jharkhand DT Khating along with his wife during inaugural ceremony of international tribal festival Akhra, at Brambay near Ranchi on Thursday

Pioneer photo

रांची-आसपास

रांची, शनिवार, 10 नवंबर, 2012 6

सीयूजे में अंतरराष्ट्रीय आदिवासी महोत्सव | दूसरे दिन बही नृत्य और संगीत की बयार

# अखरा में कलाकारों ने बिखेरे जलवे

भास्कर न्यूज | मांडर/रांची

ब्रांबे स्थित सेंट्रल यूनिवर्सिटी झारखंड (सीयूजे) में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय आदिवासी महोत्सव के दूसरे दिन भी कलाकारों ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किए। देश भर से आए आदिवासी कलाकारों ने अपने पारंपरिक नृत्य से दर्शकों को खूब झुमाया। वहीं, विदेशी कलाकारों ने भी अपने जलवे बिखेरे। खूब तालियां बटोरी। शुक्रवार को कार्यक्रम की शुरुआत सेंट्रल यूनिवर्सिटी कश्मीर के दांबाली डांस से हुई। कश्मीर के दांबाली डांस ग्रुप ने अपनी प्रस्तुति से मन मोह लिया। इसके बाद भूटानी कलाकारों के नृत्य पर देर तक तालियां बजीं। भूटान कॉलेज की ओर से ओलो झेम बा मी चा बेदारा ओम सा ला मा नी डांस प्रस्तुत किया।

## आदिवासियों के प्रतिनिधित्व पर हुई चर्चा

महोत्सव के एकेडमिक सेशन में साहित्य में आदिवासियों के प्रतिनिधित्व विषय पर सेमिनार हुआ। इसमें कई नामचीन हस्तियों ने हिस्सा लिया। मुंडा आदिवासी की स्थिति, घुमंतू जनजातियों के हाल और साहित्य में आदिवासियों की मौजूदगी जैसे मसलों पर परिचर्चा हुई। इसमें ...



नागालैंड के कलाकारों ने पेश किया वार डांस | फोटो : रमीज

## असम और नगालैंड के कलाकारों ने मचाई धूम

असम और नगालैंड से आए कलाकारों ने अपने नृत्य के माध्यम से आदिवासी सभ्यता और संस्कृति का परिचय दिया। असम की चाय बागानों में काम करने वाले आदिवासी कलाकारों ने सादरी झूमर प्रस्तुत किया। वहीं, सांगताम ऑफ नागालैंड ने वार डांस और हांदू डांस प्रस्तुत कर पूरे परिसर में धूम मचा दी। दर्शकों को इनके नृत्य खूब भाए। ओडिशा के कलाकारों ने बोंडा नृत्य प्रस्तुत किया। वहीं, सिमडेगा के कलाकारों ने पायका नृत्य पेश कर वाहवाही लूटी।



भूटान कॉलेज के कलाकार ओलो झेम वा मी चा डांस प्रस्तुत करते हुए।

## ट्रैडिशनल ड्रेस शो का हुआ आयोजन

सेंट्रल यूनिवर्सिटी में शाम का नजारा देखने लायक था। ट्रैडिशनल ड्रेस शो में 15 राज्यों के कलाकारों ने एक से बढ़कर एक पारंपरिक वस्त्रों का प्रदर्शन किया। ड्रेस शो में कुल 15 जोड़ो ने हिस्सा लिया।

## समापन आज

अखरा महोत्सव में झारखंड, ... (कश्मीर), केरल, असम, ... नगालैंड, मिजोरम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, सिक्किम और भूटान से ... प्रतिभागी हिस्सा ले रहे ... समापन शनिवार को ...

▪ शनिवार को समापन समारोह में बुदनू मुंडा कला संस्कृति मंच द्वारा धरती आबा डांस का कार्यक्रम ▪ ओडिशा के ट्रुप ... ऑफ लातेहार द्वारा खेरोवाल डांस ▪ ट्रुप ऑफ मांडर द्वारा कलसन डांस। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्पीकर सीपी ...

## जनजातीय महोत्सव

ब्रांबे स्थित केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर में गुरुवार को तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय जनजातीय महोत्सव 'अखरा' शुरू हुआ. इसमें देश के जनजातीय समाज के विविध रंगों की छटा बिखरी. मिजोरम, नगालैंड, अरुणाचल, असम समेत 15 राज्यों के कलाकारों ने नृत्य-संगीत प्रस्तुत किया. रिपोर्ट पेज 15 पर फोटो | अमित दास

# लद्दाख से भूटान तक के आदिवासी जुटेंगे सीयूजे में

रांची | वरीय संवाददाता

सीयूजे कैंपस में अगले हफ्ते देश-विदेश के आदिवासी कलाकार और बुद्धिजीवियों का जुटान होगा। यूनिवर्सिटी की ओर से 8 नवंबर से तीन दिनी अंतरराष्ट्रीय जनजातीय महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। 'अखरा' नाम के इस महोत्सव में एक ही मंच पर देश-विदेश की कई जनजातियों से जुड़ी सभ्यता-संस्कृति, गीत-संगीत और राग-रंग का मंजर देखने का मौका मिलेगा।

**प्रतिभागियों से शुल्क नहीं :** 'अखरा' में लद्दाख (कश्मीर), केरल, असम, ओडिशा, नागालैंड, मिजोरम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, गुजरात, सिक्किम व भूटान से करीब सात सौ प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। प्रवेश निःशुल्क होगा।

**तरह खास बैंड की प्रस्तुति :** नृत्य-संगीत के रंगारंग कार्यक्रम में मणिपुर के लोकगायक गुरु रबेन मसांगवा, संथाली गायक दुर्गा मुर्मू और मेघालय के नारामपाई बैंड की प्रस्तुति खास होगी। कालबेलिया, झूमर, छऊ, कुडुख, हांडु, बोंडा, खारसांग, रंग-रोंग, लांगखोन जैसे जनजातीय नाच भी होंगे।

**फैशन शो और विदेशी व्यंजन :** फैशन शो में रैंप पर जनजातीय वेशभूषा की झलक मिलेगी। आदिवासी फूड फेस्टिवल में भूटान से लेकर लेह-लद्दाख और केरल से अरुणाचल प्रदेश के व्यंजन मिलेंगे। महोत्सव में आदिवासी मसले पर लिखी गई किताबों की प्रदर्शनी होगी। दोपहर और शाम के सत्र में सांस्तिक कार्यक्रमों की छटा बिखरेगी।

# Real India smiling: 3-day extravaganza at central varsity

Central University of Jharkhand (CUJ) vice chancellor DT Khathing and his wife match steps with dancers and folk singer Mukund Nayak (in green) during the inaugural session of the three-day event titled Akhra — Tribal India International Festival 2012 — at Brambe near Ranchi on Thursday. Around 2,000 tribals from across India — including Bodos from Assam, Bondas from Odisha, Paniyas from Tamil Nadu — and Bhutan are taking part in the fest. Chief guest BD Sharma, former SC and ST commissioner of India and author, reminded the gathering about their rich legacy. Nayak, who was in

Pg 6 | i next Ranchi, 9 November 2012 — campus live

PICS : PINTU

# A colourful start of Akhra Tribal Festival





- Tribal culture से रू-ब-रू होने का लोगों को मिला मौका
- Festival के first day हुआ रंगारंग कार्यक्रम

i next reporter

RANCHI (8 Nov): आईएएस और सोशल एक्टिविस्ट डॉ बीडी शर्मा ने अखरा कल्चर से रू-ब-रू कराते हुए कहा कि आदिवासी गरीब नहीं हैं. आदिवासी चाहते हैं कि उनके कंधों को मुक्त कर दिया जाए. इनके पास जंगल, जमीन और नदियां सबकुछ हैं, लेकिन आज के दौर में डेवलपमेंट के नाम पर सबकुछ छीना जा रहा है. जब तक अखरा का अस्तित्व रहेगा, तब तक विद्रोह की परंपरा भी जीवित रहेगी. डॉ शर्मा ने सेंट्रल यूनिवर्सिटी ब्रांबे, रांची में तुम्हारी जमीन हमारी, गर्व से कहो, हम भारतीय हैं. स्वागत भाषण में सेंट्रल यूनिवर्सिटी के वीसी डॉ डीटी खटिंग ने यूनिवर्सिटी की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला.

## Cultural programme पर झूमे लोग

प्रोग्राम में आर्टिस्ट्स के द्वारा पेश किए गए रंगारंग कार्यक्रम ने सबको मंत्रमुग्ध कर दिया. मौके पर देश के विभिन्न राज्यों केरल, मणिपुर, मिजोरम, नगालैंड और असम से लेकर कश्मीर, तमिलनाडु और राजस्थान तक के कलाकार मौजूद थे. झारखंड के उरांव नृत्य के बाद मुकुंद नायक ने अपनी पूरी टीम के साथ शानदार परफॉरमेंस दिया. प्रोग्राम का संचालन एके शर्मा ने किया और थैंक्स गिविंग सुचेता सेन चौधरी ने. प्रोग्राम में यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स भी मौजूद थे.

## Foreign food stall

अखरा ट्राइबल फिल्म फेस्टिवल में फूड स्टॉल

# सीयू में उतरा भारत

- सैंट्रल यूनिवर्सिटी में अंतरराष्ट्रीय आदिवासी महोत्सव शुरू
- देश-विदेश के 700 कलाकार और शिक्षाविद ले रहे हिस्सा

**भास्कर न्यूज** | रांची

सैंट्रल यूनिवर्सिटी, ब्रांबे में गुरुवार को आदिवासी लोक का बहुरंग दिखा। इसमें भारतीय संस्कृति की विविधता अपने शबाब पर थी। सबसे पहले असम के बोडो नृत्य ने दर्शकों में थिरकन पैदा की, तो झारखंड के उरांव और ओड़िशा के बोंडा नृत्य ने मौसम को और गुलाबी बनाया। इसके बाद ओपन एयर में झारखंड के झूमर, बंगाल के पाटा, असम के बारात और राजस्थान के ग्वारी नृत्य का दर्शकों ने आनंद लिया। सैंट्रल यूनिवर्सिटी मिजोरम के छात्रों ने मिजो डांस और सैंट्रल यूनिवर्सिटी मणिपुर ने शिमलम डांस को रंगाकार किया। मौका था तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय आदिवासी महोत्सव अखरा की शुरुआत का। महोत्सव का उद्घाटन नार्थ ईस्टर्न महोत्सव का उद्घाटन ... नेहू के पूर्व वीसी ... मौके पर



सैंट्रल यूनिवर्सिटी में कलाकारों के साथ नृत्य करते प्रो. डीटी खटिंग।

## सिकुड़ रहा है अखरा

मुख्य अतिथि बीडी शर्मा ने कहा कि आदिवासी संस्कृति की विविधता और अखरा की जीवंतता देखकर यहां अच्छा लगा। जबकि अखरा अब सिकुड़ता जा रहा है। उसे असली रूप में लाने के लिए जागरूकता जरूरी है। आदिवासियों का शोषण बंद होगा, तभी उनकी संस्कृति बचेगी।

## सैंटर फॉर म्यूजिक अगले साल से : प्रो. डीटी खटिंग

वीसी प्रो .डीटी खटिंग ने कहा कि सैंटर फॉर म्यूजिक की पढाई अगले सत्र से शुरू की जाएगी। आदिवासी महोत्सव के माध्यम से झारखंड वासी एक मंच पर विभिन्न संस्कृतियों को देख पाएंगे। नृत्य और संगीत के साथ-साथ यहां आदिवासियों के विकास पर भी चर्चा की जाएगी।

## सैंट्रल यूनिवर्सिटी में आज होने वाले कार्यक्रम

शुक्रवार को सैंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर का ट्राइब्स डांस, भूटान कॉलेज का ... राजस्थान का कलबेलिया, लेह लद्दाख का जबरो, ट्रेडिशनल ... के 2.30 बजे से शुरू होगा।

# एक मंच पर दिखा पूरा भारत

**केंद्रीय विवि में अखरा महोत्सव**

जागरण संवाददाता, रांची : सिक्किम से तमिलनाडु तक, राजस्थान से बंगाल तक। ओड़िशा भी, साथ में केरल और अरुणाचल प्रदेश। गुरुवार को केंद्रीय विश्वविद्यालय में पूरा देश समाया हुआ था। एक साथ। नृत्य-संगीत सभी एक एक मंच पर। रंग-बिरंगे परिधानों से पूरा कैंपस जगमगाया हुआ था। भाषाएं भी अलग-अलग थी। कोई राजस्थानी में बात कर रहा था तो कोई असमी में। इतनी विविधता के बाद भी एक चीज समान थी। देश के प्रति लगाव और सम्मान। देश के कोने-कोने से कुल 48 ट्राइबल आए थे। 780 से अधिक लोग। मकसद सिर्फ एक अपनी-अपनी संस्कृति का प्रदर्शन करना।

कैंपस को ट्राइबल टच देने की विशेष व्यवस्था की गई थी। गेट पर ही झारखंड की संस्कृति को दर्शाती पेंटिंग और झोपड़ी। अंदर आते ही जोहार से स्वागत। विद्यार्थी भी झारखंडी माहौल में रंगे हुए थे। जोहार... जोहार..। स्थाई अखड़ा का भी निर्माण किया गया था। आदिवासी संस्कृति को दर्शाने के लिए पेंटिंग और किताबों की प्रदर्शनी लगाई गई थी। विभिन्न राज्यों के आदिवासियों पर आधारित फूड फेस्टिवल भी। पहले दिन उद्घाटन समारोह के बाद दो कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पहला सीएसआर पर परिचर्चा और दूसरा विभिन्न राज्यों से आए समुदायों का सांस्कृतिक कार्यक्रम। शुरुआत झारखंड से ही हुई। मुकुंद नायक ने गाने और ढोल-नगाड़ों से सभी को झुमा दिया। सभी उनके साथ मंच पर उतर गए। दूसरे नंबर पर बंगाल से आए साबर ग्रुप ने अपनी पेशकश की। उनलोगों ने पाटा नृत्य पेश किया। पेड़ की पूजा पर आधारित इस नृत्य से भगवान को आभार दिया जाता है। तीसरे नंबर पर राजस्थान के ग्रासरिया जनजाति के लोग आए। बीन और ढोलक के साथ उन्होंने अलग ही समां बांधा।

## आदिवासियों पर न करें कृपा

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति-जनजाति आयोग के पूर्व कमिश्नर और आदिवासी मामलों के जानकार बीडी शर्मा ने कहा, आदिवासियों को किसी की कृपा की जरूरत नहीं है। कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी में भी सिर्फ खानापूर्ति होती है। आदिवासियों के जमीन से ही उनकी कमाई होती है, लेकिन उन्हें कुछ नहीं मिलता। अनुपम आनंद ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां को कदम उठाना होगा। सुनिश्चित भी करना होगा कि विकास हो।

**आज के कार्यक्रम**

- सांस्कृतिक कार्यक्रम : दोपहर 2:30 से 5:30 ओपेन एयर
- ट्रैडिशनल ड्रेस शो : शाम 6
- खोरठा फोक शो
- द मुंडा एंड देयर कंट्री पर परिचर्चा



झारखंडी कलाकारों के साथ नृत्य करते डीटी खटिंग व उनकी पत्नी।

## मेहमान कलाकारों से बातचीत



झारखंड के बारे में सुना था। पहली बार आना हो रहा है। इतने बड़े कार्यक्रम में अपनी संस्कृति को पेश करने का मौका मिला। अच्छा लग रहा है। आदिवासी संस्कृति को बचाने के लिए मेल-जोल सभी को बढ़ाना होगा।

**मनसा राम, राजस्थान**

बोडो समुदाय के कलाकार यहां पर अपनी संस्कृति दर्शाएंगे। तीन डांस फार्म यहां पेश करेंगे। कोशिश है यहां से कुछ सीख कर जाएं। जिसे अपने राज्य में हम प्रदर्शित करेंगे।

**रीनगेशन बसनतोरी**
**बोड़ोलैंड विश्वविद्यालय, आसाम**

काफी कुछ नया है यहां। अलग-अलग समुदाय के लोग हैं। फिर भी सबकुछ अपना-अपना लग रहा है। आदिवासियों की संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए अच्छा कदम।

**तिलेश्वर बोड़ो, असम**



यहां कई सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करना है। पत्ता डांस हमारा मुख्य डांस होगा। इसे प्रकृति की पूजा के लिए भी किया जाता है। झारखंड में भी कुछ ऐसी ही संस्कृति है।

**चांदशबर, पश्चिम बंगाल**

## सीयूजे में खाएं बंबू राइस

रांची : अगर आपको बांस में पके चावल का टेस्ट लेना है, तो सीधे केंद्रीय विश्वविद्यालय आ जाएं। यहां आपको चावल के अनोखे डिश मिलेंगे। बंबू राइस, खमति चावल, बटर टी और भी बहुत कुछ। कई राज्यों के पारंपरिक डिशेज के स्टॉल लगे है। सबसे पहले अरूणाचल प्रदेश का। यहां सबकुछ चावल से बना है। बंबू राइस। एक खास तरह के बांस को छील कर उसमें चावल भरा जाता है। फिर उसे स्टीम किया जाता है। लगभग एक घंटे के बाद बांस को छिला जाता है। अंदर एक पतला लेयर बचने पर उसे उसी तरह सब्जी के साथ खाने के लिए परोसा जाता है। इस चावल को दो दिनों बाद भी खाया जा सकता है। साथ ही पौष्टिक भी होता है। खमति चावल भी खास तरह के पत्ते में बांध कर पकाया जाता है।



## आदिवासी गरीब नहीं, शोषित हैं

वरीय संवाददाता, रांची : जब अखरा जीवित रहेगा, तभी विद्रोह की परंपरा भी जीवित रहेगी। यह बात सेंट्रल यूनिवर्सिटी ब्रांबे, रांची में तीन दिवसीय ट्राइबल इंडिया इंटरनेशनल फेस्टिवल का उद्घाटन करते हुए गुरुवार को पूर्व आइएएस अधिकारी व सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. बीडी शर्मा ने कही। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय को इस दिशा में पहल करनी चाहिए, ताकि अखरा वास्तविक रूप में बच सके। आदिवासियों ...

जंगल है, जमीन है, नदियां है। लेकिन आज विकास के नाम पर सब कुछ उनसे छीना जा रहा है। उन्होंने गोंड जाति की चर्चा करते हुए बताया कि वहां भविष्य काल है ही नहीं। वह वर्तमान में जीता है। यही हर आदिवासी समाज का जीवन दर्शन है। हमारा गांव हमारा राज की वकालत करते हुए कहा कि ... रों ने ही ... है। देश ... की ओर ... भारत से ... रुपये ही ... के लिए ... ती है। ... डीटी ... प्रकाश

डाला। इसके बाद रंगारंग कार्यक्रम शुरू हुआ तो अखरा में पूरा देश ही एकत्रित था। केरल से लेकर मणिपुर, मिजोरम, नगालैंड, असम से होते हुए कश्मीर, तमिलनाडु, राजस्थान...। सबकी अपनी भाषा, अपने रंग और अपने नृत्य। हर नृत्य का एक ही संदेश। प्रकृति अनमोल है। असम से आए बोडो का भी यही संदेश। मांदर की थाप पर वे भी कह रहे थे। वा गुरु..तमिलनाडु की टीम अपने पारंपरिक वाद्य चीनम, बांसुरी के साथ नृत्य से भाव विभोर कर दिया। झारखंड के उरांव नृत्य के बाद मुकुंद नायक अपनी पूरी टीम के साथ सभी कलाकारों को जोहार बोला...गोतिया हमार घरे पहुंच गेलय...इस धुन पर पर कुलपति खटिंग और उनकी पत्नी भी थिरकी।

# सीयूजे के अखरा में दिखेगी गाड़ी लोहरदगा मेल

सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड (सीयूजे) के अखरा में देश विदेश के कई नामचीन डॉक्यूमेंट्री फिल्म मेकर शिरकत करेंगे। आठ से 10 नवंबर तक विवि के कैंपस में आदिवासी और विकास के मुद्दे पर बनी फिल्मों के प्रदर्शन के बाद उस पर चर्चा होगी। इसमें भारत के अलावा दुनिया के कई विख्यात डॉक्यूमेंट्री निर्माताओं के अलावा साहित्यिक सत्र में नामचीन साहित्यकार भी भाग लेंगे।

**डीबी स्टार रांची.** 8986800740

सीयूजे के भारत अंतर्राष्ट्रीय आदिवासी महोत्सव (अखरा) में गाड़ी लोहरदगा मेल और एक रोपा धान जैसी फिल्में दिखाई जाएंगी। ब्रांबे विवि कैंपस में देश और दुनिया की कई ख्याति प्राप्त हस्तियां शामिल होंगी। नामचीन डॉक्यूमेंट्री फिल्म मेकर्स के अलावा देश के जाने माने साहित्यकार भी अखरा में जुट रहे हैं। आदिवासी और विकास के मुद्दों पर फिल्में बनाने वाले निर्माता अपनी फिल्मों के प्रदर्शन के बाद दर्शकों से संवाद भी करेंगे। सीयूजे के डॉ संदीप यादव व रजनीकांत पांडेय ने बताया कि डॉक्यूमेंट्री फिल्म मेकर्स और साहित्कारों के जुटान से विवि के स्टूडेंट्स और लोगों को काफी कुछ सीखने को मिलेगा। अखरा में सीयूजे स्टूडेंट्स द्वारा बनाई गई डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई जाएगी।

## आने वाले डॉक्यूमेंट्री फिल्म मेकर्स

डी राइकॉफ-इंग्लैंड, अहमद आबिद-बांग्लादेश, केपी जयशंकर-टिस, मुंबई, आइनेम दोरेन- मणिपुर, संजीव कुमार व देवाशीष मुखर्जी-जमशेदपुर, मोजीरिबा-अरुणाचल प्रदेश, श्रीधर हेगड-कर्नाटक, मेघनाथ व बीजू टोप्पो-रांची।

## साहित्यिक सत्र भी होगा खास

महोत्सव में राजस्थान के रिटायर्ड आईजी हरेराम मीणा, झारखंड से निर्मला पुतुल व रमणिका गुप्ता, वर्धमान विवि से शांतनु बनर्जी, दिल्ली विवि से प्रेम सिंह कुमकुम, हैदराबाद से सुरेश जगन्नाथन व भास्कर राव गुरांतल, कर्नाटक से केएम मैत्री और मैसूर से मली गांधी आएंगे।

# झारखण्ड केन्द्रीय विश्वविद्यालय

रातू - लोहरदगा रोड, ब्राम्बे, राँची - 835205

www.cuj.ac.in

919_0219_Annapurna Press & Process 0651-2331800, appranchi.1969@gmail.com